सब का सपना

निष्पक्ष व निडर- हिंदी दैनिक समाचार पत्र

जसप्रीत बुमराह ने वसीम अकरम का रिकॉर्ड तोड़ा, सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले एशियाई बने -पेज: 7

सलमान खान की गलवान घाटी पर आधारित फिल्म में नजर आएंगी चित्रांगदा सिंह -पेज: 8

वर्ष: 01 | अंक: 75 | सोमवार 23 जून 2025 | अमरोहा (उत्तर प्रदेश) | www.sabkasapna.com | पृष्ठ : 8 | मूल्य : 4 रुपए

ईरान-इजरायल-अमेरिका युद्ध का भारत पर क्या असर होगा, पाकिस्तान का कद बढ़ेगा? जानें हर सवाल के जवाब

हाल के वर्षों में भारत और इजरायल के संबंध मजबूत हुए हैं, खासकर सुरक्षा और तकनीक के क्षेत्र में। हमास के हमले पर भारत की प्रतिक्रिया और गाजा में सीजफायर पर वोटिंग से दूरी ने भारत के रणनीतिक हितों को दशार्या।

नई दिल्ली (एजेंसी): बीते कुछ सालों में भारत और इजरायल करीब आए हैं। सेक्योरिटी और टेक्नोलॉजी के क्षेत्र में भारत और इजरायल के बीच गहरा सहयोग देखने को मिला है। साल 2023 के अक्तूबर महीने में हमास के हमले को लेकर भारत ने सख्त शब्दों में प्रतिक्रिया दी थी और साथ ही गाजा में सीजफायर से जुड़े यूएन प्रस्ताव पर वोटिंग से किनारा भी किया था। भारत का तर्क था कि उस प्रस्ताव में आतंकवाद की कड़ी आलोचना शामिल नहीं थी, भारत के इस रुख को लेकर भारत में विपक्षी दलों ने विरोध भी जताया था। वहीं पहलगाम हमले के बाद इजरायल उन देशों में था जो भारत की आत्मरक्षा के अधिकार के साथ खुलकर सामने आया । लेकिन याद रखने वाली बात ये भी है कि ईरान के साथ भारत के ऐतिहासिक और सांस्कृतिक विरासत से जुड़े संबंध हैं। भारत और ईरान क्षेत्रीय कनेक्टिविटी, जियोपॉलिटिकल बैलेंस के साथ साथ ऊर्जा सुरक्षा जैसे मुद्दों पर करीबी सहयोग से जुड़े हैं। ऐसे में हालिया युद्ध के मद्देनजर भारत का बहुत कुछ दांव पर लगा है। भारत के लिए मध्य एशिया का लिंक है चाबहार पोर्ट प्रोजेक्ट चाबहार पोर्ट प्रोजेक्ट भारत को अफगानिस्तान, सेंट्रल एशिया और ईरान तक सीधी पहुंच देता है। भारत ने इस प्रोजेक्ट में अच्छा खासा निवेश किया है। चीन की बीआरआई परियोजना के मद्देनजर रूचि और पाकिस्तान की छुपी प्रतिद्वंद्विता की वजह से ये भारत के लिए अहम रणनीतिक प्रोजेक्ट है । सेंट्रल एशिया ना सिर्फ एनर्जी बल्कि रेयर अर्थ मिनरल्स के कारण भी बहुत अहम है। ऐसे में युद्ध कनेक्टिविटी को लेकर भारत की योजना को आघात पहुंचा सकता है। भारत इंटरनेशनल नॉर्थ साउथ ट्रांसपोर्ट कॉरिडोर को होने वाले संभावित खतरों पर भारत नजर बनाए हुए है । ध्यान रहे कि चाबहार किसी विदेशी बंदरगाह के मैनेजमेंट को लेकर भारत की पहली कोशिश है। ईरान और इजरायल में हजारों भारतीय मौजूद हैं इजरायल और ईरान, दोनों देशों में अच्छी खासी तादाद में भारतीय नागरिक मौजूद हैं। अगर हालात बिगड़ते हैं तो भारत को तात्कालिक तौर पर इन लोगों की जान और माल की सुरक्षा की चिंता करनी होगी। भारत ने ऑपरेशन सिंधु के चलते इन देशों से अपने नागरिक निकाले भी हैं। लेकिन अभी भी तादाद बहुत बड़ी है। एक आंकड़े के मुताबिक इजरायल में करीब 18 हजार और ईरान में करीब 10000 भारतीय मौजूद हैं। भारत के हक में नहीं कमजोर ईरान ट्रंप प्रशासन की विदेश नीति में पाकिस्तान को तरजीह मिल रही है। ध्यान देने वाली बात ये भी है कि चीन पाकिस्तान के क्षेत्रीय गठजोड़ के मद्देनजर ईरान पर हमलों के बाद एक कमजोर ईरान पाकिस्तान की रणनीतिक हैसियत को मजबूत ही करेगा जो कि भारत के हक में नहीं होगा। बीते साल जनवरी में ही ईरान और पाकिस्तान के बीच उस वक्त तनाव देखने को मिला था जब दोनों ने एक दूसरे के आतंकी संगठनों को पनाह देने का आरोप लगाया था। ऐसे में अगर संघर्ष लंबा खींचता है तो साझा सीमा के मद्देनजर अमेरिका के लिए पाकिस्तान का कद बढ़ जाएगा। विदेश नीति के लिए चुनौती कैसे है? भारत सरकार कहती रही है

अमेरिकी हमले के बाद पीएम मोदी ने ईरान के राष्ट्रपति को मिलाया फोन

नई दिल्ली (एजेंसी): इजरायल-ईरान संघर्ष बेहद खतरनाक मोड़ पर पहुंच चुका है। रविवार सुबह अमेरिका ने ईरान के परमाणु ठिकानों पर हमले किए। अमेरिका की कार्रवाई के बाद दुनिया में हलचल तेज हो चुकी है। इसी बीच पीएम नरेंद्र मोदी ने ईरान के राष्ट्रपति पजशिकयान से फोन पर बातचीत की और ईरान-इजरायल संघर्ष पर चिंता जाहिर की है। पीएम मोदी ने बातचीत की जानकारी देते हुए कहा कि मैंने ईरान के राष्ट्रपति से कूटनीतिक और बातचीत के जरिए किसी भी मुद्दे को सुलझाने की अपील की है।मैंने तनाव को कम करने के लिए बातचीत की: पीएम मोदी प्रधानमंत्री ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, मैंने ईरान के राष्ट्रपति पजशिकयान के साथ बात की है। हमने क्षेत्र की मौजूदा स्थिति पर विस्तार से चर्चा की और बढ़ते तनाव को लेकर अपनी गहरी चिंता भी जताई है। मैंने तनाव को कम करने के लिए बातचीत और कूटनीतिक को प्राथमिकता देने की अपील की है और क्षेत्र में शांति, सुरक्षा और स्थिरता की जरूरत पर जोर दिया है। बता दें कि अमेरिका ने फोर्दो, नतांज और इस्फाहान, तीनों परमाणु ठिकानों पर हमले किए।

सिंधु समझौता रद्द. लेकिन पानी पर कौन करेगा नियंत्रण? उमर अब्दुल्ला ने उठाए सवाल

नई दिल्ली (एजेंसी): पहलगाम हमले के बाद भारत सरकार ने सिंधु समझौते को रद्द कर पाकिस्तान की ओर जाने वाला पानी रोक दिया था, जिसके बाद अब पानी को लेकर विवाद गहराता जा रहा है। जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने हाल ही में बयान दिया है कि सिंधु समझौते के रद्द होने के बाद बचा हुआ पानी केवल जम्मू-कश्मीर का अधिकार है। उन्होंने कहा कि जम्मू क्षेत्र में सूखे की स्थिति है और वहां पानी की किल्लत है, इसलिए वे फिलहाल पंजाब, हरियाणा और राजस्थान को पानी देने के पक्ष में नहीं हैं। उमर अब्दुल्ला ने स्पष्ट किया कि पंजाब ने पहले भी जरूरत के समय जम्मू-कश्मीर को पानी नहीं दिया, इसलिए अब वह उन राज्यों को पानी भेजने का पक्ष नहीं रखते। उनके इस बयान पर पंजाब के कैबिनेट मंत्री हरपाल सिंह चीमा ने कड़ा विरोध जताया। चीमा ने कहा कि पानी का मामला राष्ट्रीय महत्व का है और इसमें सभी राज्यों का लाभ होना चाहिए। उन्होंने कहा कि जम्मू-कश्मीर से होते हुए पाकिस्तान जाने वाले जल को रोकने का सरकार का निर्णय स्वागत योग्य है, लेकिन इस पानी को पंजाब, राजस्थान और जम्मू-कश्मीर के बीच सही तरीके से बांटा जाना चाहिए। पंजाब पर राजस्थान के श्रीगंगानगर जिले को पर्याप्त पानी न देने का भी आरोप है, जिसे हरपाल सिंह चीमा ने खारिज किया। उन्होंने कहा कि पंजाब अपने हिस्से का पानी राजस्थान को दे रहा है और उसके पास इससे अधिक पानी उपलब्ध नहीं है।पंजाब कैबिनेट ने लिए कई अहम फैसले पंजाब की कैबिनेट ने मुख्यमंत्री भगवंत मान की अध्यक्षता में महत्वपूर्ण बैठक की। इसमें जेल प्रशासन को मजबूत करने के लिए 500 नए अधिकारियों की नियुक्ति का निर्णय लिया गया। साथ ही फायर सेफ्टी सर्टिफिकेट की अवधि एक साल से बढ़ाकर तीन साल कर दी गई है। इसके अलावा पंजाब लेबर वेलफेयर फंड में नियोक्ता और कर्मचारी के योगदान को भी बढ़ाया गया है। अब कर्मचारी का मासिक योगदान 10 रुपए और नियोक्ता का 40 रुपए होगा।

छत्तीसगढ़ के दो दिवसीय दौरे पर गृह मंत्री अमित शाह, नक्सल विरोधी अभियानों की करेंगे समीक्षा

छत्तीसगढ (एजेंसी): केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह वामपंथी उग्रवाद से प्रभावित बस्तर में सुरक्षा स्थिति का आकलन करने के लिए रविवार को दो दिनों के लिए छत्तीसगढ़ का दौरा करेंगे। रविवार को शाह नवा रायपुर में कई केंद्रीय संस्थानों की आधारशिला रखेंगे और राष्ट्रीय फोरेंसिक विज्ञान विश्वविद्यालय और केंद्रीय फोरेंसिक विज्ञान प्रयोगशाला के नए परिसरों का उद्घाटन करेंगे। छत्तीसगढ़ सरकार के प्रवक्ता ने बताया कि शाम को वह मुख्यमंत्री विष्णु देव साय, राज्य के वरिष्ठ अधिकारियों और शीर्ष सुरक्षा कर्मियों के साथ एक उच्च स्तरीय सुरक्षा समीक्षा बैठक की अध्यक्षता करेंगे, जिसमें नक्सल विरोधी अभियानों पर ध्यान केंद्रित किया जाएगा। 23 जून को शाह दक्षिण बस्तर के नारायणपुर का दौरा करेंगे और विकास पहलों की समीक्षा करने के लिए सुरक्षा कर्मियों और स्थानीय ग्रामीणों से मिलेंगे। गृह विभाग की देखरेख करने वाले उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा ने कहा कि वह बस्तर में एक सुरक्षा शिविर का भी दौरा कर सकते हैं। मुख्यमंत्री साय ने शुक्रवार को शाह के दौरे की तैयारियों की समीक्षा के लिए एक बैठक की, जिसमें उन्होंने इसे छत्तीसगढ़ के लिए नई ऊर्जा और आत्मविश्वास का प्रतीक बताया, जिसमें उग्रवाद से निपटने और समावेशी विकास को बढ़ावा देने के लिए समन्वित प्रयासों पर जोर दिया गया। नवंबर 2023 में भाजपा के सत्ता में लौटने के बाद से, छत्तीसगढ़ में कई शीर्ष कैडर सहित 427 माओवादी मारे गए हैं। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने शाह की इस प्रस्तावित यात्रा को छत्तीसगढ़ के लिए नई ऊर्जा और विश्वास का प्रतीक बताया है। उपमुख्यमंत्री शर्मा ने संवाददाताओं को बताया कि राज्य सरकार ने नवा रायपुर में एनएफएसयू के लिए 40 एकड़ जमीन आवंटित की है तथा इसे केंद्र द्वारा लगभग 400 करोड़ रुपये की लागत से बनाया जाएगा। उन्होंने बताया कि राज्य फोरेंसिक लैब एनएफएसयू के करीब ही छह से सात एकड़ भूमि पर स्थापित की जाएगी।

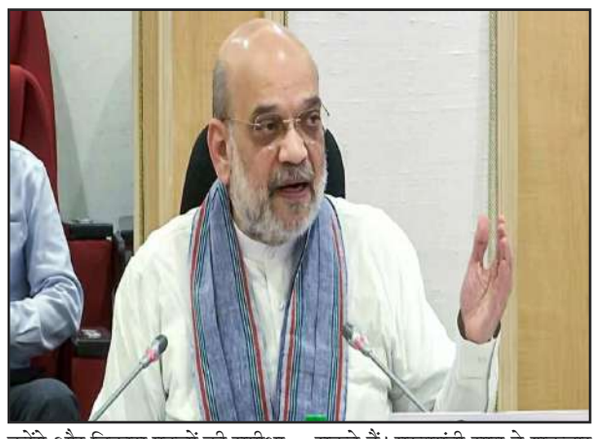

राष्ट्रीय स्वच्छ वायु कार्यक्रम में कई स्तरों पर खामियां हैं : जयराम रमेश

नई दिल्ली (एजेंसी): कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने शनिवार को आरोप लगाया कि राष्ट्रीय स्वच्छ वायु कार्यक्रम में कई स्तरों पर खामियां हैं और विभिन्न शहरों में इसके तहत आवंटित धन का पूरा उपयोग भी नहीं किया गया। पूर्व पर्यावरण मंत्री रमेश ने एक्स पर पोस्ट किया, राष्ट्रीय स्वच्छ वायु कार्यक्रम कई स्तरों पर नीतिगत खामियों से ग्रसित है। इसकी सबसे बड़ी कमी यह रही है कि इस कार्यक्रम का फोकस पीएम 2.5 (2.5 माइक्रोन से छोटे कणों) के बजाय पीएम10 (10 माइक्रोन से छोटे कणों) को मापने और निगरानी तक सीमित कर दिया गया, जबकि हर साल हजारों लोगों की मौत का मुख्य कारण पीएम 2.5 होता है। .उन्होंने कहा कि अब यह भी सामने आ रहा है कि कार्यक्रम का दायरा सीमित किए जाने के बावजूद धन का उपयोग बेहद निराशाजनक रहा है। रमेश के अनुसार, इस योजना के तहत धन पाने वाले 130 शहरों ने औसतन केवल 70 से 78.5 प्रतिशत तक ही धन का उपयोग किया है।उन्होंने कहा कि दिल्ली जैसे शहर में जहां हर साल वायु प्रदूषण एक सार्वजनिक स्वास्थ्य की आपात स्थिति और राष्ट्रीय शर्म का विषय बन जाता है, यहां भी इस योजना के तहत मिले धन का महज 33 प्रतिशत से भी कम खर्च किया गया है। कांग्रेस महासचिव ने दावा किया कि फरीदाबाद ने सिर्फ 26.7 प्रतिशत, नोएडा ने 10 प्रतिशत से भी कम, और यहां तक कि प्रधानमंत्री का निर्वाचन क्षेत्र वाराणसी भी सिर्फ 48.85 प्रतिशत धन का उपयोग कर पाया, जो कि राष्ट्रीय औसत से काफी कम है।

चुनाव के बाद नीतीश कुमार नहीं होंगे मुख्यमंत्री, तेजस्वी का दावा- बीजेपी ने जेडीयू को हाईजैक कर लिया है

पटना (एजेंसी): राष्ट्रीय जनता दल के नेता तेजस्वी यादव ने शनिवार को आरोप लगाया कि भारतीय जनता पार्टी ने जनता दल यूनाइटेड पर नियंत्रण कर लिया है। उन्होंने दावा किया कि आगामी बिहार विधानसभा चुनाव के बाद मुख्यमंत्री नीतीश कुमार अपने पद पर नहीं रहेंगे। यादव ने अपने दावों को दोहराया कि क्षेत्रीय पार्टी द्वारा विधानसभा टिकटों के वितरण में बीजेपी की निर्णायक भूमिका होगी। "जेडीयू टिकट वितरण भी अमित शाह करेंगे"आरजेडी नेता ने बताया, "...बिहार में हर कोई जानता है कि चुनाव के बाद नीतीश कुमार मुख्यमंत्री नहीं होंगे। अमित शाह ने कई बार यह स्पष्ट किया है... भाजपा ने जेडीयू को हाईजैक कर लिया है। संजय झा आरएसएस के व्यक्ति हैं। वे अरुण जेटली कोटे से जेडीयू में हैं। जेडीयू टिकट वितरण भी अमित शाह द्वारा किया जाएगा, न कि नीतीश कुमार द्वारा..." इससे पहले, तेजस्वी यादव ने चुनावी राज्य बिहार में जनता दल (यूनाइटेड) पर तीखा हमला किया, जिसमें आरोप लगाया गया कि क्षेत्रीय पार्टी द्वारा विधानसभा टिकट वितरण में भाजपा का निर्णायक प्रभाव होगा। तेजस्वी ने सरकार पर शासन रिकॉर्ड को लेकर भी किया हमला एक प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए, तेजस्वी यादव ने गठबंधन सरकार पर उसके शासन रिकॉर्ड को लेकर भी हमला किया, जिसमें पूछा गया कि क्या उसने राज्य में आईटी पार्क, एसईजेड (विशेष आर्थिक क्षेत्र), औद्योगिक क्लस्टर, सेमीकंडक्टर कारखाने, खाद्य प्रसंस्करण इकाइयां या शैक्षणिक केंद्र स्थापित किए हैं। बिहार में सत्तारूढ़ गठबंधन में जेडी(यू) और भाजपा प्रमुख दल हैं। बिहार में विपक्षी दलों ने मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की "स्वास्थ्य स्थिति" के बारे में बात की है और तेजस्वी यादव ने भी अपने प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान उन पर निशाना साधा। नीतीश सरकार पर विजन की कमी का लगाया आरोप राजद नेता ने नीतीश कुमार सरकार पर विजन की कमी का आरोप लगाया। "हम सरकार को आईटी पार्क, एसईजेड (विशेष आर्थिक क्षेत्र), औद्योगिक क्लस्टर, औद्योगिक पार्क, सेमीकंडक्टर कारखाने, खाद्य प्रसंस्करण इकाइयां, कपड़ा केंद्र, शैक्षिक केंद्र और स्वास्थ्य शहरों पर बोलने के लिए मजबूर करेंगे। यह हमारा विजन है: सर्वांगीण विकास। सरकार इन विषयों पर ध्यान देने के लिए मजबूर होगी," उन्होंने कहा। "नीतीश कुमार 20 साल से थे, और पीएम मोदी पिछले 11 सालों से हैं। ऊपर बताई गई चीजें क्यों नहीं स्थापित की गईं? लेकिन जब तेजस्वी आएंगे तो वे ये सारे काम पूरे करेंगे।

अहमदाबाद विमान हादसे में बड़ा खुलासा: प्लेन के टेक ऑफ करते ही हो गया था पावर फेल्योर

नई दिल्ली (एजेंसी): हाल ही में अहमदाबाद में हुए भयावह विमान हादसे की परतें धीरे-धीरे खुल रही हैं, और जांचकताओं की नजर अब एक पांच साल पुरानी ब्रिटेन की विमान दुर्घटना पर भी है। इस अंतरराष्ट्रीय दृष्टिकोण के साथ, विशेषज्ञ यह समझने की कोशिश कर रहे हैं कि कहीं इतिहास ने खुद को दोहराया तो नहीं। ब्रिटेन की 2020 दुर्घटना से संभावित समानता दरअसल, वर्ष 2020 में लंदन के गैटविक एयरपोर्ट से उड़ान भरते ही एक अ१ु४२ अ321 के दोनों इंजन विफल हो गए थे। टेकऑफ के महज 11 मिनट बाद, विमान को इमरजेंसी में वापस लौटना पड़ा। इस घटना की जांच यूके की वायु दुर्घटना जांच शाखा (एएआईबी) ने की थी – वही संस्था जो अब अहमदाबाद हादसे की भी गहराई से पड़ताल कर रही है। अहमदाबाद हादसे में पावर फेल्योर मुख्य संदिग्ध भारतीय जांच अधिकारियों ने खुलासा किया है कि अहमदाबाद में दुर्घटनाग्रस्त हुए विमान में टेकऑफ के कुछ ही सेकेंड बाद मुख्य इलेक्ट्रिकल सिस्टम फेल हो गया। प्रारंभिक सबूत – घटनास्थल पर मिला मलबा, वीडियो फुटेज, और तकनीकी रिपोर्ट्स – इस बात की ओर इशारा करते हैं कि बिजली की गड़बड़ी ही हादसे की जड़ हो सकती

है। सिर्फ 625 फीट की ऊंचाई तक पहुंच पाया विमान विमान हादसे के समय केवल 625 फीट की ऊंचाई तक ही पहुंच सका था, जिससे पायलट को स्थिति संभालने का पर्याप्त समय और अवसर नहीं मिल पाया। जानकार बताते हैं कि यदि विमान 3600 फीट या उससे अधिक ऊंचाई पर होता, तो बोइंग 787 ड्रीमलाइनर में मौजूद मैनुअल प्रत्यावर्तन नियंत्रण प्रणाली की मदद से उसे सुरक्षित मोड़ा जा सकता था। डीएनए टेस्ट से पहचान की कोशिशें, केवल एक यात्री जीवित विमान में 242 यात्री सवार थे, जिनमें से सिर्फ एक ही व्यक्ति बच पाया। शवों की हालत इतनी गंभीर थी कि उनकी पहचान कर पाना संभव नहीं था। 6 साल से कम उम्र के बच्चों की पहचान तो और भी जटिल हो गई, क्योंकि कई के दांत भी पूरी तरह विकसित नहीं हुए थे, जिससे उ्ठअ मिलान मुश्किल हो रहा है। ब्लैक बॉक्स और डीवीआर गंभीर रूप से क्षतिग्रस्त ब्लैक बॉक्स और कॉकपिट वॉयस रिकॉर्डर (सीवीआर) बरामद कर लिए गए हैं, लेकिन दोनों डिवाइस गंभीर क्षतिग्रस्त हैं। अधिकारियों के मुताबिक, उन्हें संयुक्त राज्य अमेरिका भेजने की योजना बनाई जा रही है ताकि वहाँ की उच्च तकनीक प्रयोगशालाओं में उनसे डेटा निकाला जा सके। टेक्निकल लॉग और मेंटेनेंस रिकॉर्ड की पड़ताल जांचकर्ता अब विमान के पिछले 24-48 घंटे के तकनीकी लॉग, मेंटेनेंस रिपोर्ट और कैप्टन द्वारा की गई किसी भी शिकायत या अवलोकन का विश्लेषण कर रहे हैं। हादसे से पहले इस विमान ने दिल्ली से पेरिस और फिर टोक्यो की उड़ानें भरी थीं, जिससे इसके सिस्टम पर अतिरिक्त दबाव की भी जांच की जा रही है। सिंगापुर एयरलाइंस की चुप्पी पर सवाल इस हादसे में सहयोगी एयरलाइन रही सिंगापुर एयरलाइंस की चुप्पी पर भी अब सवाल उठने लगे हैं। पूर्व मंत्री प्रफुल्ल पटेल ने सार्वजनिक रूप से इस पर प्रतिक्रिया मांगी है कि क्यों इतनी बड़ी त्रासदी पर साझेदार एयरलाइन ने अब तक कोई बयान नहीं दिया। बोइंग 787 ड्रीमलाइनर, जिसमें यह हादसा हुआ, अपनी एडवांस्ड इलेक्ट्रिकल और हाइड्रोलिक सिस्टम्स के लिए जाना जाता है।

संपादकीय

टूटा भरोसा

भारत में जैसे भ्रष्टाचार को लगभग स्वीकृति सी मिल चुकी है, किसी भी विभाग में कोई भी काम कराना हो चपरासी से लेकर अफसर तक सबकी यथायोग्य भेंट पूजा को आम जनता ने खुशी से आत्मसात सा कर लिया है। आए दिन पड़ने वाले छापों में होने वाली ऊपर की कमाई की बरामदगी की खबरा से कोई नहीं चौंकता, लेकिन दिल्ली हाई कोर्ट के तत्कालीन जज जस्टिस यशवंत वर्मा के सरकारी आवास के स्टोर रूम में 14 मार्च की आधी रात को लगी आग बुझाने पहुंचे अग्निशमन कर्मियों को अधजले नोटों की गड्डियां मिलने की खबर जब आई थी तो सब चौंक गए थे। जज के घर से नकदी की बरामदगी साफ कदाचार की घटना थी, मगर कार्रवाई के नाम पर उन्हें वापस इलाहाबाद हाईकोर्ट भेज दिया गया। वर्मा खुद को निदरेष बताते हुए अपने खिलाफ षड ंत्र की बात कहते रहे। मामले की जांच के लिए गठित समिति की शुरूआती रिपोर्ट पर कार्रवाई करते हुए पूर्व प्रधान न्यायाधीश संजीव खन्ना राष्ट्रपति द्रौपदी मुमरू और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को पत्र लिखकर न्यायमूर्ति वर्मा के खिलाफ महाभियोग चलाने की सिफारिश कर चुके हैं। अब जो ब्योरा सामने आया है; उसके तहत जांच समिति ने 10 दिन की पड़ताल और 55 गवाहों के बयान के आधार जज वर्मा के खिलाफ ठोस सबूत जुटाए हैं और उन्हें हटाने की सिफारिश की है। 64 पन्नों की रिपोर्ट में समिति ने जस्टिस वर्मा की बेगुनाही की दलीलों को सिरे से खारिज कर दिया। अग्निकांड के अगले ही दिन तड़के कोठी से अधजले नोटों की सफाई कर देने की घटना ने बड़ा मात्रा में नकदी होने के संदेहों को पुख्ता कर दिया। रिपोर्ट में कहा कि जस्टिस वर्मा के घरेलू स्टाफ ने अपने मालिक के पक्ष में बयान दिए, लेकिन अग्निशमन और दिल्ली पुलिस के स्वतंत्र गवाहों के बयान से साफ है कि जज के सरकारी आवास पर 4-5 बोरियों में नोटों की गड्डियां थीं। परस्पर विरोधी बयानों का विश्लेषण करने के बाद समिति ने घरेलू कर्मचारियों का झूठ पकड़ लिया। समिति ने पाया कि जस्टिस वर्मा की दलीलें सच्चाई से कोसों दूर हैं। पाया गया कि स्टोर पर घर वालों का गुप्त या सक्रिय नियंत्रण था। घटना की एफआईआर न कराने और वर्मा के चुप्पी साध लेने से मामला खुल गया।

चिंतन-मनन

ध्यान-तन्मयता का नाम समाधि

ध्यान के द्वारा परिवर्तन तभी संभव है जब ध्यान में जाने के लिए गहरी आस्था हो।

आस्था का निर्माण हुए बिना ध्यान में जाने की क्षमता अर्जित नहीं हो सकती। कुछ व्यक्तियों में नैसर्गिक आस्था होती है और कुछ व्यक्तियों की आस्था का निर्माण करना पड़ता है। आस्था पर संकल्प का पुट लग जाए और अनवरत अभ्यास का प्रम चलता रहे तो आगे बढ़ने का मार्ग प्रशस्त हो जाता है। अभ्यास ऐसा तत्व है जो साधना की श्रृंखला को बराबर जोड़े रखता है। अभ्यास की धारा टूटने से सफलता संदिग्ध हो जाती है। आस्था, संकल्प और अभ्यास इन तीन तत्वों के अधिगत हो जाने के बाद साधक में आत्मानुशासन का विकास हो जाता है। यह अनुशासन आरोपित नहीं होता, सहज स्वीकृत होता है। इस अनुशासन में संयम के विकास की अनिवार्यता है।

संयम से हमारा प्रयोजन है तन्मयता से। यह तन्मयता ही भावक्रिया है। केवल त्याग-प्रत्याख्यान से संयम नहीं सध सकता। त्याग-प्रत्याख्यान भी साधना का एक प्रकार है, किंतु उसमें पूर्णता नहीं है। साधना में पूर्णता लाने के लिए संयम के साथ भावक्रिया का होना नितांत अपेक्षित है।

पूर्ण संयम का विकास तब हो सकता है, जब पदार्थ-प्रयोग से मन विरत हो। इसे इस प्रकार भी कहा जा सकता है कि संयम के प्रति रति होने से पदार्थ-भोग के प्रति अरति हो जाती है। अनुराग से विराग का होना एक मनोवैज्ञानिक तथ्य है। बच्चे के हाथ से किसी वस्तु को छुड़ाने के लिए उसे किसी दूसरी वस्तु के प्रति आकृष्ट करना होता है। अन्यथा वह उसे छोड़ नहीं सकता। पदार्थ-विरति भी उसी क्षण घटित हो सकती है, जिस क्षण आत्मा या चैतन्य के साथ उसका संबंध स्थापित हो जाता है। यह स्थिति पतंजलि के शब्दों में धारणा के रूप में निरूपित की गई है। धारणा की धाराप्रवाह प्रतीति ध्यान है और ध्यान में पूर्ण तन्मयता का नाम समाधि है। संयम की पूर्णता के लिए धारणा, ध्यान और समाधि तीनों ही आवश्यक हैं। ध्यान साधना के अनुशासन की पूरी प्रक्रिया शिविर-साधना को आगे बढ़ाती है। साधक की शारीरिक और मानसिक स्थिति में संयम या साधना के अनुशासन की पूर्ण स्वीकृति ही शिविर-साधना का ठोस आधार है।

आवश्यकता है

आवश्यकता है दैनिक सब का सपना समाचार पत्र को उत्तर प्रदेश के समस्त जिलों में ब्लॉक स्तर, तहसील स्तर व जिला स्तर पर संवाददाताओं की इच्छुक अभ्यर्थी संपर्क करें या व्हाट्सएप करें।

9456884327/8218179552

अतुल्य भारत, अजेय भारतः मोदी युग ने पर्यटन को कैसे नया स्वरुप दिया

गजेंद्र सिंह शेखावत

पिछले दशक में, भारत की पवित्र भूमि को सिर्फ.देखा ही नहीं गया है - बल्कि इसे फिर से खोजा गया है। पहाड़ अब सिर्फ.परिदृश्य नहीं रह गए हैं; वे जीवित अभयारण्य हैं। केदारनाथ और बद्रीनाथ के बर्फ से ढके मंदिरों से लेकर बोधगया की ध्यानपूर्ण शांति और सारनाथ की सुनहरी नीरवता तक, भारत की आध्यात्मिक आत्मा ने एक-एक तीर्थयात्री की भावना को उद्वेलित किया है। इस युग में पर्यटन, विवरण पुस्तिका (ब्रोशर) के जरिए नहीं, बल्कि भक्ति, स्मृति और फिर से जुड़ने की सभ्यतागत प्रेरणा के जरिए तैयार किया गया था।

2014 और 2024 के बीच, इस आध्यात्मिक जागृति ने देश के सांस्कृतिक मानचित्र को नया स्वरुप दिया। केदारनाथ, जो कभी त्रासदी का प्रतीक था, फीनिक्स की तरह उभरा - 2024 में यहां 16 लाख से ज्यादा तीर्थयात्री आये, जबकि एक दशक पहले यह संख्या केवल 40,000 थी। उज्जैन को महाकाल के शहर के रूप में पुनर्जीवित किया गया, इसने 2024 में 7.32 करोड़ आगंतुकों का स्वागत किया। प्रकाश और पवित्रता में पुनर्जन्म लेने वाली काशी ने 11 करोड़ लोगों को अपनी पवित्र गलियों में भ्रमण करते देखा। बोधगया और सारनाथ की गूंज कई महाद्वीपों में सुनायी दी, दोनों तीर्थस्थलों ने 2023 में 30 लाख से ज्यादा साधकों को आकर्षित किया। और फिर एक ऐसा क्षण आया, जो आंकड़ों से पार चला गया –जनवरी 2024 में अयोध्या में राम लला की प्राण प्रतिष्ठा। यह कोई उद्घाटन नहीं था; यह सभ्यता की धड़कन का जीर्णोद्धार था। महज छह महीनों में, 11 करोड़ से ज्यादा श्रद्धालुओं का आगमन हुआ –न सिर्फ देखने के लिए, बल्कि इससे जुड़ने के लिए। लगभग इतना ही ऐतिहासिक था, महाकुंभ 2025, जो दुनिया का सबसे बड़ा आध्यात्मिक समागम था, जिसमें 65 करोड़ से ज्यादा तीर्थयात्री आस्था और उत्कृष्टता के संगम पर पहुंचे। अयोध्या और प्रयागराज, साथ मिलकर, भारत के आध्यात्मिक पुनर्जागरण के दो प्रकाश स्तंभ बन गए। यह पर्यटन नहीं था–यह घर वापसी थी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में इस वापसी को आकार, अवसंरचना और आत्मा दी गई। अब पर्यटन एक जांच सूची (चेकलिस्ट)-संचालित उद्योग नहीं रहा, बल्कि पवित्र ह्यस्वह्व को फिर से खोजने का एक राष्ट्रीय मिशन बन गया। प्रधानमंत्री मोदी के दूरदर्शी मंत्र - भारत में विवाह करें, भारत की यात्रा करें, भारत में निवेश करें - ने पर्यटन को एक सांस्कृतिक आह्वान में बदल दिया। मोदी सरकार ने प्रारंभ से ही पर्यटन को राष्ट्रीय पुनरुत्थान की ताकत के रूप में देखा है। स्वदेश दर्शन और इसके उन्नत रूप, स्वदेश दर्शन 2.0 के माध्यम से, पर्यटन मंत्रालय ने रामायण, बौद्ध, तटीय और आदिवासी जैसे विषयगत सर्किट के तहत 110 परियोजनाएँ विकसित कीं। 2014-15 में शुरू की गई मूल योजना में कुल 5,287.90 करोड़ रुपए की लागत से 76 परियोजनाओं को मंजूरी दी गई थी। स्वदेश दर्शन 2.0 में, स्थाई गंतव्यों को विकसित करने के लिए 2,106.44 करोड़ रुपए के साथ 52 परियोजनाएँ जोड़ीं गईं। चुनौती आधारित गंतव्य विकास (सीबीडीडी) उप-योजना के तहत, 623.13 करोड़ रुपए की 36 परियोजनाओं को मंजूरी दी गई, जबकि एसएएससीआई योजना के अंतर्गत राज्य के नेतृत्व में पर्यटन अवसंरचना के विस्तार के लिए 3,295.76 करोड़ रुपए की 40 परियोजनाओं को स्वीकृति दी गयी। इसके साथ ही, प्रसाद योजना के जरिये उन्नत सुविधाओं, प्रकाश व्यवस्था और स्वच्छता के साथ 100 तीर्थ शहरों को पुनर्जीवित किया गया। इन प्रयासों से भारत में 2023 में 250 करोड़ से अधिक घरेलू पर्यटकों की यात्रा दर्ज की गयी - जो अब तक का सबसे अधिक है।

2024-25 के केंद्रीय बजट में एक ऐतिहासिक घोषणा के तहत 50 पर्यटन स्थलों को विकसित करने का प्रस्ताव रखा गया, उन्हें निवेश और वित्तपोषण को आसान बनाने के लिए अवसंरचना सामंजस्य मास्टर सूची (आईएचएमएल) में जोड़ा गया। पुनरुद्धार केवल पवित्र स्थानों तक सीमित नहीं था। 2018 में अनावरण की गई स्टैच्यू ऑफ यूनिटी, देश के सबसे अधिक देखे जाने वाले स्मारकों में से एक बन गई, जिसे 2023 में 50 लाख से अधिक आगंतुक देखने आये। इसके चारों ओर इको-टूरिज्म पार्क, टेंट सिटी और आदिवासी संग्रहालय विकसित हुए हैं - जो सम्मान को अवसर में बदल रहे हैं।

भारत का सभ्यतागत आत्मविश्वास इसकी कूटनीति में परिलक्षित होने लगा। फ्रांस, जापान, यूएई, ऑस्ट्रेलिया और दक्षिण कोरिया के राजनेताओं का, न केवल दिल्ली में, बल्कि वाराणसी, उदयपुर, अयोध्या और महाबलीपुरम में भी स्वागत हुआ। सॉफ्ट पावर अब सॉफ्ट नहीं रही - यह 3डी अनुभव हो गयी। रिवर क्रूज, दीपोत्सव, आध्यात्मिक भ्रमण और सांस्कृतिक प्रदर्शन ने राजकौशल को आत्मा के शिल्प में बदल दिया।

इस बीच, अतुल्य भारत 2.0 ने देश को स्मारकों की भूमि से बदलकर बदलाव की भूमि बना दिया। ऋषिकेश में योग, केरल में आयुर्वेद, पूर्वोत्तर में जनजातीय त्योहार और कच्छ में शिल्प ने पर्यटन इकोसिस्टम को जीवंत व विशिष्ट स्थान प्रदान किया। विपणन को अब स्मृति से अलग करना मुश्किल था। इस क्षेत्र की आर्थिक स्थिति भी बहुत प्रभावशाली रही। अप्रैल 2000 से दिसंबर 2023 के बीच, भारत ने पर्यटन में 18 बिलियन डॉलर से अधिक का प्रत्यक्ष विदेशी निवेश आकर्षित किया। प्रमुख आतिथ्य अवसंरचना परियोजनाओं में 2014-22 के दौरान 9 बिलियन डॉलर का निवेश हुआ। केवल 2023 में, भारत ने 9.52 मिलियन विदेशी पर्यटकों के साथ 2.31 लाख करोड़ रुपए (28.7 बिलियन डॉलर) की विदेशी मुद्रा अर्जित की, जिसमें पिछले वर्ष की तुलना में 47.9% की वृद्धि दर्ज की गयी। इस क्षेत्र ने 2023-24 में 84.63 मिलियन नौकरियों का सृजन किया, जो पिछले वर्ष की तुलना में 8.46 मिलियन अधिक थीं झ्र इस प्रकार पर्यटन क्षेत्र भारत के विकास और रोजगार की आधारशिला के रूप में उभरा।

भारत देश आत्मनिर्भर है और किसी आतंकी हमले को नहीं सहेगा

संजय गोस्वामी

आज हमारे देश की ताकत भगवान राम जी के आदर्श हैं उन्होंने शांति से जीना भी सिखाया, और नारी सम्मान के लिए युद्ध करना भी सिखाया, हमारा देश किसी भी अपने मामले में किसी दूसरे देश की दखलअंदाजी बिलकुल बर्दास्त नहीं करेगा क्योंकि ऐ देश 140 करोड़ लोगों का एक लोकतान्त्रिक देश है देश पूर्ण रूप से आत्मनिर्भर है और आतंकवादी घटना बिल्कुल बर्दास्त नहीं करेगा क्योंकि ऐ बात प्रधानमंत्री मोदीजी ने जी -7 सम्मलेन पर कहा, इससे अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने चुपी साध ली और लंच पर बुलाया लेकिन श्री मोदीजी ने इसे अस्वीकार कर दिया क्योंकि ट्रम्प ने दोनों देशों को एक ही नजरिये से ट्रेड का बहाना बनाया था लेकिन पाकिस्तान के सेना प्रमुख मुनीफ लंच करने गए इससे ऐ सिद्ध होता है अमेरिका पर भरोसा करना बिल्कुल ठीक नहीं है इसका हमेशा पुराना इतिहास रहा है भारत के लोगों ने अंग्रेजी हुकूमत को हटाया है अटलजी जब प्रधानमंत्री थे तो कारगिल युद्ध में सेटेलाइट इमेज माँगा था जो अमेरिका ने देने से मना कर दिया ऐ तो भारत के सेना का जज्बा था कि कारगिल युद्ध में विजय रहा भारत के जवान हमारे वैज्ञानिक हमारे देश के नायक हैं जिन्होंने अमेरिका के दबाब में भी 1998 में परमाणु परीक्षण भी कर लिया और भारत परमाणु संपन्न देश है जो ना तो किसी से डरेगा ना ही किसी के लालच में पड़ेगा क्योंकि भगवान राम का आशीर्वाद है।भारत देश ना तो किसी से डरा है ना किसी की चापलूसी की प्रधानमंत्री से साफ कह दिया आतंकवादी को किसी भी कीमत पर बक्शा नहीं जायेगा भारत पाकिस्तान पर भारी पड़ा और पाकिस्तान ने ही युद्ध रोकने की कोशिश की थी और प्रधानमंत्री जी ने चीजफायर कराता मोदीजी हमेशा आत्मनिर्भर भारत के लक्ष्य को प्राप्त करने की ओर लगे है हमारी शक्ति को दुनिया ने देखी है हम भारतीय दुश्मन को मार सकते हैं चाहे शहीद क्यों ना होना पड़े और जब 140 करोड़ भारतीय आतंकी के खिलाफ लड़ेंगे तो उसे मिट्टी में मिला देंगे भारत परमाणु संपन्न देश है और डी आर डी ओ, इसरो, ब्रह्ममोश और कई ऐसी मिसायल टेक्नोलॉजी की कंपनी है जो विश्व स्तर का मिसाइल सिस्टम है हम लोग देश के लिए मर मिटने वाले में से हैं लेकिन गुलामी या आतंकी पसन्द नहीं है इसलिए अंग्रेजो को हराया आखिर मोदीजी क्यों नहीं गए ट्रम्प के बुलावे पर क्योंकि अब वो भारत नहीं है जो आतंकवादी हमले पर चुप वैठने वाला है ऐ वीर शिवाजी, महाराणा प्रताप, गुरू गोविंद सिंह और कई वीर योद्धाओ का देश है जो शहीद होना पसंद करेगा लेकिन आतंकी के खिलाफ झुकना नहीं और उसे युद्ध माना जायेगा ऐ प्रधानमंत्री जी ने खुद कहा है पाकिस्तान के परमाणु बम पर दूसरे देश जो डिनर पर बुलाते हैं उसका नियंत्रण है जबकी हमारी ताकत किसी दूसरे देश पर बिल्कुल निर्भर नहीं है और ऑपरेशन सिंदूर में भारतीय सेनाओ ने पाकिस्तान को जबरदस्त सिकस्त दि थी ऐ दुनिया ने देखा है जहाँ तक इजराइल और ईरान के युद्ध का सवाल है इसमें भारत ने किसी का पक्ष नहीं रखा है जबकी ईरान के समर्थन में अब रूस और चीन सामने आ गए हैं ऐ ट्रम्प महोदय केवल युद्ध भड़का रहें हैं और दूसरे के घर में बेबजह झाँक कर खुद ही मजाक के पात्र बन गए है इसलिए वहाँ के जानेमाने उद्योगपति स्टॉर्लिंक के मालिक एलेन मस्क बै दुरी बना ली भारत को उसी समय सचेत रहना चाहिए जब हमारे भारतीय जिसमें कुछ भारतीय डंकी रुट ने नहीं गए थे वो भी कार्गो प्लेन में हथकड़ी बाँधकर भारत में उस स्थान अमृतसर पर भेजा गया जहाँ गुरू का स्वर्ण टेम्पल है ट्रम्प केवल बोल कर एक देश से दूसरे देश को लड़ा रहें है और बाद में उसे अकेले छोड़ देते हैं जैसे यूक्रेन को अकेले छोड़ दिया और भरी सभा में उसकी बेईजत भी कर दि हर देश का अपना रक्षा करने का अधिकार है पहले इजराइल को ईरान से एटमबम बनाने से रोकने के लिए उकसाया और इजराइल ने आक्रमण किया जबकी उसे लड़ाई के हर दिन का खर्ज 600 करोड़ रुपए के आसपास है लेकिन हिम्मत है उसे मालूम होगा ईरान की ताकत लेकिन वो सोचा होगा की अमेरिका मदद करेगा और अब हर दिन मीटिंग चल रहा जबकी उसके शहरों को भारी नुकसान ईरान के मिसाइल से हो रहा युद्ध में उसी ने झोंका है क्योंकि वो लागातार ऐ बोलते नजर आ रहे हैं कि ईरान कभी परमाणु बम नहीं बना सकता इसलिए इजराइल को जंग में ढकेल कर पीछे हट रहें हैं क्योंकि जिसे करना रहता है वो इसपर इतना नहीं सोचेगा और इतने दिनों में शत्रु इसका फायदा उठा सकेगा भारत को तटस्थ है क्योंकि दोनों उसके लिए महत्वपूर्ण है अतः ट्रम्प केवल कागजी शेर की तरह बड़ी बड़ी बातें करते है और जब किसी की जरुरत पड़ती है तो युद्ध को भड़का कर हाथ पीछे कर लेते हैं इस तरह का बयान देना कि हमें पता है ईरान का सुप्रीम लीडर कहाँ है तेहरान खाली करो इसके क्या मायने हैं और अगले सप्ताह होने तक दोनों देश में कितना खून खराबा होगा कहते है कि भारत और पाकिस्तान का जंग मैंने रुकवाया तो पहली बात ऐ भारत का पाकिस्तान से नहीं उसके आतंकवादी से था और जो इसका सरगना आशिर मुनीर जो वहाँ का सेना प्रमुख था उसे अमेरिका बुलाकर ऐ तो सिद्ध हो जाता है कि आतंकवादी को कमजोर नहीं उसमें हौसला बढ़ा रहें हैं जिससे उनकी ही बदनामी हो रही है यदि सही मायने में जंग रुकवाना है तो इजराइल और ईरान में रुकवा दें जिसमें दोनों को भारी नुकसान हो रहा है इजराइल तो छोटा देश है लेकिन उसका हौसला बड़ा है लेकिन आगे इसे शांतिपूर्ण तरीके से रोकना चाहिए अमेरिका की साख इससे गिर रही है क्योंकि उसे महाशक्ति के रूप में जानते हैं जब ईराक और अफगानिस्तान में कुछ ही दिनों में उसे घुटने पर लें आया था और अफगानिस्तान में ही सबसे ज्यादा बंकर

ब्लस्टर बम का उपयोग पहाड़ी के अंदर छिपे आतंकवादी को मारने में की थी और इराक जो ईरान से बर्षो से युद्ध लड़ा उसके अंदर कब्जा कर लिया और सद्दामहुसैन को फांसी दें दि अरब में जो हो रहा है वो खलीफा के लिए हो रहा है जहाँ एक से दूसरे देश में काफी मतभेद हैं शिया औ? सुन्नी को लेकर इसलिए वहाँ मुस्लिम देश एकमत नहीं है यदि होता तो सीरिया में तख्तापलट नहीं होता खैर युद्ध में विनाश ही होता है और इसका असर पुरे विश्व पर पड़ता है अब ऐ बात समझ लेनी चाहिए की किसी दूसरे देश के बहकावे में नहीं बल्कि आगे के भविष्य को देखते हुए ही युद्ध में हाथ डालें और उसको दूरगामी परिणाम को देखते हुए ही युद्ध करें हमें तो लगता है जो अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति जो बाईडन का प्रशासन इससे अच्छा था क्योंकि उसने इजराइल को ईरान में ऐसे हमले से सतर्क किया था और उसके परमाणु सयन्त्र पर हमले ना करने की सलाह दि थी और वो खुद ही इजराइल गए थे जब आतंकी हमला हुआ था उससमय इजराइल मजबूत नजर आ रहा था लेकिन आज कमजोर नजर आ रहा है जैसे लगता है अमेरिका के बहकावे में ऐ कदम उठाया जिसे बहुत सोच समझ कर करनी चाहिए थी और सबकुछ तो शांत चल रहा था कोई क्या कर रहा उससे क्या मतलब अपनी ताकत ठीक होनी चाहिए और इजराइल एक परमाणु संपन्न देश है इसलिए कोई क्या बना रहा है उसमें उलझना नहीं चाहिए अगर उलझना भी है तो पहले उसकी ताकत को देखकर और अपने ताकत का आकलन कर ही युद्ध में कूदना चाहिए।

क्या नरसंहार की इबारत लिखने वाले देश तय करेंगे कि परमाणु शस्त्र कौन रखे?

इस्त्राईल -ईरान के बीच छिड़े आधुनिक युद्ध ने पूरे विश्व को स्तब्ध व चिंतित कर दिया है। इस्त्राईल गत कई वर्षों से ईरान को युद्ध में खींचने की पूरी कोशिश कर रहा था परन्तु ईरान सीधे युद्ध में कूदने से बचता आ रहा था। परन्तु गत 13 जून को इस्त्राईल ने ईरान पर एक बड़ा हवाई हमला कर दिया। इस हमले के कुछ ही समय बाद इस्त्राईली प्रधानमंत्री नेतन्याहू ने अपने एक टी वी प्रसारण में इस हमले को उचित ठहराते हुये ईरान पर परमाणु बम बनाने का प्रयास करने का आरोप लगाया और अपनी चिंता दोहराई कि ईरान का परमाणु बम इस्त्राईल को नष्ट कर सकता है। इस्त्राईल ने ईरान के कई परमाणु वैज्ञानिक और शीर्ष सेना कमांडर भी मार दिये। इस्त्राईल ने 13 जून को ईरान पर हमला उस समय किया जबकि दो दिन बाद ही यानी 15 जून को ईरान और अमरीका के मध्य परमाणु समझौता होने की तारीख तय थी और यह समझौता किसी निष्कर्ष पर पहुँचने की उम्मीद भी की जा रही थी। परन्तु इस्त्राईल ने समझौते के पहले ही हमला कर ईरान को बड़ा धोका दे दिया। इस्त्राईली हमले के बाद अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने भी यह कहकर सबको चौंका दिया कि उन्हें इस हमले की पहले से जानकारी थी और इस हमले में कई ईरानी कट्टरपंथी (परमाणु वातार्कार) मारे गए हैं। उन्होंने ईरान को चेतावनी दी कि अगर वह समझौता नहीं करता, तो और बड़े हमले झेलने पड़ सकते हैं। यही नहीं बल्कि ट्रंप ने इस्त्राईल की पीठ थपथपाते हुये इस्त्राईली हमलों को श्शानदारश्श बताया और कहा कि ईरान को परमाणु हथियार हासिल करने की इच्छा छोड़नी होगी। साथ ही ट्रंप ने अमेरिका को इस्त्राईल का सबसे बड़ा सहयोगी भी बताया। साफ है ईरान पर इस्त्राईल द्वारा धोखे से किये गये इस हमले का अमेरिका भी बराबर का साझीदार है।

अब जरा 2003 के उस दौर को भी याद कीजिये जब इराक में सद्दाम हुसैन के शासनकाल में तत्कालीन अमेरिकी राष्ट्रपति जॉर्ज डब्ल्यू. बुश प्रशासन, ने यह दावा किया था कि सद्दाम हुसैन के पास रासायनिक, जैविक और संभवतः परमाणु हथियार भी हैं जो वैश्विक सुरक्षा के लिए खतरा हो सकते हैं। यह दावा खुफिया जानकारी पर आधारित बताया गया था। इसी 'खुफिया जानकारी' को बहाना बनाकर अमेरिका ने 'ऑपरेशन इराकी फ्रीडम' के नाम से इराक पर बड़ी सैन्य कार्रवाई की और इराक को तबाह कर के छोड़ा। यहाँ तक कि स्थानीय अदालत का गठन कर सद्दाम हुसैन

को फांसी पर चढ़ा दिया। इराक में सत्ता परिवर्तन के बाद वहां रासायनिक, जैविक और सामूहिक विनाश के हथियार होने की जानकारी गलत साबित हुई। वहां ऐसे हथियार होने के कोई सबूत नहीं मिले। जगजाहिर है कि अमेरिका द्वारा इराक पर सैन्य कार्रवाई वहां के तेल संसाधनों पर नियंत्रण और मध्य पूर्व में अमेरीकी सामरिक प्रभाव बढ़ाने की इच्छा के तहत की गयी। इराक की तबाही व सत्ता परिवर्तन के बाद अमेरिका ने यह तर्क भी दिया था कि सद्दाम हुसैन का तानाशाही शासन इराकी जनता और क्षेत्रीय स्थिरता के लिए हानिकारक था।

बहरहाल आज वही अमेरिका जिसने केवल इराक ही तबाह करने की कोशिश नहीं की बल्कि वह जापान पर 6 और 9 अगस्त 1945 को परमाणु बम गिराने का भी गुनहगार है.वह अमेरिका जो कोरिया, ग्वाटेमाला, इंडोनेशिया, क्यूबा, कांगो, लाओस, वियतनाम, कंबोडिया, ग्रेनेडा, लेबनान, सीरिया, लीबिया, अल साल्वाडोर, निकारागुआ, ईरान(1987) पनामा, इराक, कुवैत, सोमालिया, बोस्निया, सूडान, अफगानिस्तान, योगोस्लाविया जैसे देशों पर हमले करने व वहां की सत्ता को अस्थिर करने का जिम्मेदार हो, क्या वह अमेरिका तय करेगा कि किस देश को परमाणु शस्त्र रखना चाहिए और किसे नहीं? या फिर फिलिस्तीन की जमीन पर अमेरिका ब्रिटेन की शह पर कब्जा जमाये बैठा वह अवैध देश इस्त्राईल जिसपर गजा में लगभग 82, 000 लोगों को मारने व लगभग 20 लाख लोगों को बेघर कर क्षेत्र में मानवीय संकट खड़ा का आरोप है वह तय करेगा कि परमाणु शस्त्र किसे रखना चाहिए और किसे नहीं? जो देश स्वयं पूरे विश्व में अस्थिरता फैलाने, क्षेत्रीय संघर्ष भड़काने, शस्त्रों के व्यवसाय तथा तेल जैसी सम्पदा पर गिद्ध दृष्टि रखते हों पड़ोसी देशों में फूट डलवाकर युद्ध भड़काना ही जिनका वयवसाय बन चुका हो वह देश कैसे निर्धारित कर सकते हैं कि परमाणु शस्त्र किसे रखना चाहिये किसे नहीं?

आज विश्व में जिनदेशों के पास परमाणु शस्त्र हैं उनमें सबसे बड़ा जखीरा संयुक्त राज्य अमेरिका के पास है। इसके अतिरिक्त रूस, चीन, फ्रांस, यूके (ब्रिटेन), इस्त्राईल, उत्तर कोरिया, भारत व पाकिस्तान जैसे देश भी परमाणु शस्त्र धारक देशों में गिने जाते हैं। बावजूद इसके कि ईरान अभी तक यह कहता आया है कि उसके द्वारा किया जा रहा परमाणु संवर्धन उसकी ऊर्जा सम्बन्धी जरूरतों को पूरा करने जैसे शांतिपूर्ण कार्यों के लिये है। फिर भी यह क्यों जरूरी नहीं कि मानवता का सबसे बड़ा हत्यारा देश इजराईल जो भूखे, निहत्थे बच्चों व बुजुर्गों औरतों का लगातार नरसंहार करता आ रहा, जो अपनी सैन्य शक्ति और अमेरिका की शह के बल पर अपने कब्जे की जमीन का लगातार विस्तार करता जा रहा हो जो उसे पनाह देने वाले देश फिलिस्तीन के लोगों को ही उनकी मातृभूमि से बेदखल करने की साजिश रच रहा हो, जो अमरीका के इशारे पर पूरे मध्य एशिया में फूट डालने वाली राजनीति कर रहा हो आखिर क्षेत्रीय संतुलन बनाने के लिये उसके सामने ईरान जैसे देश का डटकर खड़ा होना जरूरी क्यों नहीं? क्या इस पूरे मध्य क्षेत्र को अमेरिका इस्त्राईल के रहम-ो-करम पर जीने के लिये छोड़ देना चाहिये? ताकि जब चाहें और जिस देश को चाहें गजा, यमन व लेबनान बना सकें? निश्चित रूप से युद्ध से बुरी कोई स्थिति नहीं होती। हमेशा इस त्रासदी का शिकार बेकुसूर महिलाएं, बच्चे व बुजुर्ग होते आये हैं। युद्ध से मानवता आहात होती है। सही मायने में तो पूरे विश्व को ही न केवल परमाणु शस्त्र मुक्त बल्कि पूरा विश्व निःशस्त्र भी होना चाहिये। परन्तु अमेरिका इजराईल जैसे देशों द्वारा जब अपनी ताकत का दुरूपयोग दशकों से किया जाता रहा हो और यह सिलसिला लगातार बढ़ता जा रहा हो ऐसे में इन्हें 'वाक ओवर' देने के बजाये इनके सामने अपने स्वाभिमान के लिये संकल्पबद्ध होकर खड़े होना कौन सा जुर्म है? अमेरिका व इस्त्राईल के सामने ईरान के सिर उठाकर खड़े होने जैसे फौलादी इरादों की आज दुनिया सराहना कर रही है। परन्तु यह देश आज कभी ईरान के निष्कासित रजा शाह पहलवी के पुत्र के काँधे पर सवार होकर तो कभी भीतरी फूट डालकर कभी मोसाद का इस्तेमाल कर ईरान को अस्थिर करने की पुरजोर कोशिश में लगा है। इनकी गिद्ध दृष्टि इस बात पर टिकी है कि किसी तरह वर्तमान संकल्पवान व स्वाभिमानी ईरानी सत्ता को बेदखल कर अपनी पिट्ठू सरकार बनाई जाये और ईरान को अस्थिर कर यहाँ भी मनमर्जी से तेल दोहन किया जा सके। परन्तु शहादत को अपना आभूषण समझने व दास्तान ए करबला से प्रेरणा लेना वाला यह देश अमेरिका व इजराईल की घुड़कियों को कुछ भी नहीं समझ रहा। क्या ईरान को आत्मरक्षा का अधिकार नहीं? क्या नरसंहार की इबारत लिखने वाले देश ही यह तय करेंगे कि परमाणु शस्त्र कौन रखे और कौन न रखे?

अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर अवंतिका पार्क में कराया गया योग

गजरौला/अमरोहा (सब का सपना):- अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर गजरौला नगर के अवंतिका पार्क में हरपाल सिंह के नेतृत्व में योग कराए गए जिसमें योग अभ्यास भाजपा नेता विपिन सागर ने सभी को योग कराया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी की दूरदर्शिता और अथक प्रयासों के फलस्वरूप संयुक्त राष्ट्र महासभा द्वारा भारत के प्रस्ताव को ऐतिहासिक स्वीकृति मिली एवं आज 21 जून को संपूर्ण विश्व ह्यअंतर्राष्ट्रीय योग दिवसह्न के रूप में इस आध्यात्मिक विरासत को सम्मानपूर्वक मना रहा है।योग केवल शारीरिक स्वास्थ्य का माध्यम नहीं, बल्कि मानसिक शांति, आत्मिक संतुलन और सकारात्मक जीवनशैली का आधार है। यह भारतीय जीवन दर्शन का वह अमूल्य उपहार है जिसे आज समूचा विश्व अपनाकर लाभान्वित हो रहा है। हमारी सरकार का लक्ष्य है कि इस दिव्य परंपरा को जन-जन तक पहुँचाते हुए उत्तराखण्ड को 'योग की वैश्विक राजधानी' के रूप में स्थापित किया जाए और इसी दिशा में निरंतर सार्थक प्रयास किए जा रहे हैं। इस अवसर पर नगर पालिका अध्यक्षा राजेंद्री उर्फ उमा देवी, अधिशासी अधिकारी ललित आर्य, नरेंद्र ढिल्लो, रामरतन जाटव, सुनील गुप्ता, अशोक कश्यप, रामवीर गुर्जर, होशियार दिवाकर, राजीव शुक्ला, आदेश अग्रवाल, अजय गोस्वामी, योगेश चौधरी, अक्षय शुक्ला, आदि सैकड़ों लोग मौजूद रहे।

अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर किया गया सामूहिक योगाभ्यास

ढवारसी/अमरोहा (सब का सपना):- आदमपुर मंडल के शक्ति केंद्र ढवारसी में स्थित त्यागी ट्रैक्टर बाजार में अंतरराष्ट्रीय योग दिवस का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम में राजेंद्र सिंह खड़कवंशी, ब्लॉक प्रमुख गंगेश्वरी, मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। उन्होंने अपने संबोधन में योग को दैनिक जीवन का अभिन्न अंग बनाने पर जोर दिया और इसके शारीरिक व मानसिक लाभों पर प्रकाश डाला। मंडल अध्यक्ष राजीव गोयल ने कार्यक्रम की सफलता में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। कार्यक्रम के संयोजक शिवयंत त्यागी ने आयोजन की रूपरेखा तैयार की। उनके साथ कार्यक्रम सहसंयोजक हरद्वारी सिंह खड़कवंशी ने कंधे से कंधा मिलाकर काम किया। इस अवसर पर रतन प्रधान, जिला पंचायत सदस्य शीशराम सिंह जाटव, शक्ति केंद्र संयोजक अंकुर त्यागी, सुनील नागर, रामबीर पाल, और कुंवर पाल सिंह उपस्थित रहे। जिन्होंने अपने-अपने क्षेत्रों से लोगों को कार्यक्रम में शामिल होने के लिए प्रेरित किया। मंडल मंत्री सुशील गिरी और बूथ अध्यक्ष अंकित सागर ने भी कार्यक्रम को सफल बनाने में अपना योगदान दिया। इनके अतिरिक्त अजय गोयल, जागेश त्यागी, जितेंद्र शुक्ला, हरीश त्यागी, नरेंद्र चतुर्वेदी, सोनू भाटी, सुशील त्यागी व अन्य सम्मानित नागरिकों ने भी अपनी उपस्थिति दर्ज कराई और सामूहिक योगाभ्यास में भाग लिया। अंतरराष्ट्रीय योग दिवस का यह आयोजन न केवल योग के प्रति जागरूकता बढ़ाने में सफल रहा, बल्कि इसने लोगों को एक साथ आने और स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहने के लिए भी प्रेरित किया। इस कार्यक्रम ने ढवारसी में योग के प्रति उत्साह और जागरूकता को नई ऊंचाइयों पर पहुँचाया।

योग केवल व्यायाम नहीं, बल्कि यह एक जीवनशैली : ब्लॉक प्रमुख गुरेंद्र सिंह

अमरोहा (सब का सपना) रोहित कुमार:- जनपद व विकासखंड अमरोहा क्षेत्र के पीएम श्री संविलियन नन्हेड़ा अलियारपुर में 11वां अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस बड़े ही उत्साह के साथ मनाया गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि अमरोहा ब्लॉक प्रमुख गुरेंद्र सिंह मौजूद रहे। इस दौरान इंचार्ज अध्यापक राजीव कुमार और विद्यालय का समस्त स्टाफ और छात्र-छात्राओं ने स्कूल परिसर में योग अभ्यास किया। इस दौरान ब्लाक प्रमुख सरदार गुरेंद्र सिंह ने बताया कि सुबह योग करने से शरीर स्वस्थ रहता है। बीमारियों से दूर रहता है। इसी के साथ सभी लोगों को स्वस्थ रहने के लिए रोजाना व्यायाम करें। क्योंकि योग केवल व्यायाम नहीं, बल्कि यह एक जीवनशैली है जो हमें संतुलन, अनुशासन और मानसिक शांति प्रदान करता है। इस अवसर पर भूप सिंह जिला उपाध्यक्ष बीजेपी अमरोहा, धर्मेंद्र सिंह बीजेपी मंडल अध्यक्ष और ग्राम प्रधान शीशराम सिंह ,प्राथमिक शिक्षा संघ के ब्लॉक अध्यक्ष देवेंद्र सिंह ,समस्त स्टाफ पीएम नन्हेड़ा अलियारपुर ग्राम पंचायत के बच्चों और ग्राम वासी उपस्थित रहे संजीव सिरोही इंचार्ज अध्यापक ने सभी का आभार व्यक्त किया।

स्वस्थ और निरोगी रहने के लिए नियमित रूप से योगासन जरूरी: डायट प्राचार्य शाहीन

अमरोहा (सब का सपना) रोहित कुमार:- जनपद के जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान बुढनपुर में 11वे अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर योगा अभ्यास कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर योगाचार्य महेश कुमार और योग प्रशिक्षक डॉ रेनू के निर्देशन में योगाभ्यास प्रोटोकॉल का अनुपालन करते हुए सभी ने योगाभ्यास किया। डायट प्राचार्य शाहीन ने बताया कि हमे प्रतिदिन योग करना चाहिए । एक स्वस्थ मानव के शरीर के विकास के लिए और आत्मा शांति तथा निरोगी काया के लिए जीवन में योग का महत्वपूर्ण स्थान है । साथ ही साथ यह अनेक बीमारियों को भी दूर करता है । कहा कि स्वस्थ और निरोगी रहने के लिए नियमित रूप से योगासन जरूरी है। योग व्यक्ति को विभिन्न प्रकार के रोगों से दूर करता है। स्वस्थ शरीर स्वस्थ आत्मा के विकास के लिए हमें योग के महत्व को समझना होगा। योग की यह साधना व्यक्ति को अनेक प्रकार से जीवन में लाभकारी है। प्रतिदिन हमें इस जीवन में समय योग अवश्य करना होगा । प्रभारी रवि यादव के द्वारा योग कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में प्रवक्ता, रमाशंकर, पूनम, निशु चौधरी उपस्थित रहे एवं कार्यालय स्टाफ में रिंकू सिंह गौतम, रूप सिंह, सनी दत्त,लोकेंद्र सिंह, शिवा रानी, अनुरूति तथा डीएलएड प्रशिक्षु उपस्थित रहे

विद्यालय में शिक्षको ने किया योग

हसनपुर/अमरोहा (सब का सपना):- इंटरनेशनल योग दिवस पर प्राथमिक विद्यालय गुलामपुर में शिक्षको ने योग किया। प्रधानाध्यापक रामवीर सिंह ने कहा कि निरोगी रहने के लिए योग बहुत जरूरी है। योग करने से ही हम स्वस्थ रह सकते हैं। स्वस्थ शरीर में ही स्वस्थ मस्तिष्क निवास करता है। अतः हम सभी को नियमित रूप से योग करना चाहिए। योग के लिए नियमित अभ्यास जरूरी है। इस अवसर पर सहायक अध्यापक अमित कुमार,अजय सागर, मनीष यादव, संतराम सिंह, राशिद अली, रेनू कंसल उपस्थित रहे।

वैश्य एकता मंच ने आयोजित किया नि:शुल्क नेत्र परीक्षण

चंदौसी/सम्भल। (हनी चन्द्रा) वैश्य एकता मंच, चंदौसी द्वारा समाजसेवा के क्षेत्र में एक अनुकरणीय पहल करते हुए नगर के रामबाग रोड स्थित वृद्धाश्रम में निःशुल्क नेत्र परीक्षण, दवा एवं चश्मा वितरण चिकित्सा शिविर का आयोजन किया गया। इस शिविर का आयोजन श्रीजी माधव आई केयर सेंटर के माध्यम से किया गया। जहाँ विशेषज्ञ डॉक्टरों की टीम द्वारा आधुनिक तकनीकों की सहायता से वरिष्ठजनों की आँखों की जाँच की गई और आवश्यकता अनुसार चश्मे एवं दवाइयाँ उपलब्ध कराई गईं। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि अखिलेश कुमार खिलाड़ी ने शिविर का शुभारंभ करते हुए अपने संबोधन में कहा कि समाज में बुजुर्गों के लिए इस प्रकार की सेवा न केवल प्रशंसनीय है बल्कि यह हर व्यक्ति का नैतिक कर्तव्य होना चाहिए। वृद्धजनों ने अपना पूरा जीवन समाज को समर्पित किया है और अब उन्हें हमारे प्यार और सम्मान की सबसे अधिक आवश्यकता है। वैश्य एकता मंच ने इस शिविर के माध्यम से जो कार्य किया है वह निःसंदेह समाज के लिए प्रेरणा है। मैं मंच को इस सेवा यज्ञ के लिए हार्दिक शुभकामनाएं देता हूँ।" इस अवसर पर मंच के संरक्षक अंकित जैन, क्षितिज गुप्ता, मन्नू मेडिकल, शोभित अग्रवाल एवं गौरव गुप्ता विशेष रूप से उपस्थित रहे और उन्होंने शिविर की व्यवस्थाओं को सफल बनाने में सक्रिय भागीदारी निभाई। कार्यक्रम में मंच के विधिक सलाहकार एडवोकेट प्रवीण गुप्ता एवं एडवोकेट निशांत गुप्ता भी सम्मिलित हुए। कार्यक्रम की अध्यक्षता वैश्य एकता मंच के अध्यक्ष लवित वार्ष्णेय द्वारा की गई। इस मौके पर महामंत्री आकाश वार्ष्णेय एवं तुषार क्रिस्टल, वरिष्ठ उपाध्यक्ष ब्रजेश चंद्र वार्ष्णेय एवं हेमंत वार्ष्णेय, उपाध्यक्ष दीपेश वार्ष्णेय एवं मयंक वार्ष्णेय, तथा संगठन मंत्री इशांक गोयल, मीडिया प्रभारी प्रथम वार्ष्णेय, अभिनव वार्ष्णेय व अन्य लोग उपस्थित रहे।

भाजपा मण्डल कार्यकारिणी घोषित, श्री श्री 1008 श्री बंगाली बाबा अवधूत आश्रम गवां में हुआ सम्मान समारोह

रजपुरा/सम्भल। (हनी चन्द्रा) सब का सपना:- भारतीय जनता पार्टी गवां रजपुरा मण्डल की नई कार्यकारिणी की घोषणा की। मण्डल अध्यक्ष उमेश चन्द्र शर्मा ने कार्यकारिणी के सदस्यों के नाम की सूची की जानकारी देते हुए बताया कि इसमें से छह उपाध्यक्ष दो महामंत्री छह मंत्री तथा एक कोषाध्यक्ष का पद मिला है। रविवार को श्री श्री 1008 श्री बंगाली बाबा अवधूत आश्रम गवां में नवनियुक्त मण्डल कार्यकारिणी का मिठाई खिलाकर एवं भारतीय जनता पार्टी का पटका एवं माल्यार्पण कर भव्य स्वागत किया गया। मण्डल अध्यक्ष उमेश चंद्र शर्मा ने बताया कि कार्यकारिणी में मण्डल उपाध्यक्ष द्रौपदी खड्गवंशी, रामअवतार कुशवाह, सुरेन्द्र जाटव, प्रमोद कुमार पासी, सतेन्द्र यादव जी, सुमित ठाकुर मण्डल महामंत्री रामपाल प्रजापति, भारत सिंह राघव, मण्डल मंत्री राममूर्ति सैनी, सुरजीत वर्मा, अखिलेश यादव, मनवीर यादव जी, राजवीर पाल, विजय सिंह यादव मण्डल कोषाध्यक्ष प्यारेलाल जाटव को नियुक्त किया गया है। इस मौके पर मण्डल अध्यक्ष उमेश चन्द्र शर्मा ने कहा की भारतीय जनता पार्टी पार्टी संगठन को जमीनी स्तर पर और अधिक मजबूत करने व हर भारतीय को सशक्त करना है, ताकि हमारा देश आगे बढ़े और कोई भी पीछे न छूटे। इस परिवर्तन के सफर में हमारा साथ दें और अंत्योदय के सिद्धांत को अपनाने के उद्देश्य से कार्यकारिणी का गठन किया गया है। नई टीम सक्रियता के साथ जनहित के कार्य करेगी। इस मौके पर गिरीश चंद्र शर्मा, महेन्द्र सैनी, पवन राणा, पन्नालाल खड़गवंशी, अमर सिंह पाल उपस्थित रहे।

आगामी त्यौहारो को लेकर पीस कमेटी की बैठक का किया गया आयोजन

संभल(सब का सपना):- पुलिस अधीक्षक सम्भल कृष्ण कुमार के निर्देशन में अपर पुलिस अधीक्षक (उत्तरी) जनपद संभल राजेश कुमार श्रीवास्तव द्वारा आगामी त्यौहारों श्रावण मास, कांवड यात्रा व मोहर्रम के दृष्टिगत थाना ऐंचौडा कम्बौह, थाना असमोली व थाना नखासा पर पीस कमेटी की गोष्ठी का आयोजन किया गया। तथा उपजिलाधिकारी चन्दौसी व क्षेत्राधिकारी चन्दौसी अनुज चौधरी द्वारा थाना बनियाठेर व थाना चन्दौसी पर, क्षेत्राधिकारी गुन्नौर दीपक कुमार द्वारा थाना जुनावई पर पीस कमेटी की बैठक की गयी । द्वारा इस अवसर पर थाना क्षेत्रों के संभ्रांत नागरिकों, धर्मगुरुओं, ताजियेदारों, डीजे संचालकों एवं शांति समिति के सदस्यों की उपस्थिति में ताजियों से जुड़ी व्यवस्थाओं एवं कानून-व्यवस्था बनाए रखने हेतु विस्तृत चर्चा की गई । सभी से आगामी त्यौहारों को शांति, सौहार्द एवं आपसी भाईचारे के साथ मनाये जाने की अपील कर ताजियों की ऊंचाई, ताजिया जुलूस, रूट, समय एवं ध्वनि व्यवस्था आदि के संबंध में भी दिशा-निर्देश साझा किए गए। गोष्ठी में यह भी स्पष्ट किया गया कि किसी भी प्रकार की अफवाह, विवाद या सोशल मीडिया पर भ्रामक पोस्ट की स्थिति में सख्त कार्रवाई की जाएगी।

विवाहिता को घर से निकाला, गली-गलौज करते हुए पीटने का भी आरोप, रिपोर्ट दर्ज

अलीगढ़: अतरौली के पालीमुकीमपुर थाना अंतर्गत गांव भमसोई हुसैनपुर निवासी कौसर पुत्री चांद खां ने रिपोर्ट दर्ज कराई है। उसने घर से निकालने के साथ-साथ पीटने का भी आरोप लगाया है। कौसर ने पुलिस को बताया है कि उसका निकाह करीब तीन साल पहले सलमान उर्फ आमिर निवासी आमरा खेड़ा राया जिला मथुरा के साथ हुआ था। आरोप है कि निकाह के कुछ दिनों बाद से ही पति, देवर शाहरुख, पाले, मौसिम व सास सलमा व ससुर नसीमत अली दहेज में बुलेट बाइक व आभूषण की मांग उत्पीड़न कर रहे थे। 17 मई को गली-गलौज करते हुए पीटा। इससे उसके शरीर में गुम चोट आई हैं। आरोप है कि जान से मारने की धमकी देते हुए ससुरालियों ने उसे घर से निकाल दिया। अभी वह मायके में रह रही है। पुलिस ने पीड़िता की तहरीर पर ससुरालीजनों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर ली है।

सुलह समझौता केंद्र की मीटिंग में बीस परिवारों को फिर से मिलाया गया...

बहजोई/संभल(सब का सपना):- जनपद में पुलिस अधीक्षक कृष्ण कुमार विश्नोई की देखरेख में चलाए जा रहे पुलिस परिवार परामर्श सुलह समझौता केंद्र की एक मीटिंग महिला सेल प्रभारी इंस्पेक्टर पूनम आनंद की देखरेख में महिला थाने में संपन्न हुई। जिसमें पति-पत्नी के मध्य हुए आपसी विवादों को सुलह समझौते के आधार पर निस्तारित करने का प्रयास किया गया जहां कुल 112 पत्रावली सुनकर 38 पत्रावलियों का निस्तारण किया गया तथा 20 परिवारों को सुलह समझौता के आधार पर पुनः एक कर फिर से मिलाया गया तथा एक पत्रावली में विधिक कार्यवाही करने की संतुति की गई एवं 17 पत्रावली न्यायालय में विचाराधीन अथवा आवेदक द्वारा बल न देने के कारण बंद करने की संतुति की गई। इस अवसर पर विधिक परामर्शदाता काउंसलर लव मोहन वार्ष्णेय एडवोकेट काउंसलर पूनम अरोरा श्वेता गुप्ता बबीता शर्मा तथा कांस्टेबल शहजाद मलिक रश्मि गहलोत ज्योति आदि लोग उपस्थित रहे।

सेनरा ग्रुप ऑफ एजुकेशन के संयुक्त तत्वाधान में योग शिविर का किया गया आयोजन

गढ़मुक्तेश्वर/हापुड (सब का सपना):- अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर शिक्षा संस्कृति उत्थान न्यास, मेरठ प्रान्त एवं सेनरा ग्रुप आफ एजुकेशन के संयुक्त तत्वाधान में सेनरा पब्लिक स्कूल, गढ़मुक्तेश्वर के प्रांगण में योग शिविर का आयोजन किया गया 'विद्यालय की प्रबंध समिति एवं योग गुरु प्रत्याशी शर्मा ने संयुक्त रूप से मां सरस्वती के समक्ष दीप प्रज्वलन कर योग शिविर का शुभारंभ किया ' तदोपरांत स्कूल के वाइस प्रिंसिपल एवं शिक्षाविद वी. के. त्यागी ने योग दिवस के बारे में सभी को अवगत कराया 'योग गुरु प्रत्येक शर्मा ने योग की विभिन्न क्रियो को सभी उपस्थित गणमान्य लोगों को सहजता से सिखाया 'कोऑर्डिनेटर, दीपचंद सैनी ने योग की महत्वता पर प्रकाश डाला ' अंत में संस्थान के प्रबंध निदेशक एवं प्रांत विषय संयोजक, आत्मनिर्भर भारत, उमेश सेनरा ने सभी का आभार प्रकट करते हुए कहा कि योग से ही एक स्वस्थ एवं शांतिप्रद जीवन शैली को अपनाया जा सकता है '

स्कूल के अंदर कुबार्नी का शक, गोबर मिलने से हड़कंप, जांच के लिए भेजा गोबर

चंदौसी/संभल। (हनी चन्द्रा) सब का सपना:- जनपद संभल के चंदौसी थाना क्षेत्र अंतर्गत लक्ष्मण गंज इलाके में सरकारी भूमि पर हो रहे अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई। उस समय सनसनीखेज मोड़ ले गई, जब नगर पालिका की करीब 6 बीघा भूमि पर बने एक इंग्लिश मीडियम स्कूल के अंदर से संदिग्ध परिस्थितियों में गोबर और कुबार्नी से जुड़ा सामान बरामद हुआ और एक कमरे में मसाला भरा हुआ था। यह घटना तब सामने आई जब सीओ अनुज चौधरी और एसडीएम विनय मिश्रा नगर पालिका की जमीन को अतिक्रमण से मुक्त कराने के लिए मौके पर बुलडोजर लेकर पहुंचे थे। इस भूमि पर बनी रजा-ए-मुस्तफा मस्जिद पर जब प्रशासनिक कार्रवाई की जा रही थी तभी दोनों अधिकारियों ने क्षेत्र का निरीक्षण करते हुए मस्जिद के आसपास बने 34 अवैध निमार्णों को खाली करने का अल्टीमेटम जारी किया। इसी दौरान उनकी

नजर एक बंद गेट वाले इंग्लिश मीडियम स्कूल पर पड़ी जो कथित तौर पर सरकारी जमीन पर अवैध रूप से बना हुआ है। गेट बंद होने के कारण सीओ अनुज चौधरी ने बल प्रयोग कर गेट को धक्का मारकर खोला और अंदर प्रवेश किया। स्कूल के अंदर का नजारा चौंकाने वाला था। क्लासरूम में किराने का सामान और अन्य घरेलू वस्तुएं बिखरी हुई थीं लेकिन जो दृश्य सबसे ज्यादा चौंकाने वाला था वह था कक्षा के अंदर पड़ा हुआ गोबर। यह देखकर पुलिसकर्मी और मीडियाकर्मी भी हैरान रह गए। जब मौके पर स्कूल संचालक को बुलाकर पूछताछ की गई तो उसने बताया कि बकरीद के मौके पर कुबार्नी दी गई थी, लेकिन बात को स्पष्ट करने के बजाय वह इधर-उधर की बातें करने लगा। इस पर सीओ अनुज चौधरी और एसडीएम विनय मिश्रा ने मौके पर ही गोबर के नमूने जांच के लिए लैब भेजने के निर्देश दिए ताकि यह स्पष्ट हो सके कि कहीं यह गौवंश की कुबार्नी से संबंधित तो नहीं है। फिलहाल स्कूल संचालक से पूछताछ जारी है और इस पूरे मामले की जांच तेजी से की जा रही है। लक्ष्मण गंज में 34 मकानों को खाली करने का अल्टीमेटम दिया गया है प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि किसी भी कीमत पर कानून व्यवस्था से खिलवाड़ बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। इस मामले में आगे की कार्रवाई और रिपोर्ट का पूरे जनपद को इंतजार है।

एडीए सामान्य जे पी चौधरी ने की कृषि विभाग की समीक्षा

शामली (सब का सपना):- रविवार को सभागार कक्ष कार्यालय उप कृषि निदेशक शामली मे कृषि निदेशालय लखनऊ से नोडल अधिकारी अपर निदेशक कृषि (सामान्य) जेपी चौधरी द्वारा कृषि विभाग की योजनाओ की प्रगति की जानी। बैठक में खरीफ सीजन की तैयारियों, बीज और उर्वरक की उपलब्धता, प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना, प्राकृतिक खेती, फसल बीमा योजना, जल संरक्षण कार्यक्रम, तथा किसानों को तकनीकी प्रशिक्षण जैसी प्रमुख योजनाओं की प्रगति पर चर्चा की गई। जेपी चौधरी ने विभागीय अधिकारियों को निर्देश दिए कि किसानों को समय पर उन्नत किस्म के बीज, खाद और आवश्यक सलाह उपलब्ध कराई जाए। साथ ही उन्होंने कहा कि फील्ड स्तर पर अधिकारियों की सक्रियता और

किसानों के साथ संवाद बढ़ाया जाए ताकि योजनाओं का लाभ सीधे लाभार्थियों तक पहुँचे। कृषि क्षेत्र की मजबूती के बिना ग्रामीण अर्थव्यवस्था का विकास संभव नहीं। अतः हमें किसानों के साथ मिलकर योजनाओं का क्रियान्वयन सुनिश्चित करना है।" बैठक के बाद अपर निदेशक कृषि सामान्य जेपी चौधरी ने गांव करोडी मे ओमबीर के द्वारा एकीकृत धान्य विकास कार्यक्रम अन्तर्गत डी एस आर विधि से धान बोये हुए प्रदर्शन का स्थलीय निरीक्षण किया। अल्लाउद्दीन मे स्थित कृषि प्रक्षेत्र फार्म का भी निरीक्षण किया। समीक्षा के दौरान उप कृषि निदेशक प्रमोद कुमार, जिला कृषि अधिकारी प्रदीप कुमार यादव, समस्त सहायक विकास अधिकारी कृषि, प्राविधिक सहायक, बी.टी.एम. ए.टी.एम. और प्रगतिशील किसान धर्मेंद्र, योगेंद्र, सुनील आदि उपस्थित रहे।

अखिलेश यादव बोले- सपा सरकार बनी तो पुलिस में महिलाओं की भर्ती के लिए ढांचागत बदलाव करेंगे

लखनऊ: सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने 2027 चुनाव को लेकर बड़ा वादा किया है। उन्होंने कहा कि अगर 2027 में यूपी में सपा की सरकार बनी तो पुलिस विभाग में महिलाओं की भर्ती के लिए हम ढांचागत बदलाव करेंगे। अखिलेश यादव रविवार को सपा मुख्यालय में पत्रकारों को संबोधित कर रहे थे। इस मौके पर सपा सांसद डिंपल यादव समेत पार्टी की अन्य महिला नेता व कार्यकर्ता मौजूद थे। अखिलेश यादव ने ईरान - इस्त्राइल युद्ध पर कहा कि भारत को दूसरे देशों में फंसे अपने नागरिकों को वापस

लाना चाहिए। इस युद्ध में भारत को अपना स्टैंड स्पष्ट करना चाहिए लेकिन अगर मुश्किल वक्त में मित्र देश के साथ खड़े नहीं होते हैं तो यह हमारी विदेश नीति के साथ धोखा है। अच्छे समय पर सब मित्र होते हैं। उन्होंने कहा कि सरकार जेपीएनआईसी बेचना चाहे तो तो बेच सकती है। हम खरीदना चाहते हैं। एलडीए वीसी को पार्टी की ओर से चिट्ठी भेजने के लिए कहा गया है। मंदिर के चंदे पर कब्जा करने के लिए योजना बना रही है भाजपा अखिलेश यादव ने कहा कि भाजपा मंदिर के चंदे पर कब्जा करने के लिए नई योजनाएं बना रही है। धरती पर इतने मंदिर कभी भी नहीं तोड़े गए हैं जितने भाजपा राज में तोड़े गए हैं। बनारस में पुराने मंदिरों को तोड़ा गया है। वहीं, वेनिस समेत तमाम शहरों में पुरानी गलियों को संरक्षित किया गया है।

फुफेरी बहन को गुमराह कर बनवाया फर्जी निकाहनामा, आरोपी के खिलाफ हाईकोर्ट के आदेश पर मुकदमा दर्ज

उझानी: फुफेरी बहन को प्रेमजाल में फंसाकर युवक अपने साथ ले गया। फर्जी निकाहनाम बनवाया और हाईकोर्ट में रिट दायर करते हुए बताया कि वह दोनो पति-पत्नी हैं। युवती को जब पता लगा कि युवक की शादी हो चुकी है और उसके एक बेटी भी है तो वह अपने ननिहाल चली आई। हाईकोर्ट के आदेश पर उझानी पुलिस ने आरोपी के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर तलाश शुरू की है। अलापुर थाना क्षेत्र के एक गांव में रहने वाले आमीन ने रिश्ते की फुफेरी बहन को प्रेमजाल में फंसा लिया और उसको अपने साथ बहला-

फुसलाकर ले गया। दोनों हाईकोर्ट पहुंचे और एक निकाहनामा तैयार कर हाईकोर्ट में रिट दायर की। बताया कि वह दोनों पति-पत्नी हैं। परिवार के लोग उसकी जान लेना चाहते हैं। इस पर संज्ञान लेते हुए उझानी कोतवाली से पूरे मामले की आख्या मांग ली। इस पूरे मामले की जांच उपनिरीक्षक प्रताप सिंह ने की। उन्होंने बताया कि जांच में निकाहनाम पूरी तरह से फर्जी पाया है। युवती ने अपने बयान में कहा है कि उसको गुमराह करके निकाहनाम तैयार किया गया और उसके हस्ताक्षर करा लिए गए। उसका किसी काजी ने निकाह नहीं पढ़ा। आख्या के आधार पर कोर्ट ने उझानी पुलिस को मुकदमा दर्ज कर आरोपी के खिलाफ कठोर कार्रवाई करने के निर्देश दिए गए। शनिवार को पुलिस ने आरोपी आमीन के खिलाफ संगीन धाराओं में मुकदमा दर्ज कर उसकी तलाश शुरू की है। वहीं युवती अपनी नानी के घर रह रही है।

दो दिन से बिजली आपूर्ति नहीं होने से ग्रामीण परेशान

सुमेरपुर हमीरपुर। पिछले दो दिनों से विदोखर सब स्टेशन से जुड़ें बण्डा, मवईजार की बिजली गुल होने से ग्रामीण परेशान है। अधिकारियों ने रविवार से आपूर्ति बहाल करने का आश्वासन दिया है।
पिछले तीन दिनों से हो रही बारिश ने बिजली आपूर्ति में जबरदस्त व्यवधान डाला है। विदोखर सब स्टेशन से जुड़ें बण्डा, मवईजार में पिछले दो दिनों से आपूर्ति ठप है। इससे ग्रामीण परेशान है। बण्डा के

पूर्व प्रधान संजय सिंह, मवईजार के पूर्व प्रधान महेश कुमार शिवहरे ने बताया कि 2 दिन से आपूर्ति बाधित रहने के कारण बच्चे, बूढ़े, महिलाएं परेशान है। जलापूर्ति भी बाधित है। अधिकारियों ने रविवार से आपूर्ति बहाल करने की बात कही है।
विदोखर सब स्टेशन के अवर अभियंता महेश चंद्र तिवारी ने बताया बारिश के साथ होने वाली गर्जना से इंसुलेटर ध्वस्त हो रहे है। इससे आपूर्ति में बाधा उत्पन्न हो रही। तार टूटने की घटनाएं भी बढी है। बण्डा मवईजार की लाइन की मरम्मत करा दी गई है। टेस्टिंग हो रही है शाम से नियमित आपूर्ति की जाएगी।

गजरौला में झमाझम बारिश से मौसम हुआ सुहाना, गर्मी से बेहाल लोगों को मिली राहत

गजरौला/अमरोहा (सब का सपना) कविन्द्र सिंह:- क्षेत्र में झमाझम बारिश से मौसम का मिजाज बदल गया और मौसम सुहाना हो गया। जिससे क्षेत्र के लोगों को तड़कती भड़कती गर्मी से राहत मिली और लोगों ने चैन की सांस ली। बता दें कि रविवार की दोपहर अचानक मौसम का मिजाज बदलने से क्षेत्र में बारिश का मौसम बन गया और करीब 1 घंटे तक गजरौला क्षेत्र में झमाझम बारिश होती रही जिससे

सड़कों पर घोंटों घोंटों तक पानी भर गया। बता दें कि गर्मी के इस सीजन की यह पहली बारिश थी जिसमें लोग सड़कों पर,अपनी छतों और बाइकों से नहाते भी दिखाई दिए। बारिश होने से पहले लोग गर्मी से बुरी तरह से बेहाल थे। तेज धूप और तड़कती भड़कती गर्मी में लोग काम करने को मजबूर थे। वहीं कुछ लोग तो गर्मी और तेज धूप होने के कारण घरों से भी बाहर नहीं निकले। लेकिन रविवार की दोपहर हुई झमाझम बारिश ने मौसम को सुहाना और ठंडा बना दिया जिससे लोगों ने गर्मी में चैन की सांस ली।

168 घंटे लड़ी सलोनी: पड़ोसी ने सोते फूंका... इस बात को लेकर था विवाद, दो बेटियों के सिर से छिन गया मां का आंचल

हापुड़ : उत्तर प्रदेश के हापुड़ जिले के देहात थाना क्षेत्र के गढ़ रोड स्थित मोहल्ला शिवनगर में सात दिन पहले पड़ोसियों द्वारा ज्वलनशील पदार्थ डालकर जलाए जाने से बुरी तरह झुलसी 25 वर्षीय सलोनी की शनिवार देर रात दिल्ली के अस्पताल में उपचार के दौरान मौत हो गई। एंबुलेंस से रविवार शाम करीब पौने पांच बजे शव शिवनगर पहुंचा तो लोगों ने हंगामा शुरू कर दिया। मोहल्ले के बाहर ही एंबुलेंस रोक ली, इस दौरान पुलिस के साथ खूब नौकझोंक हुई। हालांकि पुलिस द्वारा फरार आरोपियों की जल्द गिरफ्तारी के आश्वासन पर लोग शांत हुए। बता दें कि 15 जून की रात करीब डेढ़ बजे शिवनगर में सलोनी अपनी

दो बेटियों के साथ सो रही थी। आरोप है कि इसी दौरान पड़ोस के रहने वाले मुकेश, गंगाराम, भोपाल, श्रीपाल व मुकेश के साले छत के रास्ते घर में दाखिल हुए। उन्होंने सलोनी पर ज्वलनशील पदार्थ डालकर आग लगा दी। गंभीर हालत में सलोनी को अस्पताल में भर्ती कराया, जहां से उसे दिल्ली रेफर कर दिया गया। सात दिन तक चले उपचार के बाद शनिवार देर रात सलोनी की मौत हो गई। औपचारिक कार्रवाई के बाद सलोनी के शव को रविवार शाम करीब पौने पांच बजे एंबुलेंस शिवनगर लेकर पहुंची। सूचना पर बड़ी संख्या में लोग मोहल्ले के बाहर एकत्र हो गए। उन्होंने एंबुलेंस को अंदर नहीं जाने दिया, आरोप था कि पुलिस ने सिर्फ एक आरोपी को ही गिरफ्तार किया है। जबकि बाकी नामजद चार आरोपी फरार हैं। स्थिति को भांपते हुए सीओ जितेंद्र कुमार शर्मा, नगर कोतवाली प्रभारी मुनीष प्रताप सिंह, महिला थाना प्रभारी अरूणा राय व देहात थाना प्रभारी विजय कुमार गुप्ता पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। हालांकि सुबह से ही तनाव की स्थिति को देखते हुए मोहल्ले में पुलिस फोर्स मुस्तैद किया गया था। शव उतारने को लेकर पुलिस के साथ लोगों की खूब नोकझोंक भी हुई। हालांकि पुलिस ने जल्द आरोपियों को पकड़ने का आश्वासन देकर किसी तरह लोगों को शांत किया।

महान दल के राष्ट्रीय अध्यक्ष और जिलाध्यक्ष समेत 14 की पुलिस को तलाश, मुख्यमंत्री के खिलाफ की थी नारेबाजी

बदायूं : बदायूं के मूसाझाग थाना पुलिस को महान दल के राष्ट्रीय अध्यक्ष केशव देव मौर्या समेत 14 आरोपियों की तलाश हैं। राष्ट्रीय अध्यक्ष ने बगैर प्रशासनिक अनुमति के गांव स्तरीय हुई सभा में मुख्यमंत्री के खिलाफ की अर्मादित शब्दों का प्रयोग किया था। पुलिस ने इस मामले में राष्ट्रीय अध्यक्ष समेत 18 के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज की थी। पुलिस ने अब तक संयोजक समेत चार आरोपियों को गिरफ्तार कर चुकी हैं। मूसाझाग थाने के उपनिरीक्षक मलखान सिंह की तहरीर पर दर्ज हुई रिपोर्ट में बताया गया कि शुक्रवार को क्षेत्र के गांव कथरा खगेई में महान दल के संयोजक देवेंद्र उर्फ पप्पू पुत्र सूरज ने जिला महासचिव रविंद्र शाक्य और जिलाध्यक्ष संजीव मौर्य के नेतृत्व में राष्ट्रीय अध्यक्ष केशव देव मौर्या की गांव स्तरीय सभा कराई थी। आयोजकों ने जिला प्रशासन से सभा की अनुमति नहीं ली थी। सभा में मुख्य आयोजक और पार्टी के पदाधिकारी व कार्यकर्ता भी मौजूद थे। इनमें प्रकाश, अनिल मौर्य, नेमचंद्र, महेश, जितेंद्र, राधेश्याम, पोशाकी, राजेश्वर, भीके, टोडी, श्यामलाल, सतेंद्र, राकेश, रामवीर थे। इनके अलावा सभा में गांव के लोग थे। सभा के दौरान राष्ट्रीय अध्यक्ष ने अपने संबोधन में मुख्यमंत्री के खिलाफ अमर्यादित अपशब्दों का प्रयोग किया। मुख्यमंत्री व पूर्व मंत्री भगवान सिंह शाक्य के खिलाफ नारेबाजी की। जब वह पुलिस टीम के साथ मौके पर पहुंचे तो संयोजक देवेंद्र उर्फ पप्पू से सभा की अनुमति मांगी गई। इस पर वह अनुमति नहीं दिखा सका। इसकी सूचना पर एसओ मान बहादुर सिंह भी पुलिस टीम के साथ सभास्थल पर आ गए। उन्होंने भी सभा की अनुमति की जानकारी ली। इस पर सभा के आयोजक बौखला गए और भड़काऊ भाषण जारी रखा। इससे वहां मौजूद लोगों ने हंगामा किया। इस मामले में पुलिस ने देर रात ही राष्ट्रीय अध्यक्ष केशव देव मौर्या समेत सभा के 17 आयोजकों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर ली थी। रिपोर्ट दर्ज होने के बाद आयोजकों ने पुलिस को थाने का घेराव करने की चेतावनी दी थी, लेकिन पुलिस की हिदायत के बाद आयोजक फरार हो गए थे। शनिवार को पुलिस ने महानदल के संयोजक देवेंद्र उर्फ पप्पू, नेमचंद्र, प्रकाश चंद्र और जितेंद्र को गिरफ्तार कर चालान कर दिया है।

चोरी की घटना का खुलासा अभियुक्त गिरफ्तार, चोरी के एक लाख

70, हजार-रुपये नकद, दस्तावेज मोटर साइकिल बरामद

हापुड़ (सब का सपना):- नगर पुलिस ने थाना क्षेत्र के अंतर्गत पक्का बाग पर खड़ी कार से चोरी की घटना का सफल अनावरण करते हुए एक अभियुक्त को गिरफ्तार किया गया है। जिसके कब्जे से चोरी किये हुए एक लाख 70, हजार रुपये नकद, अन्य दस्तावेज व घटना में प्रयुक्त मोटर साइकिल बरामद थाना प्रभारी निरीक्षक मनीष प्रताप सिंह ने जानकारी देते हुए बताया अपराध की रोकथाम एवं चोरों/वांछित अभियुक्तों की गिरफ्तारी हेतु चलाए जा रहे अभियान के अन्तर्गत थाना हापुड़ नगर पुलिस द्वारा थाने के मु0अ0सं0 372/2025 धारा 303(2), 317(2) बीएनएस का सफल अनावरण करते हुए एक अभियुक्त कपिल शर्मा पुत्र महेश चन्द्र शर्मा

निवासी ग्राम नान थाना हाफिजपुर जनपद हापुड़ को चित्तोली रोड़ पर मास्टर कान्वेन्ट स्कूल पास से गिरफ्तार किया गया है, जिसके कब्जे से चोरी किये हुए 1,70,000/-रुपये नकद, अन्य दस्तावेज व घटना में प्रयुक्त मोटर साइकिल बरामद हुई है एवं अग्रिम विधिक कार्यवाही की जा रही है।

सरसों के तेल के गोदाम पर खाद विभाग की छापेमारी

4800 लीटर नकली तेल बरामद,गोदाम सील

गजरौला/अमरोहा (सब का सपना):- में खाद विभाग की टीम ने सरसों के तेल के गोदाम पर छापेमारी की है।इस दौरान खाद विभाग की टीम ने अपने साथ पुलिस टीम को भी साथ लिया। जिससे नगर में अवैध रूप खाद व्यापार चला रहे लोगों में भी हड़कंप मच गया। उधर खाद विभाग की टीम द्वारा 4800 ली नकली तेल बरामद कर गोदाम को सील कर दिया गया है। ज्ञात रहे कि रविवार को नगर के गजरौला के मोहल्ला विजयनगर में खाद विभाग की टीम ने छापेमारी की।इस दौरान खाद्य विभाग की टीम ने अपने साथ पुलिस टीम को भी शामिल किया और नगर के मोहल्ला विजयनगर में अवैध रूप से चल रहे सरसों के तेल के गोदाम पर छापेमारी की।मुख्य खाद्य सुरक्षा अधिकारी विनय अग्रवाल ने बताया कि कार्रवाई सीएम के उस आदेश के तहत की गई है, जिसमें मिलावट करने वालों की तस्वीरें चौराहों पर लगाने की बात कही गई थी। अब ऐसे व्यापारियों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी जो जनता की सेहत से खिलवाड़ कर रहे हैं। नमूने लिए गए है। जिन्हें जांच के लिए प्रयोगशाला भेजा जाएगा। जांच रिपोर्ट के बाद मामले में अग्रिम कार्यवाही की जाएगी।इसके अलावा खाद टीम द्वारा मौके से 3200 लीटर नकली सरसों का तेल एवं 1600 लीटर रिफाइंड तेल बरामद कर लिया गया है और गोदाम को सील कर दिया गया है।उधर नगर में खाद विभाग की छापेमारी से व्यापारियों में भी हड़कंप सा मच हुआ है।

ईरान से दिल्ली लौटकर महसूस किया सुकून, सरकार को दिया धन्यवाद; आईजीआई एयरपोर्ट पहुंचे लोगों ने ली राहत की सांस

ऑपरेशन सिंधु के तहत ईरान से भारतीयों की सुरक्षित वापसी के लिए उड़ानें दिल्ली पहुंच रही हैं। यात्रियों में विद्यार्थी, नौकरीपेशा, व्यवसायी और तीर्थयात्री शामिल हैं। स्वदेश लौटने पर वे भारत सरकार के प्रयासों और तेहरान में भारतीय दूतावास के समन्वय की सराहना कर रहे हैं।

नई दिल्ली। ऑपरेशन सिंधु के तहत ईरान से भारतीयों की सुरक्षित वापसी के लिए एक के बाद एक उड़ान नई दिल्ली पहुंच रहे हैं। आइजीआई एयरपोर्ट के बाहर यात्रियों के स्वजन उस वक्त का इंतजार कर रहे होते हैं जब उनके अपने उनके नजदीक आएं और उनसे गले मिलें। टर्मिनल से बाहर निकल रहे यात्रियों के चेहरे पर एक ओर जहां अपनों के बीच स्वदेश वापसी की खुशी होती है तो दूसरी ओर भारतीय होने का गर्व झलकता है। यह गर्व इसलिए झलकता है क्योंकि वे इस बात के लिए निश्चिंत थे कि भारत सरकार किसी न किसी तरीके से मुसीबत के भंवर से उन्हें हर हाल में वापस निकाल लेगी। देश के प्रति यही भरोसा तब और जाहिर होता है जब वे भारत माता की जय के नारे लगाने लगते हैं। यात्रियों का कहना था कि वे सुकून की सांस ले रहे हैं, जो कई दिनों से नदारद था। ईरान से सुरक्षित वापस आए यात्रियों में कोई विद्यार्थी तो कोई नौकरी या व्यवसाय के सिलसिले में जाने वाले लोग थे। कुछ लोग तीर्थयात्री भी थे, जो शिया समुदाय के महत्वपूर्ण माने जाने वाले तीर्थ स्थलों को देखने गए थे। बाहर निकलने पर सभी ने एक स्वर में भारत सरकार द्वारा उनकी स्वदेश वापसी के लिए किए गए तीव्र प्रयासों के लिए केंद्र सरकार को धन्यवाद कहा। उन्होंने तेहरान में भारतीय दूतावास द्वारा ईरानी एजेंसियों व विदेश मंत्रालय के बीच समन्वय बिठाने के लिए वहां तैनात अधिकारियों को भी शुक्रिया कहा। मिसाइल का शोर यात्रियों में से कईयों का कहना था कि मिसाइल का शोर सुनाई देना वहां इन दिनों बेहद आम है। आलम यह है कि लोग ज्यादातर समय घर के अंदर ही बिताते हैं। यदि कोई चाहे कि वह एक शहर से दूसरे शहर में जाकर सुरक्षित रहेगा और वहां मिसाइल का शोर सुनाई नहीं देगा तो हर शख्स गलतफहमी में जी रहा है। ईरान में यदि आप हैं तो आपको मिसाइल का शोर सुनाई देगा। सबसे बुरा हाल तेहरान का यात्रियों ने बताया कि सबसे बुरा हाल तेहरान का है। तेहरान में खाने पीने की चीजें काफी महंगी हो चुकी हैं। हर व्यक्ति की कोशिश है कि वह अपने घर में अधिक से अधिक राशन जमा करके रखे ताकि उसे बाहर निकलने की जरुरत न हो। लोगों ने बताया कि एक समय जब ईरान का एयर डिफेंस सिस्टम काम कर रहा था, तब तक लोगों के मन में इतनी चिंता नहीं थी, लेकिन जब इजरायल ने इस डिफेंस सिस्टम को तोड़ डाला तब से लोग चिंतित रहने लगे।

दिल्ली घूमने आया था कपल, होटल में पत्नी का ही घोंट दिया गला; सामने आई ये चौंकाने वाली वजह

नई दिल्ली। मध्य दिल्ली के पहाड़गंज स्थित एक होटल में युवक ने अवैध संबंधों के शक में अपनी पत्नी की गला घोंटकर बेरहमी से हत्या कर दी और फरार हो गया। वारदात को अंजाम देने के बाद में वह भागकर मथुरा पहुंचा और पीसीआर कॉल कर पत्नी की हत्या की बात पुलिस को बताई। मौके पर पहुंची हाईवे मथुरा थाने की टीम ने आरोपित को दबोच लिया। दिल्ली संपर्क कर होटल में जांच करने पर बोला गया तो वहां महिला की लाश बरामद हुई। मृतका की पहचान न्यू घास मंडी, रुद्रपुर, उधम सिंह नगर, उत्तराखंड की कीर्ति शर्मा के रूप में हुई है। वहीं आरोपित की पहचान सराय आजमाबाद, आजमपुर, मथुरा के गोपाल शर्मा के रूप में हुई है। मथुरा पुलिस ने आरोपित को पहाड़गंज पुलिस के हवाले कर दिया। उसे गिरफ्तार कर लिया गया। उपयुक्त निधन वालसन के मुताबिक, शनिवार तड़के करीब तीन बजे पहाड़गंज स्थित न्यू विक्टोरिया होटल के मैनेजर प्रेम सिंह के पास मथुरा पुलिस का एक कॉल आया था। मैनेजर ने होटल का कमरा चेक करवाया तो उसमें एक महिला की लाश मौजूद थी। मथुरा पुलिस ने बताया कि गोपाल शर्मा नामक युवक अपनी पत्नी की हत्या की बात कर रहा है। दिल्ली पुलिस को खबर दी गई। मौके पर क्राइम टीम के अलावा एफएसएल को मौके पर बुला लिया गया। बाद में औपचारिकताएं पूरी करने के बाद शव को मोर्चरी भेजा दिया गया। एक टीम आरोपित को गिरफ्तार करने मथुरा रवाना हो गई। शनिवार को गोपाल को दिल्ली लाया गया, जहां पूछताछ के दौरान आरोपित ने हत्या की बात स्वीकार की। आरोपी को अपनी पत्नी पर किसी अन्य पर अवैध संबंध का था शक उसने बताया कि उसे अपनी पत्नी के चरित्र पर शक था। वह पत्नी को बहाने से दिल्ली लाया। यहां होटल का कमरा लेकर उसने शाम के समय गला घोंटकर उसकी हत्या कर दी। बाद में रात नौ बजे वह खाना लेने के बहने वहां से निकल गया और मथुरा पहुंचकर उसने हत्या की सूचना 112 पर काल कर दी। पुलिस उससे पूछताछ कर मामले की छानबीन कर रही है।

यमुना में छलांग लगाकर युवक ने की आत्महत्या, हनुमान मंदिर में पूजा-अर्चना के बाद पहुंचा था नदी किनारे

नई दिल्ली। सोनिया विहार इलाके में यमुना में कूदकर एक युवक ने जान दे दी। मृतक की शिनाख्त मनोज कुमार के रूप में हुई है। राहगीरों ने उसे यमुना में कूदता हुआ देखा तो मामले की सूचना पुलिस को दी। पुलिस के अलावा दमकल विभाग और बोट क्लब की टीम मौके पर पहुंची और उसकी तलाश शुरू की। बोट क्लब की टीम ने कुछ ही देर बाद मनोज का शव पानी से निकाल पुलिस के हवाले कर दिया। पुलिस ने शव कब्जे में लेकर मोर्चरी भेज दिया है। वजीराबाद थाना पुलिस परिजनों से पूछताछ कर आत्महत्या के कारणों का पता लगा रही है। पुलिस के मुताबिक, मनोज के परिवार में मां के अलावा पांच भाई और तीन बहनें हैं। मनोज इलाके में पेंटर का काम करता था। शनिवार सुबह के समय वह अपने भाइयों के साथ हनुमान मंदिर गया था। वहां से वापस लौटते समय वह पहले पुश्ते के पास ऑटो रिक्शा से उतर गया। उसके भाई वहां से चले गए। कुछ देर बैठने के बाद शख्स ने लगा दी छलांग इस बीच कुछ देर वहां बैठने के बाद मनोज ने यमुना में छलांग लगा दी। खबर मिलने के बाद बचाव दल वहां पहुंचा। बोट क्लब इंचार्ज हरीश कुमार भी अपनी टीम के साथ वहां पहुंचे। पांच गोताखोरों की टीम ने मनोज की तलाश शुरू की। बाद में उसका शव यमुना से निकाल लिया गया। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

मानसून में नहीं रुकेंगे काम, निगम ने पार्षदों को दिया 25 लाख का फंड

नई दिल्ली। राजधानी दिल्ली में मानसून के दौरान पार्षद निधि से इलाके में नालियों व नालों का रखरखाव और साफ-सफाई के मद्देनजर दिल्ली नगर निगम ने पार्षदों को फंड जारी कर दिया है। निगम पार्षद मानसून के दौरान 25 लाख रुपये तक के कार्य करा सकेंगे। इसमें गाद उठवाने व सफाई के लिए टैक्टर ट्राली से काम करवाना, खुले नाले नालियों पर स्लैब डलवाने से लेकर और गड्ढे भरने के लिए बिटुमिन आदि खरीदने जैसे कार्य हो सकेंगे। इससे मानसून के दौरान पार्षदों को महत्वपूर्ण कार्य कराने में सहायता मिलेगी। फंड आवंटित न होने की स्थिति में पार्षदों को अधिकारियों की तरफ मुंह ताकना पड़ रहा था। ऐसे में अब स्वयं के फंड से मानसून के दौरान जरुरी कार्यों को करा सकेंगे। अधिकारी इस फंड का उपयोग इलाके में जब ही कर पाएंगे जब क्षेत्रीय पार्षद इसकी सहमति देंगे। विपक्ष ने उठाया 25 लाख के फंड पर सवाल नेता प्रतिपक्ष अंकुश नारंग ने पार्षदों को मात्र 25 लाख रुपये का फंड क्षेत्रीय विकास निधि पर जारी करने पर सवाल उठाए हैं। उन्होंने कहा कि निगम बजट में एक करोड़ रुपये फंड पार्षद निधि के लिए मंजूर हुआ था लेकिन 25 लाख से तो इलाके के गड्ढे भी नहीं भर पाएंगे। नारंग ने कहा कि दिल्ली में अब चार इंजन की भाजपा की सरकार हैं ऐसे में फंड की कमी नहीं होनी चाहिए। वहीं, नारंग के आरोपों पर नेता सदन प्रवेश वाही ने कहा कि आप जब सत्ता में थी तो बताना चाहिए उसने कितना फंड जारी किया। हमने समय रहते मानसून में काम हो सकें इसके लिए फंड जारी करवाया है। यह तो पहली किस्त हैं अभी आगे भी फंड उपलब्धता के आधार पर आता रहेगा। मनोनीत पार्षदों को भी फंड हो आवंटित दिल्ली नगर निगम में मनोनीत पार्षद राजपाल राणा ने कहा कि मनोनीत पार्षदों को फंड आवंटित होना चाहिए। ताकि वह जिस जोन और वार्ड से प्रतिनिधित्व करते हैं उसमें वह कार्य करा सकेंगे। उन्होंने कहा कि इलाके में उनके पास भी लोग अपने कार्यों के लिए आते हैं। ऐसे में जैसे पार्षद कार्य करते हैं वैसे ही मनोनीत पार्षद काम करते हैं। इसलिए निगमायुक्त को चाहिए कि मनोनीत पार्षदों के लिए क्षेत्रीय विकास निधि के फंड का प्रविधान करें। उल्लेखनीय है कि निगम में दस मनोनीत पार्षद हैं।

ब्रिटेन में हुई थी महिला की रहस्यमयी मौत, अब हाईकोर्ट ने पति को दी गिरफ्तारी की स्थिति में कानूनी उपाय अपनाने की सलाह

नई दिल्ली। ब्रिटेन में भारतीय मूल की महिला हर्षिता ब्रेला की रहस्यमयी मौत के मामले में दिल्ली हाईकोर्ट ने उसके पति पंकज लांबा को फिलहाल कोई राहत नहीं दी है। लांबा ने गिरफ्तारी की आशंका जताते हुए कोर्ट में याचिका दायर कर कहा कि अगर उन्हें गिरफ्तार किया जाता है, तो वे कानून के तहत उपलब्ध उपायों का सहारा ले सकते हैं। न्यायमूर्ति प्रतिभा एम सिंह और न्यायमूर्ति रजनीश कुमार गुप्ता की पीठ ने साफ किया कि इस मामले में कई कानूनी पहलुओं की गंभीरता है, इसलिए इसे नियमित पीठ के समक्ष सूचीबद्ध किया जाएगा। कोर्ट ने अगली सुनवाई 15 जुलाई को तय की है। पंकज लांबा पर अपनी पत्नी के साथ क्रूरता, विश्वासघात और साझा मंशा से अपराध के तहत प्राथमिकी दर्ज है। प्राथमिकी तीन दिसंबर 2024 को पालम गांव थाने में हर्षिता के परिजनों की शिकायत पर दर्ज की गई थी। हर्षिता ब्रेला का शव 14 नवंबर 2024 को लंदन के ईस्ट इल्फोर्ड इलाके में उनके पति की कार की डिक्की से मिला था। परिजनों का आरोप है कि यह एक सुनियोजित हत्या थी और लांबा हत्या के अगले ही दिन भारत भाग आया। इस मामले में लांबा के माता-पिता दर्शन सिंह और सुनील देवी को 19 मार्च 2025 को गिरफ्तार किया जा चुका है। हाईकोर्ट ने कहा कि यदि पंकज लांबा को इस बीच गिरफ्तार किया जाता है तो वे अपने कानूनी अधिकारों का प्रयोग कर सकते हैं।

वजीरपुर डिपो फ्लाईओवर पर अनियंत्रित हुई तेज रफ्तार बाइक, छिटककर नीचे गिरे दो युवक

बाहरी दिल्ली। वजीरपुर डिपो फ्लाईओवर पर शनिवार दोपहर तेज रफ्तार मोटरसाइकिल अनियंत्रित हो गई और बाइक पर सवार दोनों युवक छिटक कर फ्लाईओवर से नीचे जा गिरे। डिपो कर्मचारियों ने घायलों को संभाला और दोनों को उपचार के लिए अस्पताल भिजवाया। दोनों की हालत खतरे से बाहर बताई जा रही है। पुलिस का कहना है कि युवक फ्लाईओवर से ज्यादा ऊंचाई से नहीं गिरे, अन्यथा बड़ा हादसा हो सकता था। बताया जाता है कि हादसे के बाद मोटरसाइकिल फ्लाईओवर पर गिर गई और दोनों युवक नीचे गिर गए। यह हादसा शनिवार दोपहर करीब दो बजे का बताया जा रहा है। वजीरपुर फ्लाईओवर के पास स्थित बस डिपो में उस समय अफरा-तफरी मच गई, जब दो युवक फ्लाईओवर से नीचे गिर गए। डिपो कर्मचारियों ने एंबुलेंस बुलाकर अस्पताल भिजवाया डिपो कर्मचारियों ने घायलों को संभाला और एंबुलेंस बुलाकर अस्पताल भिजवाया। दोनों को अशोक विहार स्थित दीपचंद बंधु अस्पताल में भर्ती कराया गया। युवकों के फ्लाईओवर से गिरने के बाद बस डिपो परिसर का वीडियो इंटरनेट मीडिया पर वायरल हो रहा है, जिसमें दो युवक चोटिल नजर आ रहे हैं। हादसे की सूचना के बाद केशवपुरम थाना पुलिस मौके पर पहुंची और जानकारी जुटाई। हादसे के बाद दोनों युवकों को चोटें आई एक पुलिस अधिकारी ने बताया कि हादसे के बाद दोनों युवकों को चोटें आई हैं, लेकिन दोनों की हालत खतरे से बाहर बताई जा रही है। आरंभिक जांच में सामने आया है कि गति तेज थी, इस कारण मोटरसाइकिल बेकाबू होकर गिर गई और दो युवक फ्लाईओवर से नीचे गिर गए। अनुमान है कि युवक लगभग 10 फीट ऊंचाई से गिरे हैं।

प्लॉट दिलाने के नाम पर महिला से धोखाधड़ी, माता-पिता और भाई पर ही लगाया आरोप

अपने नाम करा लिया। विरोध करने पर उसके साथ गाली-गलौज कर जान से मारने की धमकी दी जा रही है। पुलिस ने चार नामजद आरोपितों के खिलाफ केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। संगम पार्क मकनपुर निवासी शशि ने बताया कि उनके पति व्यवसायी हैं। साल 2018 में उनकी मां संतोष देवी, पिता सोहनलाल और भाई जितेंद्र ने उन्हें बताया कि कविनगर निवासी मनोज कुमार माहेश्वरी की मकनपुर में मुख्य मार्ग पर तीन रास्तों पर प्लाट हैं। इसका सौदा 44 लाख रुपये में करा देंगे। तीनों ने शशि को उनके संगम विहार वाला मकान बेचकर संपत्ति खरीदने की सलाह दी। 12 लाख रुपये उसके मां-बाप और भाई ने रख लिया शशि ने पति धीरज कुमार से बातचीत की तो उन्होंने मकान बेचने से मना कर दिया और तीन प्लॉट में से एक प्लॉट नंबर- सात, खसरा संख्या-964 खरीदने के लिए कहा। शशि ने पुलिस को दी तहरीर में बताया है कि उन्होंने मनोज को 12 लाख रुपये देकर नोटराइज मुक्तारनामा अपने पति के हक में करा लिया, जिसे उसके मां-बाप और भाई ने रख लिया। बाद में दोनों संपत्ति को खरीदने का दबाव उन पर बनाया गया तो उन्होंने अपना संगम विहार वाला मकान 45 लाख रुपये में बेच दिया। आरोपितों ने उनके नाम रजिस्ट्री होने का भरोसा दिलाया आरोपितों ने बताया कि प्लॉट नंबर 1 और 8 के लिए 32 लाख रुपये देने होंगे। उन्होंने दो लाख रुपये नकद और 30 लाख का चेक दे दिया। आरोपितों ने उनके नाम रजिस्ट्री होने का भरोसा दिलाया। मां-बाप और भाई की बातों में आकर उन्हें विश्वास हो गया। बाद में उन्होंने प्लाट पर चारदीवारी करा निर्माण करा लिया, 27 मार्च 2022 को दिल्ली निवासी आसाराम अपने साथियों के साथ आया और संपत्ति को अपनी बताकर तोड़फोड़ करने लगा।

दिल्ली-एनसीआर में मानसून की आहट, जानें कब देगा दस्तक; अगले दो दिनों तक गरज के साथ भारी बारिश की संभावना

नई दिल्ली। लगातार बदल रही मौसमी परिस्थितियों के बीच दो दिन के भीतर दिल्ली में मानसून की दस्तक हो जाने की प्रबल संभावना है। मौसम विभाग ने रविवार और सोमवार दोनों ही दिन के लिए मध्यम से भारी वर्षा का यलो अलर्ट जारी किया है। हालांकि तीन दिन से यलो अलर्ट का पूवार्नुमान सही साबित नहीं हो रहा। लेकिन अब अनुकूल मौसमी परिस्थितियों के मद्देनजर अगले दो दिन मानसून आगमन की दृष्टि से बेहतर बताए जा रहे हैं। इस बीच शनिवार दोपहर बाद शहर के कुछ हिस्सों में हल्की वर्षा हुई। दक्षिणी दिल्ली, दक्षिण पूर्वी दिल्ली और पश्चिमी दिल्ली के कुछ हिस्सों में खासतौर पर वर्षा दर्ज की गई। शाम साढ़े पांच से रात साढ़े आठ बजे के सफदरजंग व आयानगर में 1.2 मिमी जबकि रिज रोड और पालम में बूंदाबांदी दर्ज की गई। शनिवार को दिल्ली में अधिकतम तापमान सामान्य से 1.3 डिग्री कम 37.3 डिग्री सेज्सियस रहा। जबकि न्यूनतम तापमान 27.8 डिग्री सेल्सियस रहा, जोकि सामान्य से 0.2 डिग्री कम है। हवा में नमी का स्तर 84 से 56 प्रतिशत रिकार्ड किया गया। रविवार को सामान्यतया बादल छाए रहेंगे मौसम विभाग का पूवार्नुमान है कि रविवार को सामान्यतया बादल छाए रहेंगे। 30 से 50 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से झोंकेदार हवा चलने, गर्जन वाले बादल बनने, बिजली चमकने एवं मध्यम से भारी वर्षा होने की संभावना है। अधिकतम व न्यूनतम तापमान क्रमशः 35 और 28 डिग्री सेल्सियस रह सकता है। ऐसा ही मौसम सोमवार को भी बने रहने का अनुमान जताया गया है। दूसरी तरफ शनिवार को लगातार चौथे दिन दिल्ली की वायु गुणवत्ता संतोषजनक श्रेणी में दर्ज की गई। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) के अनुसार, शनिवार को दिल्ली एक्यूआई 85 रिकॉर्ड किया गया।

पहाड़गंज सेक्स रैकेट मामला: आरोपित अब्दुल मन्नान की नियमित जमानत याचिका खारिज

नई दिल्ली। तीस हजारी स्थित विशेष अदालत ने पहाड़गंज सेक्स रैकेट मामले में आरोपित अब्दुल मन्नान की नियमित जमानत याचिका खारिज कर दी। कोर्ट ने कहा कि आरोपित के खिलाफ प्रथम दृष्टया गंभीर अपराध हैं।विशेष न्यायाधीश वीरेंद्र सिंह ने कहा कि आरोपित को सेक्स वर्करों की कमाई से वेतन मिलता था, और वह सक्रिय रूप से इस अवैध धंधे में शामिल था। अदालत ने कहा कि भले ही पीड़िताएं बालिग थीं और उन्होंने अपनी मर्जी से यह कार्य किया हो, लेकिन इससे अपराध की प्रकृति कम नहीं होती। अदालत ने पुलिस उपायुक्त को आदेश दिया कि वो ये जांच करें कि इस मामले में सेक्स वर्करों को आरोपित क्यों नहीं बनाया गया है। पहाड़गंज के एक होटल से 16 लड़कियों को छुड़ाया गया था अदालत ने पुलिस उपायुक्त को जांच रिपोर्ट आठ जुलाई 2025 को अदालत में पेश करने का आदेश दिया। पुलिस के अनुसार छापेमारी के दौरान पहाड़गंज के एक होटल से 16 लड़कियों को छुड़ाया गया था। मौके से एक रजिस्टर भी बरामद हुआ जिसमें कई लड़कियों के नाम और उनके सामने अर्जित धनराशि दर्ज थी, जिससे स्पष्ट होता है कि अवैध गतिविधियों के माध्यम से कमाई हुई थी। मन्नान के मोबाइल फोन से वाट्सएप ग्रुप मिले पुलिस ने बताया कि अब्दुल मन्नान उन चार लोगों में शामिल था, जिन्हें मौके से गिरफ्तार किया गया था। पुलिस ने बताया कि मन्नान के मोबाइल फोन से वाट्सएप ग्रुप मिले हैं जिनमें वेश्यावृत्ति से संबंधित बातचीत दर्ज है। अभियोजन पक्ष ने यह भी बताया कि आरोपित को उसके सह-आरोपित नाजिम से वेतन मिलता था, जो इस नेटवर्क का एक प्रमुख संचालक था।

चांदनी चौक की टूटी गली बनी परेशानी का सबब, शिकायतों के बाद भी नहीं हुई मरम्मत

नई दिल्ली। चांदनी चौक स्थित नई सड़क के चौक रायजी इलाके में रहने वाले लोग विकास की बाट जोह रहे हैं। इलाके की एक गली पिछले चार महीने से टूटी हुई है, जिससे स्थानीय लोगों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। विधानसभा चुनावों से पहले इस गली को मरम्मत के नाम पर खोदा गया था, लेकिन इसके बाद से इसे दुबारा बनाने की दिशा में कोई कदम नहीं उठाया गया। इस समस्या को लेकर विधायक पूरनदीप साहनी को काल और व्हाट्सएप संदेश भेजे गए, लेकिन उनकी ओर से कोई जवाब नहीं मिला। इलाके के लोगो का कहना है कि विधायक और निगम पार्षद ने गली के विकास के लिए तमाम वादे किए थे। लेकिन जमीनी हकीकत कुछ और ही है। स्थानीय निवासियों का मानना है कि जो भी इस इलाके से जीत कर जाता है वापसी इस इलाके में नहीं आता है और न ही यहां के विकास की बातें करता है। इलाके में गंदगी का माहौल बना रहता है। पानी कभी आता है और कभी नहीं। ऐसे में इनका जीवन भी प्रभावित रहता है। गली को टूटे हुए चार महीने से ज्यादा हो गए हैं, लेकिन अभी तक इसे बनाने के लिए कोई नहीं आया। कई बार शिकायत कर चुके हैं, फिर भी कोई सुनवाई नहीं हो रही। यहां पानी की समस्यां भी बनी रहती है। यहां सही से दो वक्त का पानी भी नहीं आता है। - वेद प्रकाश बरसात शुरू हो गई है, जिससे गली में पानी भरना शुरू हो गया है। गली में जलभराव के कारण मच्छरों का प्रकोप बढ़ गया है। इससे डेंगू, मलेरिया जैसी गंभीर बीमारियों का खतरा मंडरा रहा है और इलाके में गंदगी भी बनी रहती है। - ज्ञानचंद टूटी सड़क से बुजुर्गों और स्कूली बच्चों को निकलने में काफी दिक्कत होती है। बच्चे कई बार फिसलकर गिर जाते हैं और उन्हें चोट भी लगती है। बच्चे काई बार इस हालात में स्कूल जाने से भी मना कर देते है जिससे उनकी पढ़ाई भी प्रभावित हो रही है। - दिनेशगली की हालत इतनी खराब हो गई है कि अब यहां सब्जी विक्रेता और रेहड़ी वाले भी आने से कतराने लगे हैं। खेलकूद से वंचित बच्चों को भी इससे परेशानी हो रही है। नगर निगम और प्रशासन से जल्द समाधान की मांग की है ताकि उन्हें राहत मिल सके। - नरेंद्र शर्मा

महिला पायलट यौन शोषण मामले में कैब ड्रायवर समेत 3 पर मामला दर्ज

मुंबई (एजेंसी)। मुंबई पुलिस ने कैब ड्राइवर समेत तीन पर एक महिला पायलट के यौन शोषण का मामला दर्ज कराया है। घटना 19 जून की रात की है, जब महिला पायलट साउथ मुंबई से अपने घर घाटकोपर जा रही थी। पुलिस ने शनिवार को इसकी जानकारी दी। महिला पायलट ने बताया कि उसका पति नौसेना में अधिकारी है, लेकिन उन्हें अब तक सरकारी आवास नहीं मिला है। इस वजह से पति नौसेना के आवासीय परिसर में रहते हैं, जबकि वह घाटकोपर में रहती है। पुलिस के मुताबिक महिला का आरोप है कि कैब ड्राइवर ने 25 मिनट बाद रूट बदल दिया और दो अन्य पुरुषों को कैब में बैठा लिया। उनमें से एक पीछे की सीट पर महिला के पास बैठा था। उसने महिला को गलत ढंग से छुआ। जब महिला ने इसका विरोध किया तो उस शख्स ने महिला को धमकाया। इस दौरान कैब ड्राइवर ने कुछ नहीं कहा। आगे कुछ दूरी पर पुलिस की चेकिंग चल रही थी। यह देखकर दोनों पुरुष कैब से उतरकर भाग गए। घर पहुंचने पर महिला ने ड्राइवर से उन पुरुषों को कैब में बैठाने की वजह पूछी तो ड्राइवर ने कोई जवाब नहीं दिया। अगले दिन सुबह जब महिला ने अपने पति को पूरी घटना बताई, तब दंपती ने घाटकोपर थाने में मामला दर्ज कराया। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

सीट पर बैठने को लेकर ट्रेन में विवाद, लोगों ने युवक को पीट-पीट कर मार डाला

बागपत (एजेंसी)। यूपी के बागपत में ट्रेन में सीट के विवाद में एक युवक की पीट-पीटकर हत्या कर दी। युवक सहारनपुर-दिल्ली ट्रेन से बागपत आ रहा था। फखरपुर स्टेशन के पास सीट पर बैठने को लेकर उसका विवाद हो गया। 15 से 20 लोगों ने लात-घूंसों और बेल्ट से उसकी जमकर पिटाई कर दी। बागपत से 10 किमी पहले खेकड़ा स्टेशन पर ट्रेन रुकी तो आरोपी उतरकर भाग गए। ट्रेन में सवार युवक के एक साथी ने जीआरपी और परिवार को सूचना दी। घायल युवक को ट्रेन से उतारकर अस्पताल ले गए, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने बताया कि दीपक दिल्ली में नौकरी करता था और हर शुक्रवार दिल्ली से बागपत अपने घर आता था। घटना शुक्रवार की है, लेकिन इसका वीडियो शनिवार को सामने आया है। बता दें दो दिन पहले झांसी में भी वंदे भारत एक्सप्रेस में भी सीट एक्सचेंज को लेकर एक यात्री के साथ मारपीट हुई थी।

मानसरोवर की झील में स्नान पर प्रतिबंध है

देहरादून (एजेंसी)। चीन ने 5 साल बाद मानसरोवर यात्रा के लिए रास्ता खोल दिया है। चीन ने मानसरोवर यात्रियों के लिये इस बार कड़ी गाइडलाइन तैयार की है। मानसरोवर जाने वाले सभी श्रद्धालुओं को चीन ने चेतावनी है। यात्री पवित्र झील में स्नान नहीं करेंगे। पवित्र झील का जल बोतल में भरकर ला सकते हैं। चीन के सुरक्षाकर्मी भारतीय श्रद्धालुओं के सभी इलेक्ट्रॉनिक डिवाइस को लगातार चेक कर रहे हैं। श्रद्धालुओं के ऊपर चीन द्वारा कड़ी निगाहें रखी जा रही है। मानसरोवर के लिए पहला जत्था नाथुला दर्रे से रवाना हो चुका है। उत्तराखंड के लिपूलेख दर्रे से जाने वाला पहला जत्था 30 जून को दिल्ली से रवाना होगा। 4 जुलाई को टनकपुर पहुंचेगा। यहां से चीन के ताकलाकोट के लिए रवाना होगा। यह जत्था एक रात के लिए नाभीटांग में रुकेगा। इसके बाद चीन के अधिकारी यात्रियों की निगरानी और देखरेख करेंगे। यहां से करीब तीन किलोमीटर की यात्रा पैदल होती है।

हुगली में बीजेपी नेता का शव घर में लटका मिला, पुलिस जांच में जुटी

हुगली (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल में हुगली जिले के गोघाट क्षेत्र में शनिवार को बीजेपी के अल्पसंख्यक प्रकोष्ठ के अध्यक्ष शेख बकीबुल्ला का शव उनके आवास की दूसरी मंजिल की बालकनी में लटका मिला। इस संबंध में पुलिस ने बताया सूचना पर जब पुलिस टीम मृतक के शव को कब्जे में लेने उनके घर पहुंची तो स्थानीय लोगों ने प्रदर्शन किया। बकीबुल्ला की पत्नी ने कहा कि रात का खाना खाने के बाद वह अपना फोन देख रहे थे और उन्होंने कहा था कि वह बाद में सो जाएंगे। मुझे नहीं पता कि वह कब बालकनी में चले गए। गोघाट के एक बीजेपी नेता ने कहा कि बकीबुल्ला क्षेत्र में पार्टी की गतिविधियों में सक्रिय रूप से भाग लेते थे। उन्होंने कहा कि हम यह तय करेंगे कि उन्हें न्याय मिले। जिले के टीएमसी नेताओं ने मांग की है कि घटना के पीछे का 'सच' सामने आना चाहिए। फिलहाल पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरु कर दी है।

जांच की आड़ में कुख्यात अपराधियों के घर में नहीं घुस सकती पुलिस : हाईकोर्ट

तिरुवननंतपुरम (एजेंसी)। केरल हाईकोर्ट ने कहा है कि पुलिस को जांच की आड़ में संदिग्ध व्यक्तियों और कुख्यात अपराधियों के दरवाजे खटखटाने या रात में उनके घरों में घुसने का कोई अधिकार नहीं है। न्यायमूर्ति वी जी अरुण ने यह फैसला एक व्यक्ति की याचिका पर सुनाया। जिस याचिका में आरोप लगाया गया है कि उस व्यक्ति ने पुलिस अधिकारियों को तब अपने कर्तव्यों का निर्वहन करने से रोका, जब पुलिस ने उसे कुख्यात अपराधियों से जुड़ी जांच के दौरान देर रात घर से बाहर आने को कहा था। याचिका स्वीकार करते हुए कोर्ट ने उस व्यक्ति के खिलाफ दर्ज प्राथमिकी और उससे संबंधित सभी कार्यवाही को रद्द कर दिया और कहा कि जांच की आड़ में पुलिस कुख्यात अपराधियों के दरवाजे नहीं खटखटा सकती या उनके घरों में जबरन नहीं घुस सकती है। कोर्ट ने कहा कि पुलिस अधिकारियों को यह समझना चाहिए कि घर की अवधारणा आवास के रूप में अपनी भौतिक अभिव्यक्ति से परे है और भावनात्मक एवं सामाजिक आयामों के एक समृद्ध ताने-बाने को समेटे हुए है। कोर्ट ने कहा कि दूसरे शब्दों कहे कि हर आदमी का घर उसका महल या मंदिर होता है। किसी व्यक्ति के जीवन के अधिकार में गरिमा के साथ जीने का अधिकार शामिल है और गरिमा से समझौता नहीं किया जा सकता।

मोरारी बापू से मिले बाबा रामदेव और बोले- बापू महापुरुष, उनकी आलोचना उचित नहीं

-रामकथा के अंतिम दिन भी बापू ने मांगी क्षमा

वाराणसी (एजेंसी)। प्रसिद्ध कथा वाचक मोरारी बापू की नौ दिवसीय रामकथा का रविवार को काशी में समापन हो गया। कथा के अंतिम दिन बापू ने यह कहते हुए एक बार फिर सभी महापुरुषों से क्षमा मांगी कि उन्हें लग रहा है मानो कथा अभी अधूरी है। बापू इसी के साथ वचन दिया कि अगली बार वे काशी कबीर मानस लेकर आएंगे। इस अवसर पर योगगुरु बाबा रामदेव विशेष रूप से बापू से मिलने पहुंचे थे। बाबा रामदेव ने यहां कहा कि बापू की आलोचना न तो उचित है और न ही आवश्यक। बापू तो राष्ट्र और संस्कृति की धरोहर हैं। वे बचपन से रामकथा कहते आ रहे हैं। उनके जीवन का उद्देश्य केवल राम की महिमा का गुणगान है। इसी के साथ रामदेव ने बापू को महापुरुष की संज्ञा भी दी।

इस अवसर पर मोरारी बापू ने कहा, योग जरूरी है, लेकिन परमात्मा और परस्पर प्रेम उससे भी अधिक जरूरी है। अगर प्रेम नहीं है, तो योग, ज्ञान, कुछ भी महत्वपूर्ण नहीं रह जाता। उन्होंने सिंदूर की आध्यात्मिक व्याख्या करते हुए कहा, शिव-पार्वती का सिंदूरदान आधि-दैविक है, जबकि राम द्वारा जानकी की मांग भरना आध्यात्मिक है। अगर कोई बुद्ध

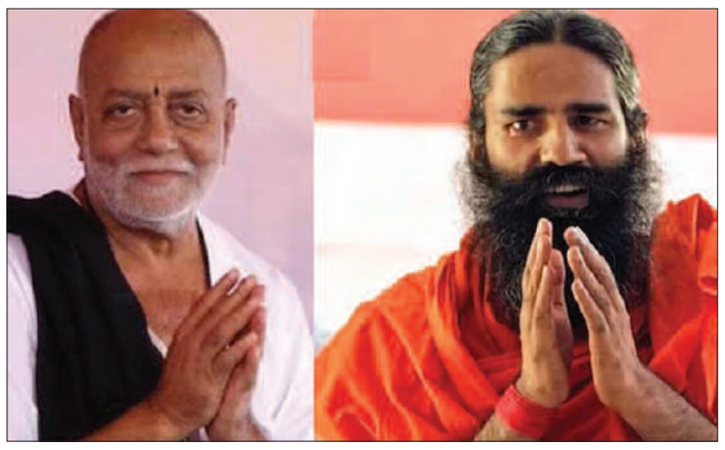

पुरुष हमें अपनाता है, तो वही हमारे जीवन का सिंदूर है। बापू ने इस बात पर भी बल दिया कि हिंदू सनातन धर्म सर्वश्रेष्ठ है, क्योंकि यह सभी को स्वीकार करता है, सभी का सम्मान करता है।

बापू के आगे बेटा क्या बोलेगा : रामदेव

बाबा रामदेव इस अवसर पर भावुक हो गए और कहा, कि हमें नहीं पता था कि काशी आना है, लेकिन बापू और शिव की कृपा से आ गए। हम सोच रहे थे कि क्या कहें? पर बाप के सामने बेटा क्या बोलेगा। उन्होंने मंच से कहा कि बापू के दो पुत्र हैं - एक पार्थिक और दूसरा पारमार्थिक, और हम सभी उनकी आत्मिक संतान हैं। बाबा रामदेव ने आगे कहा कि बापू की आलोचना अगर विधर्मी करते तो समझ आता, लेकिन सनातनी खुद क्यों तनातनी में लगे हैं? यह सनातन धर्म की संस्कृति नहीं है।

बाबा रामदेव ने मंच से स्पष्ट किया कि बापू और मैं किसी भी राजनीति से नहीं जुड़े हैं। न हमें किसी नेता ने बुलाया है, न हम किसी राजनीतिक उद्देश्य से यहां हैं। उन्होंने कहा कि बापू के पास इतनी शक्ति है कि वह राजनेता बना सकते हैं, लेकिन कोई राजनेता उन्हें नहीं बना सकता।

पहले कुछ ही मुसलमान आते थे अब संख्या बढ़ गई

बाबा रामदेव ने कहा कि कथा स्थल पर पहले कुछ ही मुसलमान आते थे, लेकिन अब उनकी संख्या बढ़ गई है, जो सनातन धर्म की व्यापकता और समावेशी स्वरूप को दर्शाता है। काशी की यह कथा केवल राम की महिमा तक सीमित नहीं रही, बल्कि यह प्रेम, स्वीकार्यता और सनातन संस्कृति का ऐसा मंच बन गई, जहां से बापू और बाबा रामदेव ने समाज को विचार और आत्मचिंतन का संदेश दिया। मोरारी बापू का यह कथन कि मैं नित्य प्रसन्न हूं, क्योंकि मेरे बुद्ध पुरुष ने मेरी मांग भरी है, आध्यात्मिक प्रेम की गहराई को दर्शाता है, जो सनातन संस्कृति का मूल है।

आरएसएस के प्रांत प्रचारकों की बैठक 4 जुलाई से

- बैठक में भाजपा अपने नए राष्ट्रीय अध्यक्ष की कर सकती है घोषणा

नागपुर। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के सभी प्रमुख अधिकारी अपनी क्षेत्रीय इकाइयों के पदाधिकारियों के साथ वार्षिक प्रांत प्रचारक बैठक के लिए जुलाई के पहले सप्ताह में राष्ट्रीय राजधानी में होंगे। बैठक में 11 क्षेत्रीय प्रमुख, 46 प्रचारक और विभिन्न प्रांतों से वरिष्ठ आरएसएस स्वयंसेवक भाग लेंगे। इसमें मई और जून में आयोजित प्रशिक्षण सत्रों का भी मूल्यांकन किया जाएगा और अगले वर्ष के कार्यक्रमों की रूपरेखा को अंतिम रूप दिया जाएगा। इसका लक्ष्य आंतरिक समन्वय को तेज करना और आगामी संगठनात्मक मील के पत्थर और सामाजिक-राष्ट्रीय पहलों के लिए रणनीति को बढ़ाना है। 4 जुलाई से शुरू होने वाली तीन दिवसीय बैठक की अध्यक्षता आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत और महासचिव दत्तात्रेय होसबोले करेंगे। परंपरागत रूप से प्रांत प्रचारक बैठक वह जगह होती है जहां संघ पूर्णकालिक प्रचारकों की भूमिकाओं की समीक्षा करता है, और कभी-कभी उन्हें भाजपा में प्रतिनियुक्त करता हैफ। हालांकि ऐसा काम किए हुए कुछ समय हो गया है। बैठक का समय महत्वपूर्ण है, क्योंकि यह ऐसे समय में हो रही है जब भाजपा द्वारा अपने नए राष्ट्रीय अध्यक्ष की घोषणा किए जाने की उम्मीद है। यह उच्च स्तरीय बैठक संगठनात्मक गतिविधियों की समीक्षा, आंतरिक समन्वय को मजबूत करने और भविष्य की पहल की योजना बनाने पर केंद्रित होगी। एक प्रमुख एजेंडा संघ के शताब्दी समारोह की तैयारी होगी, जिसमें देश भर में बड़े पैमाने पर भागीदारी की योजना बनाई गई है।

रोटरी क्लब हिसार ने हर्षोल्लास से मनाया राष्ट्रीय योग दिवस

हिसार रोटरी क्लब हिसार ने राष्ट्रीय योग दिवस के उपलक्ष्य में स्थानीय दिल्ली रोड स्थित सनसिटी माल के प्रांगण में योग दिवस बड़े हर्षोल्लास के साथ मनाया। योग शिविर प्रारंभ से पूर्व रोटरी क्लब के प्रधान मोहित गुप्ता व अन्य साथियों ने दीप प्रज्वलित किया। योग शिविर में योगा नेचुरोपैथी एक्सपर्ट एवं शाश्वत नेचर क्योर एवं हैल्थ सेंटर की निदेशक डॉ रिम्पल मित्तल और योगाचार्य डॉ राजेश शर्मा ने योग की महिमा का विस्तार से वर्णन करते हुए कहा कि अगर हम अपनी दिनचर्या में योग को धारण कर लें तो कोई भी असाध्य रोग हमें छू नहीं सकता। मौजूदा समय में अगर हम नियमित रूप से योग करें तो हर बीमारी को भगा सकते हैं। हर आयु के साधक को अवश्य योग करना चाहिए। योगाचार्य डॉ राजेश शर्मा ने साधकों को म्यूजिकल डांस करवाते हुए कहा कि हमें कैसा भी डांस आता हो, हमें नित्य घर पर जरूर करना चाहिए जिससे हमारे शरीर की नसों में नया संचार होता है। इसके अलावा हमें सात्विक तथा पौष्टिक आहार ही लेना चाहिए। उन्होंने कहा कि आज भागदौड़ भरी जिंदगी में अनेक रोग जैसे अनिद्रा, उच्च रक्तचाप, एसिडिटी, सिरदर्द, कमर दर्द आदि से अनेक लोग परेशान हैं। योगाचार्य ने योगाभ्यास से ऐसे रोगों का निदान बताया। इस दौरान रोटरी क्लब के सदस्यों ने मॉर्निंग वॉक क्लब सदस्यों व उड़ान एकडेमी के ने बच्चों योग में हिस्सा लिया। इस मौके पर मंच का संचालन बहुत सुंदर ढंग से रो.अनिता भण्डारी ने किया इस प्रोजेक्ट के चेयरमैन योगेश मित्तल रहे। इस के अलावा रोटरी क्लब के सदस्यों ने योग शिविर में आए सभी साधकों के लिए पौष्टिक आहार का आयोजन किया व सभी साधको को सम्मान स्वरूप एक एक पौधा भेंट किया था। इस अवसर पर रोटरी सदस्यों ने योग शिक्षकों को व बच्चों स्मृति चिन्ह भेंट किया ।

मेघालय 'हनीमून मर्डर' मामला: पुलिस ने प्रॉपर्टी ब्रोकर को किया गिरफ्तार, काले बैग के बारे में करेगी पूछताछ

-राजा की हत्या के बाद विशाल को ब्रोकर जेम्स ने फ्लैट किराए पर दिया था

शिलांग (एजेंसी)। इंदौर के राजा रघुवंशी हत्याकांड में अब एक और गिरफ्तारी हुई है। शिलॉन्ग पुलिस ने शनिवार रात प्रॉपर्टी ब्रोकर सिलोम जेम्स को गिरफ्तार किया है। ये ब्रोकर वही है, जिसने राजा हत्याकांड के आरोपी विशाल को इंदौर के देवास नाका का फ्लैट किराए पर दिया था। सरेंडर से पहले इसी फ्लैट में सोनम ने फरारी काटी थी। सिलोम जेम्स को शिलॉन्ग पुलिस ने सबूत छिपाने, नष्ट करने के मामले में सहआरोपी बनाया है।

प्रॉपर्टी ब्रोकर ने फ्लैट के गार्ड के साथ मिलकर उस बैग को गायब किया था, जिसमें पिस्टल और पांच लाख रुपए के साथ राजा के जेवर होने की बात कही थी। उधर, सोनम और राज को 13 दिनों की न्यायायिक हिरासत में भेजा गया है। शिलॉन्ग पुलिस ने सोनम के परिवार, ऑफिस, गोदाम के कर्मचारियों और राजा के परिजन के बयान दर्ज किए हैं।

शिलॉन्ग पुलिस उस काले रंग के बैग की तलाश में इंदौर आई थी, जिसके बारे में सोनम ने बताया था।

सोनम ने पुलिस से कहा था कि राज कुशवाहा ने राजा को ठिकाने लगाने के लिए एक पिस्टल खरीदी थी। पहले पिस्टल से ही राजा को मारने का प्लान था। बाद में धारदार हथियार से मारा। पिस्टल और पांच लाख रुपए काले बैग में कपड़ों के बीच छिपाकर रखे थे। ये बैग सोनम के प्रेमी राज कुशवाह ने विशाल के जरिए ऑटो रिक्शा बुक करके सोनम के पास देवास नाका के फ्लैट में भेजा था। 8 जून को इंदौर से निकलते समय सोनम बैग फ्लैट में छोड़कर आई थी। फ्लैट की चाबी गार्ड को सौंपकर दी थी। सोनम के जाने के बाद 10 जून को सिलोम जेम्स अपनी कार से फ्लैट में पहुंचा और बैग उठाकर ले गया।

शनिवार को शिलांग पुलिस ने ड्राइवर से पूछताछ के बाद सिलोम को दबोच लिया जो दिल्ली भागने की फिराक में था। उसे कोर्ट में पेश कर रिमांड पर लिया जाएगा। शिलॉन्ग पुलिस उसे साथ में ले जा सकती है। वहीं, पुलिस को अब काले बैग की तलाश है, जिसके बारे में सिलोम जेम्स जानता है। गार्ड को भी शिलॉन्ग पुलिस तलाश रही है। वह भी शक के दायरे में है। इस मामले में इंदौर पुलिस ने बताया कि सिलोम जेम्स को शिलॉन्ग पुलिस ने सबूतों के आधार पर गिरफ्तार किया है।

एडिशनल डीसीपी ने बताया कि शिलॉन्ग से आई एसआईटी सिलोम जेम्स की गिरफ्तारी के बाद उससे पूछताछ कर रही है। पूछे जाने पर कि क्या शिलॉन्ग पुलिस जेम्स के अपने साथ लेकर मेघालय जाएगी? उन्होंने कहा कि अभी इस मामले में कोई आधिकारिक जानकारी नहीं है, अगर ऐसा होता है तो पहले उन्हें ट्रांजिट रिमांड लेनी पड़ेगी, उसके बाद लेकर जा सकते हैं।

अमित शाह से हलफनामा लिखवाना चाहिए कि... नीतीश कुमार को लेकर ऐसा क्यों बोले तेजस्वी यादव

पटना (एजेंसी)। बिहार विधानसभा चुनाव से कुछ महीने पहले राज्य में राजनीतिक सरगर्मियां तेज हो गई हैं। महागठबंधन के मुख्यमंत्री पद के चेहरे को लेकर चल रही अटकलों के बीच राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के नेता तेजस्वी यादव ने कहा कि यह तय हो चुका है और गठबंधन की रणनीति के अनुसार इसका खुलासा किया जाएगा। एएनआई के साथ एक साक्षात्कार में, जब सीएम के चेहरे के बारे में पूछा गया, तो यादव ने कहा कि सब कुछ तय हो चुका है। हम अपनी रणनीति के अनुसार इसका खुलासा करेंगे।

तेजस्वी यादव ने कहा कि मुझे लगता है कि भाजपा कहेगी कि चुनाव के बाद नीतीश कुमार को मुख्यमंत्री बनाया जाएगा। उन्हें अमित शाह से हलफनामा लिखवाना चाहिए कि पांच साल तक नीतीश कुमार ही मुख्यमंत्री रहेंगे। भाजपा जिस भी पार्टी के साथ गठबंधन करती है, उसे खत्म कर देती है। पूरे देश में किसी भी क्षेत्रीय पार्टी को देख लीजिए... देखिए भाजपा ने चिराग पासवान की पार्टी के साथ क्या किया। भाजपा पर वार करते हुए उन्होंने कहा कि 'भक्तों' को नहीं पता कि इरज एक संस्कृत शब्द है। इसका मतलब है 'पवनपुत्र', जो हनुमान का नाम है। भाजपा के लोगों को सनातन के बारे में कुछ नहीं पता। उन्हें संविधान या धर्म के बारे में कुछ नहीं पता।

अपने दूसरे बच्चे के नाम को लेकर उठे विवाद पर आरजेडी नेता तेजस्वी यादव जवाब दे रहे थे। जन सुराज पार्टी के संस्थापक प्रशांत किशोर के 'तेजस्वी यादव से पूछो कि वह 10वीं की परीक्षा कब पास करेंगे' वाले तंज पर आरजेडी नेता तेजस्वी यादव ने कहा, 'इससे मुझे कोई दुख नहीं होता। एक डिग्री आपको हर गुण नहीं दे सकती। व्यावहारिक जीवन का अनुभव भी उपयोगी होता है। मैं एक खिलाड़ी था... लेकिन अगर डिग्री की बात करें तो हमारे देश के लोगों को पता ही नहीं है कि पीएम नरेंद्र मोदी के पास कौन सी डिग्री है।'

यादव कहते हैं, 'अगर चिराग पासवान मुख्यमंत्री बनना चाहते हैं तो उन्हें खुलकर कहना चाहिए. उन्हें ये सब ड्रामा करने की क्या ज़रूरत है कि 'बिहार बुला रहा है।' क्या बिहार ने उन्हें इतने सालों तक भगाया? कुछ तो तर्क होना चाहिए। वो बिहार से जीते हैं। वो बिहारी हैं। अब वो कह रहे हैं 'बिहार बुला रहा है.'... मैं हमेशा कहता हूं कि मुझे सरकार भी नहीं बनानी है, मैं बिहार का विकास करना चाहता हूं. मुझे एक मौका दीजिए ऐसा करने का।'

योगी सरकार के स्कूल मर्जर योजना का सपा पुरजोर विरोध करेगी: अखिलेश यादव

– अखिलेश ने सरकार पर किया वार... फिर खोला चुनावी पिटारा

लखनऊ (एजेंसी)। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष और पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव हाल ही में अपने संसदीय क्षेत्र कन्नौज पहुंचे। यहां पर मीडिया से बातचीत के दौरान उन्होंने योगी आदित्यनाथ सरकार पर कड़ी आलोचना की और कई मुद्दों पर अपनी विचार रखे।

अखिलेश ने कहा कि योगी सरकार के स्कूल मर्जर योजना का सपा पुरजोर विरोध करेगी। अगर स्कूलों को मर्ज कर दूर-दूर किया गया तो बेटियों को पढ़ाई में बहुत दिक्कत होगी। कानून व्यवस्था ध्वस्त हो चुकी है और हर जिले से भ्रष्टाचार की शिकायतें आ रही हैं। इसलिए सरकारी कर्मचारी ट्रांसफर-पोस्टिंग के जरिए अपना निजी फायदा करने में लगे हुए हैं। अगर उनकी पार्टी 2027 में सरकार बनती है तो वे ई-रिक्शा और तांगा फ्री करने का वादा करेंगे। मुख्यमंत्री के हवाई सर्वेक्षण पर भी उन्होंने सवाल उठाए। मीडिया इस पर सवाल नहीं कर सका इसलिए सरकार ने हवाई दौरा किया। उन्होंने कहा कि कोई भाजपाई गाय का दूध नहीं पीता। इन्हें

गोबर से प्यार है, गोबर गिफ्ट में दें तो बहुत अच्छा लगेगा। योगा को लेकर भी उन्होंने तंज कसते हुए कहा कि ये लोग केवल दिखावे के लिए योगा कर रहे हैं। अखिलेश ने कहा कि जो भाजपा वाले सिंदूर यात्रा निकाल रहे थे, वे झांसा दे रहे थे। उन्होंने कहा कि देश के मामलों में हम सब एक हैं और फौज के साथ हैं। उन्होंने बताया कि 'सिंदूर' शब्द का मतलब है 'पाप' और 'दूर'। उनका कहना था कि भाजपा की ये यात्रा अपनी कमियां छिपाने की कोशिश थी। बताया जा रहा है कि कार्यक्रम के दौरान अखिलेश यादव मकरन्द नगर स्थित पूर्व चेयरमैन सुनील कुमार गुप्ता के शोरूम भी गए और वहां के कारोबारियों से मुलाकात की। उन्होंने कहा कि अगर उनकी सरकार बनी तो वे कारोबारियों की मदद करेंगे।

समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचने के लिए रेडियो सशक्त माध्यम: फडणवीस

मुंबई (एजेंसी)। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेन्द्र फडणवीस ने शनिवार को कहा कि रेडियो दशकों से अस्तित्व में है और वर्तमान समय में भी उतना ही प्रभावशाली है। उन्होंने इसे एक प्रभावशाली माध्यम बताया जो समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंच सकता है। वह महाराष्ट्र रेडियो महोत्सव और आशा रेडियो पुरस्कार समारोह में बोल रहे थे, जहां प्रसिद्ध गायिका आशा भोसले भी मौजूद थीं।

फडणवीस ने छह रेडियो जॉकी से भी बातचीत की। फडणवीस ने रेडियो से अपने जुड़ाव, संगीत के प्रति अपने प्रेम और गीत लिखने के अपने शौक को याद किया। विश्व संगीत दिवस के उपलक्ष्य में आयोजित इस कार्यक्रम में उन्होंने एक कविता भी सुनाई और एक गीत भी गुनगुनाया।

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने रेडियो के गहन प्रभाव को पहचाना और प्रत्येक नागरिक से सीधे जुड़ने के साधन के रूप में 'मन की बात' की शुरुआत की। कार्यक्रम में आशा भोसले ने कहा, ''अगर रेडियो नहीं होता, तो मैं आज इस मुकाम पर नहीं होती।''

रेडियो की प्रासंगिकता पर जोर देते हुए फडणवीस ने कहा कि यह दशकों से अस्तित्व में है, लेकिन आज भी यह उतना ही प्रभावशाली है। उन्होंने कहा, ''हमारी सुबह हमेशा रेडियो से शुरू होती थी। हम कभी भी विविध भारती के गाने नहीं भूलते - यहीं से रेडियो से मेरा असली जुड़ाव शुरू हुआ।''

उन्होंने कहा, ''मेरा लंबे समय से मानना रहा है कि हमें रेडियो उद्योग में काम करने वालों के योगदान को सार्थक रूप से स्वीकार करना चाहिए। इन पुरस्कारों की स्थापना उस दिशा में एक सार्थक कदम है। भले ही हम रेडियो पर बोलने वाले व्यक्ति को नहीं देख सकते, लेकिन उनके शब्द जीवंत छवि बनाते हैं। रेडियो में ध्वनि के माध्यम से चित्र बनाने की शक्ति है।''

कार्यक्रम में उपस्थित महाराष्ट्र के संस्कृति मंत्री आशीष शेलार ने कहा कि राज्य सरकार ने इस क्षेत्र में उत्कृष्टता को सम्मानित करने के लिए इन पुरस्कारों की शुरुआत की है।

उन्होंने बताया कि भारत का पहला रेडियो प्रसारण 1923 में 'रेडियो बॉम्बे' के रूप में शुरू हुआ था। उन्होंने कहा कि महाराष्ट्र देश का पहला राज्य है जो इस तरह के सम्मान के माध्यम से रेडियो उद्योग में योगदान को औपचारिक रूप से मान्यता और सम्मान दे रहा है। इस कार्यक्रम में 12 श्रेणियों में पुरस्कार प्रदान किए गए।

अब बीसीसीआई की अनुमति के बाद ही जीत का जश्न मना सकेंगे राज्य क्रिकेट बोर्ड

मुम्बई (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने कर्नाटक में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) की जीत के बाद जश्न के दौरान मची भगदड़ से सबक लेते हुए अब सख्त दिशानिर्देश जारी किये हैं। पिछले माह आरसीबी के इस जश्न के दौरान बेंगलुरु के चिदंबरम स्टेडियम में 11 लोगों की मौत हो गयी थी। बीसीसीआई का कहना है कि भविष्य में ऐसी घटना दोबारा नहीं हो इसके लिए अब सभी राज्यों के क्रिकेट बोर्डों को नियमों का पालन करना पड़ेगा। इसके तहत जीत के बाद कोई भी इवेंट या रोड शो के लिए बीसीसीआई से अनुमति लेनी होगी।

बीसीसीआई सचिव देवजीत सैकिया ने पुष्टि की कि बोर्ड बेंगलुरु भगदड़ मामले को पूरी गंभीरता से ले रहा है और भविष्य में किसी भी हादस से बचने के लिए हर बात पर गंभीरता से विचार किया है। सैकिया के अनुसार आईपीएल के बाद जश्न मनाने के लिए सभी टीमों को उसके नियमों का पालना करना होगा। इसके तहत

कोई भी टीम ट्रॉफी जीतने के 3 से 4 दिन तक समारोह आयोजित नहीं कर सकेगी। जल्दबाजी में किसी जश्न का आयोजन नहीं होगा और खराब प्रबंधन से वह बच नहीं सकेगी। किसी भी इवेंट के आयोजन से पहले टीमों को बीसीसीआई से औपचारिक अनुमति लेनी होगी। बोर्ड की मंजूरी के बाद ही कोई इवेंट आयोजित किया जाएगा। किसी भी इवेंट में 4 से 5 स्तर की सुरक्षा होगी। इर स्तर पर एक स्थल यात्रा के दौरान बीच में होना चाहिये।

एयरपोर्ट से इवेंट स्थल तक सुरक्षा की व्यवस्था होनी चाहिए जिससे किसी प्रकार की अव्यस्था नहीं होनी चाहिये। खिलाड़ियों और सहयोगी स्टाफ के लिए पूरे इवेंट के दौरान सुरक्षा व्यवस्था होनी चाहिये। जिला पुलिस, राज्य सरकार और स्थानीय प्रशासन से इवेंट के लिए अनुमति जरुरी रहेगी। इवेंट को सुरक्षित रूप से आयोजित करने के लिए नागरिक और कानून प्रवर्तन निकायों की भी अनुमति जरुरी रहेगी। वहीं इससे पहले कर्नाटक सरकार ने भी जश्न को लेकर कड़े दिशानिर्देश दिये थे जिन्हें तोड़ने प जुर्माने के साथ ही सजा भी मिलेगी।

उबली हुई सब्जियां, नारियल पानी शामिल हैं नीरज चोपड़ा की डाइट में

नई दिल्ली (एजेंसी)। खेल प्रेमियों के लिए शुक्रवार का दिन खास रहा, जब ओलंपिक चैंपियन नीरज चोपड़ा ने एक बार फिर अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाते हुए पेरिस डायमंड लीग का खिताब अपने नाम कर लिया। उन्होंने अपने पहले ही प्रयास में 88.16 मीटर दूर भाला फेंककर मुकाबले में बढ़त बना ली, जो अंत तक कायम रही। उनके पुराने प्रतिद्वंद्वी जूलियन वेबर 87.88 मीटर के थ्रो के साथ दूसरे स्थान पर रहे। यह जीत नीरज के लिए खास इसलिए भी रही क्योंकि इससे पहले वह दोहा डायमंड लीग और जानुज कुसोसिंस्की मेमोरियल में लगातार दो बार दूसरे स्थान पर रहे थे, जिनमें स्वर्ण पदक वेबर ने जीता था। नीरज की यह वापसी सिर्फ तकनीकी नहीं, मानसिक रूप से भी प्रेरणादायक रही। टोक्यो ओलंपिक 2020 में स्वर्ण पदक जीतकर वह ऐसा करने वाले पहले एशियाई भाला फेंक एथलीट बने थे। इसके बाद उन्होंने 2023 में वर्ल्ड चैंपियनशिप में गोल्ड जीतकर इतिहास रचा और फिर पेरिस ओलंपिक में रजत पदक हासिल किया। लगातार अंतरराष्ट्रीय मंच पर प्रदर्शन करते हुए नीरज ने खुद को दुनिया के सर्वश्रेष्ठ भाला फेंक खिलाड़ियों में शामिल कर लिया है। खेल में उत्कृष्टता के पीछे सिर्फ अभ्यास नहीं, बल्कि अनुशासित जीवनशैली और सटीक डाइट का भी बड़ा योगदान होता है। नीरज चोपड़ा इसका जीता-जागता उदाहरण हैं। कभी पूर्ण रूप से शाकाहारी रहे नीरज अब प्रोटीन युक्त और बैलेंस्ड डाइट लेते हैं। उनका दिन नाश्ते में ओट्स, अंडे, फल और नारियल पानी से शुरू होता है। दोपहर को वे दही-चावल, दाल, सब्जियां और ग्रिल्ड चिकन लेते हैं, जबकि ट्रेनिंग के बीच चिया सीड्स, सूखे मेवे और फल उनके ऊर्जा स्रोत होते हैं। रात को उबली सब्जियां, सूप और सलाद लेते हैं और सोने से पहले दूध और खजूर से दिन खत्म करते हैं। नीरज मानते हैं कि प्राकृतिक और संतुलित आहार ही फिटनेस की कुंजी है। उनका कहना है कि यह डाइट सिर्फ एथलीट्स के लिए नहीं, बल्कि आम लोगों के लिए भी उपयोगी है, जो एक स्वस्थ जीवनशैली अपनाना चाहते हैं। तले-भुने भोजन से परहेज और पौष्टिक विकल्पों की प्राथमिकता ही उनके निरंतर प्रदर्शन का मूल मंत्र है।

इंग्लैंड के तेज गेंदबाज मार्क वुड की टेस्ट सीरीज में वापसी की उम्मीद

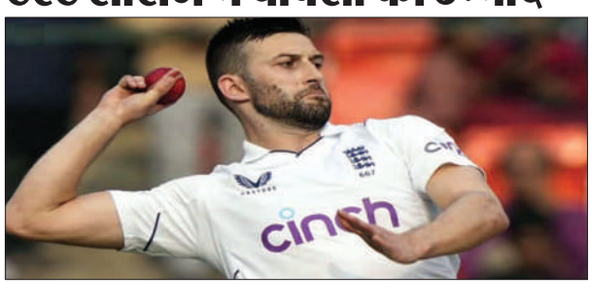

- आखिरी मुकाबले को बनाया लक्ष्य

लंदन (एजेंसी)। भारत के खिलाफ पांच मैचों की टेस्ट सीरीज खेल रही इंग्लैंड टीम को तेज गेंदबाजों की चोट ने परेशान कर रखा है। 20 जून से शुरू हुए पहले टेस्ट में भी इंग्लैंड अपनी पूरी ताकत के साथ मैदान पर नहीं उतर सका। अब टीम के अनुभवी पेसर मार्क वुड ने अपनी संभावित वापसी को लेकर बड़ी जानकारी दी है। घुटने की सर्जरी के बाद रिहैबिलिटेशन से गुजर रहे वुड को उम्मीद है कि वह 31 जुलाई से ओवल में खेले जाने वाले सीरीज के पांचवें और आखिरी टेस्ट तक फिट होकर चयन के लिए उपलब्ध रहेंगे। 35 वर्षीय मार्क वुड को साल की शुरुआत में चैंपियंस ट्रॉफी के दौरान बाएं घुटने में चोट लगी थी, जिसके बाद मार्च में उनकी सर्जरी कराई गई थी। वुड ने एक मीडिया से बात करते हुए कहा, 'रिहैब अच्छा चल रहा है। मैंने हल्की गेंदबाजी शुरू कर दी है, इसलिए अब मैं वापसी की राह पर हूं।'

वुड ने माना कि वह अब भी भारत के खिलाफ इस सीरीज में खेलने की उम्मीद लगाए बैठे हैं और उनकी नजरें सीरीज के आखिरी टेस्ट पर टिकी हैं। उन्होंने कहा, 'मुझे अब भी इस सीरीज में खेलने की उम्मीद है, इसलिए मैं उन खिलाड़ियों पर नजर रख रहा हूं जिनसे मेरा सामना हो सकता है। मेरा ध्यान फिलहाल पांचवें टेस्ट पर है।'

हालांकि उन्होंने यह भी स्वीकार किया कि ओवल टेस्ट में खेलना तय नहीं है और अंतिम फैसला उनकी फिटनेस पर निर्भर करेगा। ÷हो सकता है कि मैं आखिरी टेस्ट में भी नहीं खेल पाऊं, लेकिन मेरा पूरा ध्यान इस पर है कि मैं उस मैच में टीम के लिए योगदान दे सकूं,÷ वुड ने कहा। इंग्लैंड के लिए वुड की वापसी अहम साबित हो सकती है, खासकर तब जब जोफ्रा आर्चर, ओली स्टोन और मैथ्यू पॉट्स जैसे अन्य गेंदबाज भी चोटों से जूझ रहे हैं। ऐसे में वुड की फिटनेस टीम की गेंदबाजी लाइन-अप को मजबूती दे सकती है।

जसप्रीत बुमराह ने वसीम अकरम का रिकॉर्ड तोड़ा, सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले एशियाई बने

लंदन (एजेंसी)। इंग्लैंड के खिलाफ पहले टेस्ट के दूसरे दिन जसप्रीत बुमराह भारतीय गेंदबाजों में सबसे ज़्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज रहे। मोहम्मद सिराज, प्रसिद्ध कृष्णा, रवींद्र जडेजा जैसे गेंदबाजों ने कड़ी मेहनत की लेकिन उन्हें कोई सफलता नहीं मिली। बुमराह ने भारत के 471 रन पर ऑल आउट होने के बाद महत्वपूर्ण सफलताएं दिलाईं और इंग्लैंड के सलामी बल्लेबाज बेन डकेट और जैक क्रॉली के विकेट लिए। ऐसा करके बुमराह ने स्वह्व देशों (दक्षिण अफ्रीका, इंग्लैंड, न्यूजीलैंड और ऑस्ट्रेलिया) में सबसे ज़्यादा विकेट लेने के मामले में पाकिस्तान के महान तेज गेंदबाज वसीम अकरम को पीछे छोड़ दिया। बुमराह ने दूसरे दिन के अंत तक कुल 2 विकेट झटके और

स्वह्व देशों में 60 पारियों में 148 विकेट लिए। उन्होंने स्वह्व देशों में सबसे ज़्यादा विकेट लेने वाले एशियाई गेंदबाजों की सूची में वसीम अकरम को पीछे छोड़ दिया जिन्होंने 146 विकेट लिए थे। इसके बाद अनिल कुंबले (141), इशांत शर्मा (130) और मोहम्मद शमी (123) का नम्बर आता है। इससे पहले इंग्लैंड के मार्क वुड ने मौजूदा 'दुनिया के सर्वश्रेष्ठ गेंदबाज' जसप्रीत बुमराह की प्रशंसा करते हुए कहा कि वह 'खेल को बदलने' की क्षमता रखते हैं। खेल के सभी प्रारूपों में अपने शानदार प्रदर्शन के बाद बुमराह दुनिया के सर्वश्रेष्ठ गेंदबाज बन गए हैं। 31 वर्षीय बुमराह को भारत की युवा टीम में इंग्लैंड के लिए सबसे बड़ा खतरा माना जाता है। वुड ने इस बात पर जोर दिया कि 'खतरनाक' बुमराह किसी भी खेल चरण में कहर बरपा सकते हैं। वुड ने कहा, 'वह सभी प्रारूपों में एक बेहतरीन गेंदबाज हैं जो वास्तव में खतरनाक हैं। मैं ईमानदारी से कह सकता हूं कि उन्हें समझना और उनका सामना करना वाकई मुश्किल है। वह जितना आप सोचते हैं उससे कहीं ज़्यादा तेज़ हैं। वह इस समय दुनिया के सर्वश्रेष्ठ गेंदबाज हैं और वह मैच के किसी भी हिस्से में खतरनाक हैं। बुमराह खेल को बदल सकते हैं।'

कनाडा ने भारत-श्रीलंका में होने वाले टी20 विश्व कप के लिए किया क्वालीफाई

ओंटारियो - कनाडा की पुरुष क्रिकेट टीम ने अमेरिकी क्वालीफायर में बहामास को सात विकेट से हराकर अगले साल भारत और श्रीलंका में होने वाले आईसीसी टी20 विश्व कप के लिए क्वालीफाई कर लिया। कनाडा की यह लगातार पांचवीं जीत थी। कनाडा ने पिछले साल वेस्टइंडीज और अमेरिका में हुआ टी20 विश्व कप भी खेला था। बीस टीमों के टूर्नामेंट में गत चैम्पियन भारत, श्रीलंका, अफगानिस्तान, आस्ट्रेलिया, बांग्लादेश, इंग्लैंड, दक्षिण अफ्रीका, अमेरिका, वेस्टइंडीज, आयरलैंड, न्यूजीलैंड और पाकिस्तान भी खेलेंगे। आईसीसी ने एक बयान में कहा, 'सात और टीमें अभी इन टीमों से जुड़ेंगी जिनमें से दो यूरोपीय क्वालीफायर (पांच से 11 जुलाई), दो अफ्रीकी क्वालीफायर (19 सितंबर से चार अक्टूबर) और तीन एशिया ईएपी क्वालीफायर (एक से 17 अक्टूबर) से आएंगी।' कनाडा ने यहां खेले गए क्वालीफायर में 57 रन का लक्ष्य छह ओवरों में हासिल कर लिया। पहले गेंदबाजी करते हुए कनाडा ने स्पिनर कलीम सना और शिवम शर्माके तीन तीन विकेट की मदद से बहामास को 19.5 ओवर में आउट कर दिया। इसके बाद दिलप्रीत बाजवा के नाबाद 36 रन की बदौलत लक्ष्य 5.3 ओवर में हासिल कर लिया।

तीसरे दिन काली पट्टी बांधकर मैदान में उतरे खिलाड़ी

लीड्स। भारत और इंग्लैंड के खिलाड़ियों ने पूर्व तेज गेंदबाज डेविड लॉरेंस के सम्मान में रविवार को यहां पहले टेस्ट क्रिकेट मैच के तीसरे दिन काली पट्टियां बांधी। लॉरेंस का रविवार को 61 वर्ष की उम्र में निधन हो गया। लॉरेंस ने 1988 से 1992 के बीच इंग्लैंड के लिए पांच टेस्ट (18 विकेट) और एक वनडे (चार विकेट) खेला। लॉरेंस को सिड उपनाम से जाना जाता था। लॉरेंस इंग्लैंड की तरफ से खेलने वाले ब्रिटिश मूल के पहले अश्वेत क्रिकेटर थे। वह पिछले साल से मोटर न्यूरॉन बीमारी (एमएनडी) से जूझ रहे थे। भारतीय क्रिकेट बोर्ड ने एक बयान में कहा, 'दोनों टीमों के खिलाड़ी इंग्लैंड के पूर्व क्रिकेटर डेविड 'सिड' लॉरेंस को श्रद्धांजलि अर्पित करने के लिए काली पट्टी बांधकर खेल रहे हैं। लॉरेंस का रविवार को निधन हो गया था।' लॉरेंस को 2024 में इस रोग का पता चला, जिसका कोई उपचार नहीं है। यह बीमारी मस्तिष्क और तंत्रिकाओं को प्रभावित करती है, जिससे मांसपेशियां कमजोर पड़ जाती हैं। ग्लूस्टरशर के दिग्गज खिलाड़ी लॉरेंस ने 185 प्रथम श्रेणी मैच में 515 विकेट और 113 लिस्ट ए मैच में 155 विकेट लिए। तेज गेंदबाज लॉरेंस 1992 में वेलिंगटन में न्यूजीलैंड के खिलाफ गेंदबाजी करते समय चोटिल हो गए थे जिसके बाद वह अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में नहीं खेल पाए।

ऋषभ के गुलाटी लगाने पर बोले शास्त्री ये उसका अपना स्टाइल

लीड्स। भारतीय क्रिकेट टीम के विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत का एक वीडियो तेजी से वायरल हो रहा है। इमसें वह शतक लगाने के बाद गुलाटी लगाते हुए दिखे। अब इसी को लेकर भारतीय टीम के पूर्व कोच रवि शास्त्री और दिग्गज बल्लेबाज चेतेश्वर पुजारा व पूर्व क्रिकेटकीप दिनेश कार्तिक की प्रतिक्रिकेया सामने आयी है। शास्त्री ने कहा कि यह उनका अपना ही स्टाइल है। ऋषभ ने 178 गेंदों में 134 रन बनाने के साथ ही अपना सातवां शतक लगाया। शास्त्री ने कहा कि पंत शायद बहुत कम उम्र से ही जिम्नास्टिक कर रहे हैं। शास्त्री ने कहा, 'इसमें कुछ गलत नहीं है। वह ऐसा ही है और उसे ऐसा ही रहने दें। वह अलग है। बहुत कम उम्र से ही उसने काफी जिम्नास्टिक किया है। उन्होंने मजाकिया अंदाज में कहा, 'अगर मैने भी कोशिश की होता तो शायद सीधे पूल में जाता। ऋषभ ने साल 2022 में हुए कार हादसे के बाद वापसी करते हुए जिस प्रकार से खेल पर मैदान पर वापसी की है। इससे खेल के प्रति उनके जुनून का अंदाजा होता है। इतनी सारी सर्जरी के बाद इस तरह से उन्हें गुलाटी लगाते हुए देखकर सभी हैरान हुए हैं। वहीं बल्लेबाज चेतेश्वर पुजारा ने कहा, 'ऋषभ तो ऋषभ है और हमेशा कुछ अलग करता है। वह बहुत अच्छे से यह करता है। किसी ने सोचा नहीं था कि वह ऐसा करेगा। मैने कभी कोशिश नहीं की। इसके लिए मुझे काफी अभ्यास करना होगा। वहीं पूर्व क्रिकेटर दिनेश कार्तिक ने कहा, 'मैं ऐसा कुछ नहीं कर सकता और न ही उसकी तरह बल्लेबाजी कर सकता हूं। दोनों मोर्चों पर विकेटकीपिंग और बल्लेबाजी वह अपेक्षाओं से परे प्रदर्शन करता है।

जो कुछ मिला उससे खुश हूं : रोहित

-25 साल पहले कुछ नहीं था

नई दिल्ली (एजेंसी)। हाल में टेस्ट क्रिकेट से संन्यास लेने वाले भारतीय एकदिवसीय क्रिकेट टीम के कप्तान रोहित शर्मा का कहना है कि उन्हें अपने करियर में किसी बात का पछतावा नहीं है। रोहित ने कहा कि उन्होंने जो भी हासिल किया उससे वह खुश हैं क्योंकि 25 साल पहले उनके पास कुछ नहीं था जबकि आज उन्होंने काफी कुछ हासिल कर लिया है। रोहित का कहना है कि जो भी लिखा गया है, वह हो रहा है और मैं इससे खुश हूं। किसी बात का पछतावा उनको नहीं है। रोहित की कप्तानी में भारतीय टीम ने दो आईसीसी ट्रॉफी जीती हैं हालांकि 2023 एकदिवसीय विश्वकप

के फाइनल में वह टीम को जीत नहीं दिला पाये थे। रोहित ने दिग्गज स्पिनर हरभजन सिंह और गीता बसरा के हू इज द बॉस? शो में कहा, मुझसे कई बार पूछा गया कि आपको जीवन में किस बात का पछतावा है? तो मैंने हमेशा सामने वाले से पूछा है कि किस बात का पछतावा? अगर मैं 25 साल पीछे जाऊं तो मुझे पता है कि मैं कहां था और मेरा जीवन कैसा था। मैं बहुत खुश हूं कि भगवान ने मुझे इतना सब कुछ दिया है, मैंने कभी नहीं सोचा था कि मैं इन सभी पुरस्कारों और हर चीज के साथ यहां बैठा रहूंगा। आपको केवल वही मिलता है जो आपके लिए लिखा गया है, इसलिए यह लिखा गया था और मैं इससे बहुत खुश हूं।रोहित ने साल 2007 में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में डेब्यू किया था। इससे पहले वह अंडर 19 विश्व कप में भी खेले। घरेलू क्रिकेट में बेहतरीन प्रदर्शन के बाद उन्हें टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में डेब्यू का अवसर मिला। उनकी कप्तान में भारत को दो एशिया कप, एक टी20 विश्व कप और एक चैंपियंस ट्रॉफी के अलावा कई सीरीज में जीत मिली।

तीन शतक के बाद भी 500 से कम रन बनाने वाली तीसरी टीम बनी टीम इंडिया

लीड्स। यहां इंग्लैंड के खिलाफ पहले ही क्रिकेट टेस्ट मैच में भारतीय टीम की ओर से कप्तान शुभमन गिल 147 के अलावा यशस्वी जायसवाल 101 और ऋषभ पंत 134 ने भी शतक लगाये। इसके बाद भी भारतीय टीम के नाम एक शर्मनाक रिकार्ड दर्ज हुआ है। वह है तीन बल्लेबाजों के शतक के बाद भी पहली पारी में काफी कम स्कोर 471 रन बनना। इस प्रकार वह तीन शतकों के बाद भी 500 रन न बना पाने वाली तीसरी टीम बनी है। इससे पहले तीन खिलाड़ियों के शतकों के बाद 500 से कम स्कोर पर आउट होने वाली टीमें है। दक्षिण अफ्रीका, ऑस्ट्रेलिया और वेस्टइंडीज। इससे पहले दक्षिण अफ्रीकी टीम ने साल 2016 में तीन बल्लेबाजों के शतक के बाद भी सबसे कम स्कोर बनाया था। इसके अलावा तीन बल्लेबाजों के शतक के बाद भी सबसे कम रन बनाने के मामले में ऑस्ट्रेलिया और वेस्टइंडीज की टीमों का भी नाम है, ये सभी टीमें भी तीन बल्लेबाजों द्वारा शतक लगाने के बाद भी एक बार 500 रनों तक नहीं पहुंच पायीं थी। भारतीय टीम की ओर से कप्तान शुभमन गिल ने सर्वाधिक 147 रनों की पारी खेली, वहीं ऋषभ पंत ने 134 तो यशस्वी जायसवाल ने 101 रन बनाए। दक्षिण अफ्रीका ने इंग्लैंड के खिलाफ सेंचुरियन में साल 2016 में तीन शतक के बाद भी 475 रन जबकि ऑस्ट्रेलिया ने इंग्लैंड के खिलाफ हेडिंग्ले में साल 1924 में तीन शतक के बाद भी 494 और वेस्टइंडीज ने भारत के खिलाफ कोलकाता में साल 2002 में 497 रन ही बनाये थे।

बल्लेबाजी स्टाइल में बदलाव से शुभमन बेहतर हुए : कोटक

लीड्स। इंग्लैंड दौरे की शुरुआत में ही भारतीय क्रिकेट टीम के नये कप्तान शुभमन गिल ने शानदार शतक लगाया है। इससे अंदाजा होता है कि शुभमन के हौंसले बुलंद हैं। भारतीय टीम के बल्लेबाजी कोच सितांशु कोटक ने भी कहा है कि शुभमन की बल्लेबाजी बेहतर होने का कारण बल्लेबाजी स्टाइल में बदलाव करना रहा है। कोटक के अनुसार शुभमन ने ऑस्ट्रेलिया दौरे में अपनी खराब बल्लेबाजी से सबक लेते हुए अपनी तकनीक में कई बदलाव किए हैं जिसका लाभ उन्हें मिला है। साथ ही कहा कि अभ्यास के दौरान ही जब वह नेट्स में बल्लेबाजी कर रहे थे तो उनमें बदलाव देखा गया था। कोटक ने कहा, 'ऑस्ट्रेलिया दौरे के बाद उन्होंने कुछ चीजों के बारे में विवार कर उनपर अमल किया। ऑस्ट्रेलिया दौरे के बाद चैंपियंस ट्रॉफी और फिर आईपीएल था, इसलिए वह शुभमन पर अधिक ध्यान नहीं दे पाये थे पर ये साफ है कि उन्होंने कुछ चीजों पर काम किया और जैसे ही मैंने उन्हें नेट्स में देखा, मैंने उनसे बात की कि 'आपने कुछ बदलाव किए हैं' और उन्होंने हां कहा। उन्हें इस बात का श्रेय जाता है कि उन्होंने अपना विश्लेषण किया और मुझे लगता है कि उन्होंने इसे बहुत अच्छी तरह से लागू भी किया।'शुभमन ने ऑस्ट्रेलिया में तीन टेस्ट खेलकर पांच पारियों में केवल 93 रन बनाए थे। वहीं अब कप्तानी करते हुए उन्होंने एक ही पारी में इससे अधिक रन बना लिए हैं। उनकी 147 रनों की पारी से भारतीय टीम पहली पारी में 471 रन तक पहुंची हैं जिसके जवाब में इंग्लैंड ने दूसरे दिन तीन विकेट पर 209 रन बनाये।

जो रूट ने जयसूर्या को पछाड़ा, अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले 9वें खिलाड़ी बने

लीड्स (यूके) (एजेंसी)। इंग्लैंड के बल्लेबाज जो रूट श्रीलंका के दिग्गज सनथ जयसूर्या को पछाड़कर अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले 9वें खिलाड़ी बन गए। रूट ने लीड्स में भारत के खिलाफ पहले टेस्ट मैच के दौरान चार्ट में यह बढ़त हासिल की। ??अपनी पारी के दौरान उन्होंने 58 गेंदों में दो चौकों की मदद से 28 रन बनाए। वे अंततः 25 पारियों में 10वीं बार जसप्रीत बुमराह का शिकार बने, उनके खिलाफ उनका औसत 29 रहा।

रूट ने 366 अंतरराष्ट्रीय मैचों की 479 पारियों में 49.30 की औसत से 21,053 रन बनाए हैं जिसमें 54 शतक और 112 अर्द्धशतक शामिल हैं, उनका सर्वश्रेष्ठ स्कोर 262 है। वे टेस्ट और वनडे सहित सभी प्रारूपों में इंग्लैंड के लिए अब तक के सबसे ज्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ी हैं। दूसरी ओर, श्रीलंका के दिग्गज जयसूर्या ने 651 पारियों में 34.14 की औसत से 42 शतकों और 103 अर्द्धशतकों की मदद से 21,032 रन बनाए हैं। उनका सर्वश्रेष्ठ स्कोर 340 है।

अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ी भारतीय आइकन सचिन तेंदुलकर हैं। उन्होंने 664 मैचों की 782 पारियों में 48.52 की औसत से 100 शतकों और 164 अर्द्धशतकों की मदद से 34,357 रन बनाए हैं। उनका सर्वश्रेष्ठ स्कोर 248* है। टेस्ट क्रिकेट में रूट ने 154 मैचों की 280 पारियों में 50.71 की औसत से 36 शतकों और 65 अर्द्धशतकों की मदद से 13,034 रन बनाए हैं। उनका सर्वश्रेष्ठ स्कोर 262 है।

रूट ने वनडे में 180 मैचों और 169 पारियों में 49.14 की औसत से 7,126 रन बनाए हैं, जिसमें 18 शतक और 42 अर्द्धशतक शामिल हैं। 32 टी20आई और 30 पारियों में उन्होंने 35.72 की औसत से 893 रन बनाए हैं, जिसमें 126.30 की स्ट्राइक रेट और पांच अर्धशतक शामिल हैं। उनका सर्वश्रेष्ठ स्कोर 90* है।

मैच की बात करें तो इंग्लैंड ने दूसरे दिन 209/3 के स्कोर पर दिन का अंत किया जिसमें ओली पोप (100*) और हैरी ब्रुक (0*) नाबाद रहे। बेन डकेट (94 गेंदों में नौ चौकों की मदद से 62) के अर्धशतक और पोप के साथ उनकी शतकीय साझेदारी ने जैक क्रॉली के जल्दी आउट होने के बाद इंग्लैंड को बढ़त दिलाई। जसप्रीत बुमराह (तीन विकेट) ने समय पर स्ट्राइक देकर इंग्लैंड के लिए मुश्किलें खड़ी कीं, लेकिन उन्हें अन्य गेंदबाजों से बमुश्किल ही सहयोग मिला। इंग्लैंड अभी 262 रन से पीछे है।

इससे पूर्व पहले दिन इंग्लैंड ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया। यशस्वी जायसवाल (159 गेंदों में 101 रन, 16 चौके), कप्तान शुभमन गिल (227 गेंदों में 147 रन, 19 चौके और एक

छक्का) और ऋषभ पंत (178 गेंदों में 134 रन, 12 चौके और छह छक्के) के शतकों की बदौलत भारत ने 471 रन बनाए। एक समय स्कोर 430/4 था, कप्तान बेन स्टोक्स (4/66) और जोश टंग (4/86) ने टीम को ढेर कर दिया। लेकिन जायसवाल और पंत की पारियों ने टीम को संभाला और 471 रन बनाने में मदद की।

बुमराह को बार-बार गेंदबाजी के लिए लगाने से उनपर दबाव पड़ेगा : कार्तिक

लीड्स। पूर्व क्रिकेटर दिनेश कार्तिक ने कहा है कि मुख्य तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह पर जरुरत से अधिक दबाव नुकसानदेह रहेगा। बुमराह ने इंग्लैंड के खिलाफ पहले टेस्ट के दूसरे दिन ने 13 ओवर गेंदबाजी की थी और तीन विकेट लिए थे। वहीं अन्य गेंदबाज मोहम्मद सिराज, प्रसिद्ध कृष्णा, रवींद्र जडेजा और शार्दुल ठाकुर ने 36 ओवर किये पर एक भी विकेट नहीं ले पाये। ऐसे में विकेट के लिए बार-बार उन्हें लाना पड रहा था। कार्तिक ने इसी को लेकर चिंता जताई और कहा है कि कप्तान को बुमराह पर ज्यादा दबाव नहीं डालने अन्य गेंदबाजों को बेहतर प्रदर्शन के लिए प्रेरित करना होगा। इस पूर्व विकेटकीपर बल्लेबाज ने कहा, 'बुमराह और बाकी गेंदबाजों के बीच बहुत ज्यादा अंतर रहा। इंग्लैंड के बल्लेबाजों को देखकर लग रहा था कि वे किसी प्रका बुमराह का स्पेल निकला देना चाह रहे थे जिससे उनके पास बाद के ओवरों में अधिक अच्छा अवसर रहे।' इससे भारतीय कप्तान पर दबाव पड़ेगा और वह बुमराह के पास जाएंगे।' साथ ही कहा कि बुमराह को अपने शरीर का भी ध्यान रखना होगा.' कार्तिक ने साथ ही कहा, 'ऑस्ट्रेलिया दौरे के पांचवें टेस्ट में थकान के कारण ही बुमराह ने कप्तानी की दौड़ से अपने को बाहर कर लिया था। उन्होंने इंग्लैंड दौरे के पहले ही घोषणा कर दी है कि वह इस सीरीज में केवल तीन टेस्ट ही खेल सकते हैं। एक दिन में जब बड़ी मुश्किल से 60 ओवर फेंके जाते हैं तब बुमराह ने पहले ही दिन 13 ओवर फेंक दिए। इससे साफ है कि हर बार जब आपको विकेट की जरूरत होती है, तो बुमराह को लाना पड़ा।' कार्तिक ने साथ ही कहा,' वह हमेशा टीम के लिए अधिक से अधिक विकेट लेते हैं। इसलिए आप उस आदत में पड़ जाते हैं पर दूसरों को निश्चित रूप से प्रेरित करने का तरीका अब कप्तान को तलाश होगा। वहीं अन्य गेंदबाजों को भी कहना होगा कि मैं तैयार हूं, मुझे गेंद दो, यह मेरी योजना है, मैं गेंदबाज करना चाहता हूं।

आजकल की कॉमेडी फिल्मों में बार-बार दोहराई जा रहे जोक्स और पंचलाइन

बॉलीवुड एक्ट्रेस काजोल की आने वाली हॉरर फिल्म मां रिलीज के लिए तैयार है। काजोल ने सिनेमा में कॉमेडी की वर्तमान स्थिति पर अपने विचार साझा किए। काजोल ने कहा कि कॉमेडी फिल्मों में नयापन और गहराई की कमी है। उन्होंने कहा कि अगर उन्हें कोई अच्छी स्क्रिप्ट मिलती है, तो वह कॉमेडी फिल्मों में दोबारा काम करना चाहेंगी। उनका मानना है कि वह कॉमेडी फिल्मों के लिए कुछ नया पेश कर सकती हैं।

बातचीत में उन्होंने साफ कहा कि अगर कंटेंट दमदार होगा, तो वह जरूर कॉमेडी में वापसी करेंगी। काजोल ने बताया कि कॉमेडी एक ऐसी शैली है, जो हर इंसान के लिए अलग है, जो बात एक इंसान को हंसाती है, जरूरी नहीं कि वही बात दूसरे को भी हंसाए। आज की फिल्मों में जो कॉमेडी दिखाई जाती है, वह ज्यादातर आम लोगों के ध्यान को आकर्षित करने के मकसद से बनाई जाती है, न कि किसी नए विचार से। दिलवाले फिल्म की एक्ट्रेस ने कहा कि आजकल एक ही तरह के जोक्स और पंचलाइन बार-बार दोहराए जा रहे हैं, जिससे कॉमेडी में नयापन रहा ही नहीं है।

काजोल ने कहा, मैं कॉमेडी फिल्म करना चाहती हूं। मुझे लगता है कि अगर मुझे मौका मिला, तो मैं उसमें बेहतरीन काम करूंगी। कॉमेडी हर इंसान के लिए अलग होती है, जो बात उन्हें मजेदार लगे, जरूरी नहीं कि वही बात किसी और को भी हंसाए। इसलिए कॉमेडी एक व्यक्तिगत पसंद की चीज है। आजकल ज्यादातर कॉमेडी फिल्में बड़ी संख्या में लोगों का ध्यान खींचने के लिए बनाई जाती हैं, न कि किसी अलग सोच या खास नजरिए से। फिल्मों में वही जोक्स और पंचलाइन बार-बार दोहराई जा रही हैं, जिससे कॉमेडी में कोई नयापन नहीं बचा। बेहतरीन कॉमेडी फिल्म बहुत समय से देखने को नहीं मिली है। काजोल ने पुरानी फिल्मों की भी तारीफ की। उन्होंने ऋषिकेश मुखर्जी की फिल्मों का जिक्र करते हुए कहा कि उनकी फिल्मों में जो हास्य होता था, वह न सिर्फ मजेदार बल्कि समझदारी भरा और दिल से जुड़ा हुआ होता था। आजकल ऐसी दिल को छूने वाली कॉमेडी फिल्में कम ही बन रही हैं। अफसोस कि अब ऐसी स्मार्ट और सच्ची कॉमेडी फिल्मों की कमी हो गई है। वर्कफ्रंट की बात करें तो, काजोल इन दिनों अपनी पहली हॉरर फिल्म मां के प्रमोशन में बिजी हैं। यह फिल्म 27 जून को सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है।

सलमान खान की गलवान घाटी पर आधारित फिल्म में नजर आएंगी चित्रांगदा सिंह

हाल ही में सलमान खान सिकंदर फिल्म में नजर आए। फिल्म को दर्शकों की तरफ से अच्छा रिस्पांस नहीं मिला। इसके बाद सलमान खान अब अपनी नई फिल्म के लिए तैयारी कर रहे हैं। निर्माताओं ने जानकारी दी है कि फिल्म में सलमान खान के विपरीत कौन सी एक्ट्रेस रहेगी। फिल्म में देशभक्ति के अलावा भरपूर एक्शन है। यह फिल्म साल 2020 में गलवान घाटी में भारत और चीन के सैनिकों के बीच हुए संघर्ष पर आधारित है। एक खबर के मुताबिक फिल्म में सलमान खान के विपरीत चित्रांगदा सिंह को लिया गया है। यह पहली बार है, जब दोनों बड़े पर्दे पर साथ नजर आएंगे। चित्रांगदा सिंह को हजारों ख्वाहिशें ऐसी के लिए जाना जाता है। इसके बाद वह देसी ब्वॉज और गब्बर इज बैक के गाने आओ राजा में नजर आई थीं।

सलमान निभाएंगे कर्नल बी का किरदार

सलमान खान की अपकमिंग फिल्म का टाइटल अभी सामने नहीं आया है। यह फिल्म शिव अरूर और राहुल सिंह के उपन्यास इंडियाज मोस्ट फियरलेस 3 पर आधारित है। फिल्म में कथित तौर पर सलमान खान कर्नल बी का किरदार निभाएंगे। यह वही अफसर हैं जिन्होंने गलवान संघर्ष के दौरान भारतीय सैनिकों का नेतृत्व किया था।

मिलिट्री ट्रेनिंग ले रहे सलमान खान

पिंकविला के मुताबिक फिल्म की फोटोग्राफी जुलाई 2025 से शुरू होगी। बताया ये भी जाता है कि फिल्म अक्टूबर तक पूरी कर ली जाएगी। सलमान खान इन दिनों अपनी बॉडी पर काम कर रहे हैं। वह फिल्म में रोल को निभाने के लिए मिलिट्री ट्रेनिंग ले रहे हैं।

अनुपमा ने टार्गेटेड ट्रोलिंग पर की बात

एक्ट्रेस अनुपमा परमेश्वरन की गिनती साउथ की टॉप अभिनेत्रियों में होती है। मलयाली होने के बावजूद अनुपमा ने तेलुगु सिनेमा में अपना एक अलग नाम कमाया है। अब अनुपमा सुरेश गोपी की फिल्म 'जानकी बनाम केरल राज्य' के साथ मलयालम सिनेमा में वापसी कर रही हैं। फिल्म के ऑडियो लॉन्च इवेंट में अनुपमा ने अपने करियर के शुरुआती दिनों को याद किया। 'जानकी बनाम केरल राज्य' के ऑडियो लॉन्च इवेंट में अनुपमा परमेश्वरन अपनी आलोचनाओं को लेकर भी खुलकर बात की। साथ ही करियर के शुरुआती दिनों को भी याद किया। अभिनेत्री ने कहा, कई लोगों ने मुझे मलयालम में यह कहते हुए खारिज कर दिया कि मुझे अभिनय करना नहीं आता। मुझे बहुत ज्यादा टार्गेटेड ट्रोलिंग का भी सामना करना पड़ा। लोगों ने जानबूझकर मेरी आलोचना की और मुझे निशाना बनाया। इन सबके बावजूद इस फिल्म के निर्देशक प्रवीण नारायणन ने मुझे मुख्य किरदार के रूप में कास्ट किया। इस फिल्म में एक दिल है और वह जानकी है। मुझे उसे सौंपने के लिए प्रवीण नारायणन का धन्यवाद।

अनुराग बसु के साथ पंकज त्रिपाठी की खास केमिस्ट्री बोले- उनकी और भी फिल्मों में काम करना चाहूंगा

अभिनेता पंकज त्रिपाठी अपनी आने वाली फिल्म मेट्रो...इन दिनों की रिलीज का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। इस फिल्म में उन्होंने निर्देशक अनुराग बसु के साथ काम किया। एक्टर ने उन्हें अपना पसंदीदा डायरेक्टर बताया। अनुराग बसु और फिल्म मेट्रो...इन दिनों के बारे में बात करते हुए पंकज त्रिपाठी ने कहा, वह एक बेहतरीन डायरेक्टर हैं। मैं कई सालों से उनके साथ काम करना चाहता था। अगर वह मुझे अपनी फिल्मों में लेते हैं, तो मैं उनके साथ और भी फिल्में करना चाहूंगा। वह मेरे पसंदीदा डायरेक्टर हैं। उनके सेट पर हम आराम से जाते हैं। हमें न तो ज्यादा तैयारी करनी पड़ती है और न ही कोई प्लानिंग होती है।

उन्होंने आगे कहा, मुझे अपने तरीके से काम करना अच्छा लगता है, इसलिए मैं ज्यादा तैयारी नहीं करता। किरदार और कहानी का ढांचा पहले से तय होता है, लेकिन सीन को कैसे करना है, यह हम वहीं सेट पर तय करते हैं। पंकज ने फिल्म के बारे में बताते हुए कहा कि यह फिल्म आज के दौर के रिश्तों को दिखाएगी। एक्टर ने कहा, यही तो मेट्रो...इन दिनों की कहानी है। यह फिल्म आज के नजरिए से प्यार और रिश्तों को दिखाती है और वह भी अलग-अलग उम्र के लोगों के बीच। अनुराग बसु के निर्देशन में बनी फिल्म मेट्रो...इन दिनों आज के समय के उलझे और बदलते रिश्तों को दिखाती है। इसमें आदित्य रॉय कपूर, सारा अली खान, अली फजल, फातिमा सना शेख, पंकज त्रिपाठी, कोंकणा सेन शर्मा, अनुपम खेर और नीना गुप्ता अहम किरदार में हैं। मेट्रोज्इन दिनों साल 2007 में आई मशहूर फिल्म लाइफ इन एज मेट्रो का सीक्वल है। फिल्म के गाने प्रीतम ने बनाए हैं। इसे भूषण कुमार, कृष्ण कुमार, अनुराग बसु और तानी बसु ने मिलकर प्रोड्यूस किया है। यह फिल्म 4 जुलाई को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

अभिषेक बच्चन की आगामी फिल्म 'कालीधर लापता' का एलान

अभिषेक बच्चन के फैंस के लिए बहुत बड़ी खुशखबरी सामने आ रही हैं। अभिनेता ने अपनी अपकमिंग फिल्म का एलान कर दिया है और उसका पोस्टर भी जारी कर दिया है। साथ ही उन्होंने फिल्म की रिलीज तारीख की भी घोषणा कर दी है। आइए जानते हैं पूरी डिटेल। हाल ही में अभिनेता अभिषेक बच्चन ने अपने इंस्टाग्राम एक पोस्ट शेयर किया है, जिसमें उन्होंने अपनी अपकमिंग फिल्म कालीधर लापता का एलान किया है। फिल्म के पोस्टर में अभिनेता किसी बच्चे के साथ एक पेड़ पर बैठे दिख रहे हैं। इसमें वो किसी उम्रदराज और अनुभवी इंसान की भूमिका में दिख रहे हैं।

कब रिलीज होगी फिल्म?

इस पोस्टर को शेयर करते हुए अभिनेता ने कैप्शन में लिखा, 'चर्चाओं पर अब फुल स्टॉप! कभी-कभी, खो जाना कोई चक्कर नहीं होता, बल्कि यहीं से असली कहानी शुरू होती है। सपने, ट्विस्ट और इसे सार्थक बनाने वाले लोगों से भरपूर।' साथ ही अभिनेता ने बताया कि यह फिल्म 4 जुलाई को जी5 पर रिलीज होगी। इस फिल्म का निर्देशन मधुमिता ने किया है और इसे जी स्टूडियो द्वारा सहयोग प्राप्त है। यह फिल्म गांव की कहानी पर आधारित है। हालांकि आपको बताते चलें कि बीते दिनों अभिनेता ने एक पोस्ट करते हुए बताया था कि वो लापता होना चाहते हैं, जिससे उनके फैंस चिंतित हो उठे थे। जबकि अभिनेता का इशारा उनकी आगामी फिल्म कालीधर लापता की ओर था।

क्या है फिल्म की कहानी?

इस फिल्म की कहानी की बात करें तो यह कालीधर नाम के इंसान के आस-पास घूमती है, जो एक उम्रदराज व्यक्ति है। एक दिन उसे पता चलता है कि उसका परिवार उसे छोड़ने वाला है। इस वजह से वह भाग जाता है और उसकी मुलाकात एक बच्चे से होती है। इसके बाद कहानी में असली मोड़ आता है।

रिश्ता बिल्कुल टॉक्सिक है तो उसका टूट जाना ही बेहतर

दंगल की गीता फोगट हो या ठग्स ऑफ हिंदोस्तान की वॉरियर प्रिंसेस जाफिरा, मॉडर्न लव मुंबई की लालजरी या धक धक की बिंदास स्काई, ऐक्ट्रेस फातिमा सना शेख ने पर्दे पर हमेशा मजबूत लड़कियों के किरदार निभाए हैं। इन दिनों वह चर्चा में हैं, अनुराग बसु की फिल्म मेट्रो...इन दिनों के लिए। ऐसे में, हमने उनसे प्यार, रिश्ते, शादी आदि पर की खास बातचीत।

एक दौर था, जब बॉलिवुड अपनी रोमांटिक फिल्मों के लिए जाना जाता था। मगर कुछ सालों से क्राइम, ऐक्शन, थ्रिलर पर ज्यादा जोर दिख रहा है। आपको लगता है कि लोग रोमांटिक फिल्में मिस कर रहे हैं?

सौ फीसदी। हम सब मिस कर रहे हैं, क्योंकि सिनेमा को इतना सीरियस भी नहीं ले सकते। हम सबकी जिंदगी में वैसे ही इतनी मुश्किलें, इतनी सीरियस चीजें हैं कि आप पर्दे पर कुछ हल्का-फुल्का देखना चाहते हैं। रोमांटिक फिल्में हमेशा हमारी जिंदगी का हिस्सा रही हैं। हमने अपनी जिंदगी में जितना भी रोमांस किया है, उस पर कुछ न कुछ प्रभाव हमारी फिल्मों का रहा ही है। हमने फिल्मों में देखा कि शाहरुख ने ऐसा कुछ किया तो उसे अपनी असल जिंदगी में अप्लाई किया, तो वो चीज़ मुझे लगता है कि अभी मिसिंग है। हमारी फिल्म मेट्रो इन दिनों से शायद वो कमी थोड़ी दूर हो, क्योंकि इसमें अलग-अलग उम्र, अलग-अलग किस्म के प्यार की कहानी है, तो हर इंसान किसी ना किसी इमोशन रिलेट करेगा।

आजकल प्यार बहुत जटिल हो गया है, जैसा कि फिल्म में भी एक डायलॉग है। शादी की संस्था से भी युवा पीढ़ी का भरोसा उठ रहा है। आपका प्यार और शादी को लेकर क्या नजरिया है?

फातिमा ने कहा, प्यार को लेकर हम लोग जो इतना सोचते हैं कि हम प्यार ऐसे करेंगे, वैसे करेंगे, मगर असल जिंदगी में जब आप प्यार में पड़ते हैं, तो उस पर कुछ कंट्रोल नहीं होता। आपके जितने भी सिद्धांत या नियम होते हैं सब खिड़की के बाहर चले जाते हैं। उसी तरह, मैं शादी में यकीन रखती हूं और मुझे लगता है कि शादी तब ज्यादा चलती है, जब बच्चा होता है। क्योंकि हमारे देश में अगर मां, बाप और बच्चा एक परिवार के रूप में साथ होते हैं, तो सरकार बहुत सारी सुविधाएं और सुरक्षा देती है। कानून भी प्रोटेक्ट करता है, तो बहुत सारे फायदे हैं। इसके अलावा, शादी को तोड़ने के लिए बहुत सोचना पड़ता है। आप ऐसे उठकर अलग नहीं हो जाते।

फिर भी इन दिनों तो तलाक के मामले बहुत ज्यादा सामने आ रहे हैं...

यह भी अच्छी बात है ना। पहले तलाक एक टैबू था। दूसरे, बहुत सारी औरतें कमाती नहीं थीं। वे अपने पति पर ही निर्भर होती थीं। उनके पास कोई सपोर्ट सिस्टम नहीं होता था, इसलिए वे तलाक लेने की सोचती भी थीं तो हमारा समाज उन्हें हतोत्साहित ही करता था। मगर आज वे आत्मनिर्भर हैं। ऐसे में, अगर दो लोगों के बीच जम नहीं रहा है, तो हमें एक समाज के तौर पर उन्हें सपोर्ट करना चाहिए, क्योंकि ऐसे साथ रहने का क्या मतलब है? बाहरवालों के लिए बोलना आसान होता है कि शादी को निभाना चाहिए, मगर हमने बहुत देखा है कि अगर घर में क्लेश होता है तो बच्चे पर भी खराब असर ही पड़ता है। मेरे हिसाब से ऐसे में तलाक एक एंपवारमेंट है। अगर रिश्ता बिल्कुल टॉक्सिक है, तो उसका टूट जाना ही बेहतर है।

आपने दंगल हो या ठग्स ऑफ हिंदोस्तान, धक धक या मॉडर्न लव, पर्दे पर ज्यादातर दमदार लड़कियों के किरदार ही निभाए हैं। क्या यह आपकी सोची-समझी कोशिश होती है कि ऐसे मजबूत किरदार ही निभाने हैं?

100 पर्सेंट। मुझे वो करैक्टर्स पसंद ही नहीं हैं जिसको बोलो- उठो तो उठ जाए, जिसको बोलो बैठो, तो बैठ जाए, क्योंकि मैं असल जिंदगी में वैसे नहीं है। ऐसा हो ही नहीं सकता कि मुझे कोई लड़का बोले कि ये पहन, तो मैं पहन लूं। मुझे नहीं पहनना है तो मैं नहीं पहनूंगी, मेरी मर्जी है। जब मेरे मां-बाप ने मुझे कभी कुछ नहीं बोला है, तो मैं किसी और की नहीं सुनूंगी। इसलिए, हां, ऐसे किरदार मैं सोचकर ही करती हूं, क्योंकि मुझे ऐसे किरदार पसंद ही नहीं आते, जिसमें रीढ़ की हड्डी न हो। देखिए, अगर एक सहमी लड़की है, जो अपने फैसले खुद नहीं ले सकती, मुझे उसे करने में भी कोई दिक्कत नहीं है, लेकिन आखिर में उसमें बदलाव आना चाहिए, उसे सशक्त होना चाहिए। अगर ऐसा नहीं है तो वह मेरे लिए बहुत बोरिंग किरदार है।

आपके लिए एक रिश्ते में सबसे बड़ा डील ब्रेकर क्या है? दूसरे, आप अपने पार्टनर में तीन खूबियां क्या चाहेंगी?

एक्ट्रेस फातिमा ने कहा, मेरे लिए डील ब्रेकर रिश्ते में बेईमानी और भरोसा ना होना है, क्योंकि अगर भरोसा नहीं है ना तो कुछ भी करो उस रिश्ते का कोई मतलब नहीं है। मेरे लिए बहुत जरूरी है कि मेरा पार्टनर ऐसा हो, जिस पर भरोसा किया जा सके। रही बात उसकी खूबियों की, तो उसे प्यार को जताने से कतराना नहीं चाहिए। ऐसा न हो कि अगर आई लव यू बोलना है तो उसमें 10 दिन लगते हैं। ईगो नहीं होना चाहिए। कई बार ऐसा होता है कि जब हम रिलेशनशिप में होते जाते हैं, तो मर्द यह उम्मीद करता है कि आप बदल जाओ। अपनी चॉइसेज बदल लो। अपना रहन सहन, कपड़ा पहनना जो भी है, वो नहीं होना चाहिए।

स्वामी मुद्रक व प्रकाशक अनुज कुमार के द्वारा एजीएस पब्लिकेशंस एफ 23, सेक्टर 6, गौतम बुध नगर, उत्तर प्रदेश 201301 से मुद्रित व गांव बुखारीपुर, पोस्ट ढवारसी, तहसील हसनपुर, जनपद अमरोहा, उत्तर प्रदेश पिन कोड 244242 से प्रकाशित।
संपादक- अनुज कुमार, R.N.I. No.- UPHIN/25/RAA18, मो0.9456884327, E-mail- officialsabkasapna@gmail.com, www.sabkasapna.com नोट- समस्त विवादों का न्यायिक क्षेत्र अमरोहा जनपद न्यायालय होगा।